WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक **नवप्रदेश**

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 4 | अभिव्यक्ति 5 | राजधानी 8 | छत्तीसगढ़ 11 | देश विदेश

बिलासपुर, सोमवार, 17 नवंबर 2025 शुक्ल पक्ष- द्वादशी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-11 अंक- 209 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

बिहार विधानसभा चुनाव में जनसुराज पार्टी ने अंडा दिया है। चर्चित चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर समझ नहीं पा रहे हैं कि इस अंडे की भूर्जी बनाये या आमलेट बनाकर खायें। प्रशांत किशोर ने चुनाव के दौरान बढ़ चढ़कर कई दावे किये थे वो खोखले साबित हुए। जोश में अपना होश खोते हुए प्रशांत किशोर ने भविष्यवाणी की थी कि नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे और उनकी पार्टी जदयू को 25 से ज्यादा सीटें नहीं मिलेंगी। यदि ऐसा हुआ तो वे राजनीति छोड़ देंगे। अब उनसे नीतीश कुमार पूछेंगे कि - अब तेरा क्या होगा रे प्रशांत किशोरवा?

सीएम साय ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर दी बधाई एवं शुभकामनाएं

रायपुर /नवप्रदेश । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस 16 नवंबर के अवसर पर मीडिया जगत से जुड़े सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारे लोकतंत्र की विशेषता और आधारशिला है। निष्पक्ष प्रेस और निर्भीक पत्रकारिता स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। मीडिया नागरिकों को उनके अधिकार और दायित्व के प्रति सचेत कर देशहित व लोकहित के प्रति जागरूक करता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारतीय प्रेस दिवस भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रेस के महत्व और योगदान को याद करने का दिन है। मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर आशा व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया अपनी प्रखरता, संवेदनशीलता और सत्यनिष्ठा के साथ लोकतंत्र के पथ को और अधिक प्रकाशमान करता रहेगा।

दलगत राजनीति से दूर हूं, भावनाओं पर नियंत्रण बेहद जरूरी

नई दिल्ली (वार्ता)। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को बिहार चुनाव-2025, कथित वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह दलगत राजनीति से दूर हूं। मेरी अपने सभी मित्रों से अपील है कि जो भी सार्वजनिक जीवन में हैं, उन्हें हमेशा अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए। यह बेहद जरूरी है। लोग हमेशा उसी पेड़ पर पत्थर फेंकते हैं, जिस पर फल ज्यादा होते हैं। इसलिए सार्वजनिक जीवन में धैर्य जरूरी है। हमें हर सवाल का जवाब देने की जरूरत नहीं। उन्हें सवाल पूछने का अधिकार है और हमें जवाब देने या न देने का अधिकार है। बिहार चुनाव 2025 के नतीजों के बाद सांविधानिक संस्थाओं पर विपक्ष के हमले पर उपराष्ट्रपति ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह ठीक है। हर किसी की अपनी राय होती है, लेकिन लोग खुद जानते हैं कि सही क्या है। दिल्ली में हुए आतंकी हमले पर उन्होंने कहा, पुलिस और खुफिया एजेंसियों को हर बार सतर्क रहना पड़ता है।

चुनाव आयोग ने मतदाता विवरण डिजिटलीकरण की समय सीमा नवंबर के अंत तक बढ़ाई

कोलकाता (वार्ता)। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में गणना प्रपत्रों के माध्यम से एकत्रित मतदाता विवरणों के डिजिटलीकरण को पूरा करने के लिए नवंबर के अंत तक की समय सीमा तय की है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के अनुसार, बूथ स्तर पर पहले से ही चल रहे डिजिटलीकरण कार्य में अब तक लगभग 50 लाख फॉर्म शामिल हो चुके हैं। सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर यूनीवार्ता को बताया, आयोग के निर्देशानुसार रविवार से डेटा प्रविष्टि की गति बढ़ायी जायेगी।

गरमा-गरम

हर साल बढ़ रहा 'सुपर फूड' की खेती का रकबा

■ आमदनी धान से दोगुनी, विदेशों में भी है डिमांड

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में धान की खेती की बजाय दूसरी लाभकारी फसलों की खेती के लिये किसानों को प्रोत्साहित करने की दिशा में धीरे-धीरे सफलता मिल रही है। धान के विकल्प के रूप में सुपर फूड़ की खेती के लिये किसान आगे आ रहे हैं। रायपुर, धमतरी, बालोद सहित अन्य जिले में मखाने की आधुनिक खेती से किसानों को धान की तुलना में दोगुनी आमदनी हो रही है।

पोषक तत्वों से भरपूर स्वास्थ्यवर्धक मखाने की खेती से किसानों की आय बढऩे के कारण अब किसानों के साथ ही महिला समूह भी मखाने की खेती कर रही है। शुरुआती दौर में मखाना की खेती का रकबा करीब 30 एकड़ था। लेकिन अब रकबा बढ़कर तीन गुना से ज्यादा हो गया है। भारत के अलावा दुनिया के कई देशों में मखाना की डिमांड है। कम पानी में बेहतर उत्पादन और ज्यादा मुनाफा वाली फसल मखाना को तालाबों, जलीय क्षेत्रों, दलदली भूमि, बांधों के तराई और बारहमासी

□ शेष पृष्ठ 6 पर

ऐसे होती है मखाना की खेती

तालाबों में केवल 2 से 3 फीट पानी में यह फसल आसानी से तैयार हो जाती है। लगभग छह महीने में कटाई योग्य हो जाती है। मखाने की नर्सरी 45 से 60 दिन में रोपाई के लिए तैयार हो जाती है। एक-एक मीटर की दूरी पर प्रति एकड़ 4000 पौधे रोपे जाते हैं। रोपाई के 2 महीने के बाद बैंगनी रंग का फूल खिलता है। 35-40 दिनों बाद फल पूरी तरह से विकसित हो जाता है। सितंबर आखिरी या अक्टूबर में कटाई होती है।

पोषक तत्वों का अनमोल खजाना

न्यूट्रिशन रिच फूड मखाना में कैल्शियम, मैग्निशियम, आयरन, जिंक, विटामिन, प्रोटीन और फास्फोरस, फाइबर की काफी मात्रा होती है। डायबिटीज और हृदय रोगियों के लिए बेहद उपयोगी है। इसके सेवन से हड्डियों और जोड़ों का दर्द दूर करने में मदद मिलती है। तनाव कम करने में मददगार है। इम्युनिटी बढ़ाने के साथ-साथ कुपोषण दूर करता है। दूध के साथ मखाने का सेवन करने से नींद न आने की समस्या दूर होती है। नियमित सेवन से शरीर की कमजोरी दूर होती है।

बढ़ रहा है रकबा

विश्व बाजार में मखाना की बढ़ती लोकप्रियता और कमाई की वजह से अब धीरे-धीरे इसकी खेती का रकबा बढ़ रहा है। धमतरी ब्लाक के देमार गांव में शैलपुत्री महिला समूह और नई किरण महिला समूह ने मखाने की खेती और इसके प्रसंस्करण का प्रशिक्षण लेने के बाद उत्पादन शुरू कर दिया है। मखाने की खेती से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होने के साथ ही आत्मनिर्भर हो रही हैं। कुरूद ब्लॉक के राखी, दरगहन और सरसोंपुरी जैसे गांवों के तालाबों में मखाने की खेती का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। नगरी में ग्राम खुनंदनी के जय मां विंध्यवासिनी स्व सहायता समूह की महिलाओं ने मखाना की खेती का प्रशिक्षण प्राप्त किया। बालोद जिले में मखाना की खेती की शुरुआत हो रही है।

छत्तीसगढ़ में अंतिम सांसें ले रहा नक्सलवाद : सीएम साय

बोले- दो वर्षों में दो हजार नक्सलियों ने किया सरेंडर

जगदलपुर /नवप्रदेश । जगदलपुर में आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साय ने कहा कि नक्सलवाद के जड़ से उखाड़ दिए जाने के बाद बस्तर क्षेत्र में तेजी से विकास होगा।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछले दो वर्षों में 2,000 से अधिक नक्सलियों ने हथियार डाल दिए हैं और राज्य में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। आगे सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च, 2026 तक भारत से नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया है।

जगदलपुर में आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साय ने कहा कि नक्सलवाद के जड़ से उखाड़ दिए जाने के बाद बस्तर क्षेत्र में तेजी से विकास होगा। उन्होंने कहा नक्सलवाद अपनी अंतिम साँसें ले रहा है। नक्सली बड़ी संख्या में आत्मसमर्पण कर रहे हैं। हमने एक प्रभावी आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति लागू की है और इसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। दिसंबर 2023 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से लगभग दो वर्षों में 2,000 से ज़्यादा नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

सीएम साय ने कहा कि नियाद नेल्लानार योजना के तहत बस्तर के 327 गांवों तक विकास पहुँचा है, जिससे सड़क संपर्क, बिजली, पानी की आपूर्ति, स्कूल, अस्पताल, राशन वितरण सुविधाएँ और दूरसंचार नेटवर्क उपलब्ध हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बस्तर में पर्यटन की अपार संभावनाओं को बढ़ावा दे रही है और अपनी नई औद्योगिक नीति के तहत पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष बस्तर ओलंपिक (खेल आयोजन) का आयोजन किया गया था जिसमें 1.65 लाख लोगों ने भाग लिया था, जो इस वर्ष बढ़कर 3 लाख हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि बस्तर पंडुम महोत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। क्षेत्र के लोग विकास

□ शेष पृष्ठ 6 पर

जवानों ने मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को ढेर किया

■ स्नाइपर स्पेशलिस्ट माड़वी देवा और दो महिला नक्सली ढेर

■ 303 राइफल-बीजीएल लॉन्चर बरामद

सुकमा/नवप्रदेश। सुकमा जिले के तुमालपाड़ जंगल में नक्सलियों और जवानों के बीच रविवार सुबह मुठभेड़ । जवानों ने मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को ढेर कर बड़ी सफलता हासिल की है। इनमें 5 लाख का इनामी नक्सली कमांडर माड़वी देवा शामिल है। साथ ही मुठभेड़ में पोडिय़म गंगी (सीएनएम कमांडर) और सोड़ी गंगी (एरिया कमेटी सदस्य) मारे गए हैं। मौके से कई हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया है। जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी के जवानों ने सर्च ऑपरेशन लॉन्च किया था। रविवार सुबह जवानों के इलाके में पहुंचते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी मोर्चा संभालते हुए गोलियों का जवाब दिया. दोनों तरफ से रुक-रुक कर फायरिंग जारी रही. मुठभेड़ में जनमिलिशिया कमांडर माड़वी देवा, सीएनएम कमांडर पोडिय़म गंगी और एरिया कमेटी सदस्य सोड़ी गंगी ढेर हुए हैं।

बिहार में मिला जनादेश

नीतीश कुमार के नेतृत्व में बन रही सरकार :डॉ. रमन सिंह

रायपुर /नवप्रदेश । बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिले जनादेश के बाद अब मुख्यमंत्री के शपथ और मंत्रिमंडल गठन की चर्चा तेज है। इस बीच छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्य योजना बनाकर काम किया है। बिहार में जंगल राज को खत्म कर लोगों के जीवन में परिवर्तन लाया है। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है।

बिहार चुनाव में भूपेश बघेल की भूमिका पर टिप्पणी

बिहार चुनाव में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को सीनियर ऑब्ज़र्वर बनाया गया था। उनके चुनावी प्रभाव को लेकर पूछे गए सवाल पर विधानसभा स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भूपेश बघेल को जब-जब जिम्मेदारी मिली है, तब सभी जानते हैं कि क्या होता है। नीतीश कुमार की ईमानदारी और उनके नीतियों की यह जीत है।

18 नवंबर को विधानसभा का विशेष सत्र

विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के 18 नवंबर को बुलाए गए विशेष सत्र को लेकर जानकारी दी कि पुराने विधानसभा में एक दिन का सत्र होगा। जहां 25 साल बिताए उसका यह सत्र है. पुराने विधानसभा में सभी की यादें है। पुराने विधानसभा में यह अंतिम सत्र रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि शीतकालीन सत्र नए विधानसभा में आयोजित होगा।

28 से 30 नवंबर तक डीजी कॉन्फ्रेंस

डीजी कॉन्फ्रें स को लेकर डॉ. रमन सिंह ने कहा कि डीजी कॉन्फ्रें स में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ अन्य राज्य के डीजी शामिल होंगे। नक्सल समस्या को लेकर एक निर्णायक दौर आया है. नक्सलवाद से देश आगे बढ़ चुका है. 2026 मार्च तक नक्सलवाद खात्मे की डेडलाइन तय हो चुकी है। शत प्रतिशत नक्सल समाप्ति करने में सफलता मिलेगी।

धान खरीदी के बीच बारदानों में लग रही आग

अलग-अलग केंद्रों में लाखों बोरे जलकर खाक, उड़ रही है संदेह की बदबू

जांजगीर-चांपा/कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी जारी है, इसी बीच दो अलग-अलग जिलों से बारदाना में आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। लगातार चल रही खरीदी व्यवस्था के बीच हुई इन घटनाओं से हलचल मचा दी है।

40 गठान बारदाना जलकर राख

पहली घटना जांजगीर-चांपा जिले की पामगढ़ थाना क्षेत्र के लगरा सेवा सहकारी समिति की है। यहां धान खरीदी केंद्र के सामने चबूतरे में रखे 40 गठान नए बारदाने में अचानक आग लग गई। आग लगने के कारण बारदाना जलकर राख हो गया और करीब 20 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

बताया जा रहा है कि बारदाना को एक दिन पहले ही प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खाली कराया गया था। फिलहाल, आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल सका है।**500 धान बोरे जले:** दूसरी घटना कवर्धा जिले के पंडरिया क्षेत्र के कुंआमालगी गांव में हुई, जहां बारदाने में

□ शेष पृष्ठ 6 पर

धनुष ने जीता एयर राइफल का स्वर्ण, मुर्तजा को रजत

नई दिल्ली(वार्ता)। भारत के युवा निशानेबाज धनुष श्रीकांत ने टोक्यो में चल रहे डेफलिंपिक्स में पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर भारत का खाता खोल दिया। 23 वर्षीय धनुष ने फाइनल में 252.2 अंक बनाते हुए डेफ फाइनल वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। भारत के ही मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया, जबकि दक्षिण कोरिया के बैक स्यूंघाक को 223.6 अंक के साथ कांस्य मिला। धनुष ने क्वालिफिकेशन राउंड में 630.6 अंक बनाकर डेफलिंपिक्स रिकॉर्ड कायम किया।

अंतरिक्षयान उत्पादन बढ़ाकर तीन गुना करेगा इसरो

■ इस वित्तीय वर्ष सात और प्रक्षेपण करने की तैयारी

बंगलूरू (आईएएनएस) । इसरो इस वित्तीय वर्ष में सात और प्रक्षेपण करने की योजना बना रहा है। साथ ही इसरो अपना पहला मानव अंतरिक्ष यान 2027 में भेजने की भी तैयारियों में जुटा है। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने एक इंटरव्यू में बताया कि इसरो विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग क्षमता बढ़ाने की दिशा में तेजी से विस्तार कर रहा है। नारायणन ने कहा कि इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) चालू वित्तीय वर्ष के अंत से पहले

□ शेष पृष्ठ 6 पर

चंद्रयान-4 मिशन को 2028 में लॉन्च करने का लक्ष्य

इसरो चेयरमैन ने बताया कि भारत में निर्मित पहले पीएसएलवी का प्रक्षेपण भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक मील का पत्थर होगा। इसरो प्रमुख ने कहा कि सरकार ने चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दे दी है। यह भारत का अब तक का सबसे मुश्किल चंद्र अभियान होगा। इसरो ने साल 2028 में चंद्रयान-4 मिशन लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है। चंद्रयान-4 मिशन के जरिए इसरो चंद्रमा से नमूने वापस लाने का प्रयास करेगा। अभी तक यह उपलब्धि वर्तमान में केवल अमेरिका, रूस और चीन ही कर सकते हैं।

बिहार में जीत ने फिर साबित की वैश्विक राजनीतिक पकड़

पश्चिमी मीडिया की नजर में 'ब्रांड मोदी

नई दिल्ली (वार्ता)। बिहार विधानसभा चुनावों म प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की दमदार जीत ने केवल घरेलू राजनीति को ही प्रभावित नहीं किया, बल्कि पश्चिमी मीडिया को भी सीधे केंद्रित कर लिया है। ठीक उसी तरह जैसे न्यूयॉर्क के मेयर चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सक्रिय भागीदारी ने अमेरिकी प्रेस का ध्यान खींचा था, बिहार में मोदी द्वारा चुनाव प्रचार का नेतृत्व किए जाने ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों को इस परिणाम की गहन व्याख्या करने के लिए प्रेरित किया।

द न्यूयॉर्क टाइम्स के दक्षिण एशिया संबंधी विश्लेषक जेफरी गेटलमैन ने लिखा कि बिहार का परिणाम स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि नरेंद्र मोदी की चुनावी

अपील किसी भी राज्य की राजनीतिक जटिलताओं से ऊपर जाकर मतदाताओं तक पहुंचती है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की दक्षिण एशिया रिपोर्टिंग प्रमुख हन्नाह बीच ने अपनी टिप्पणी में लिखा कि बिहार परिणाम दर्शाता है कि नरेंद्र मोदी की चुनावी पहचान राज्य-विशिष्ट राजनीतिक समीकरणों के ऊपर उठकर प्रभाव डालती है। उनके अनुसार इस चुनाव में स्थानीय मुद्दों के साथ राष्ट्रीय नेतृत्व और राजनीतिक ब्रांडिंग भी प्रभावी रही। द वॉशिंगटन पोस्ट की

□ शेष पृष्ठ 6 पर

बड़े राजनीतिक संकेत

अंतरराष्ट्रीय मीडिया के आकलन के अनुसार बिहार चुनाव ने दो बड़े राजनीतिक संकेत दिए हैं। मोदी की व्यक्तिगत राजनीतिक पकड़ और ब्रांड वैल्यू भारतीय मतदाताओं पर अब भी गहरा प्रभाव रखती है। विपक्ष को मजबूत नेतृत्व, स्पष्ट दृष्टिकोण और राष्ट्रीय स्तर की वैकल्पिक छवि के बिना जीत हासिल करना कठिन होगा। बिहार की जीत के बाद पश्चिमी मीडिया का स्पष्ट आकलन है कि निकट भविष्य में भारतीय राजनीति की केंद्रीय धुरी नरेंद्र मोदी ही बने रहेंगे और आने वाले प्रमुख चुनावी मुकाबलों में उनका प्रभाव सबसे निर्णायक तत्व होगा।

नीतीश ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकारों को बधाई दी

पटना (वार्ता) बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर पत्रकारों को हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री कुमार ने एक्स पर लिखा,भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना के उपलक्ष्य में इस दिन को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। कुमार ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि यह दिवस स्वतंत्र, निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता की उस समृद्ध परंपरा का प्रतीक है, जिसने हमारे लोकतंत्र को निरंतर सशक्त किया है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, सात लोग मरे

इस्लामाबाद(वार्ता) । पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम सात लोगों की मौत हो गयी और सात अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राहत एवं आपातकालीन बचाव टीम 1122 सिंध के प्रवक्ता हसन उल हसीब ने बताया कि यह विस्फोट शनिवार शाम हैदराबाद ज़िले के लगहारी गोठ में हुआ। उन्होंने कहा, विस्फोट के बाद भीषण आग ने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। बचाव दल ने मलबे से शव निकाले और घायलों को स्थानीय अस्पताल पहुँचाया। घायलों में से तीन की हालत गंभीर है।अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विस्फोट के कारणों की जाँच की जा रही है। 'आप मुझ पर बुलडोजर चला दो': मकान तोड़ने पहुंचे अफसरों के सामने आई महिला वाराणसी(वार्ता)। शनिवार को पीडब्ल्यूडी और प्रशासन की टीम दालमंडी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने पहुंची। सुबह करीब 12 बजे पहुंची टीम ने भवन संख्या डी 50/207 पर कार्रवाई शुरू की तो भवन स्वामी मोहम्मद शाजिद और मोहम्मद वाजिद ने खाली करने के लिए समय मांगा। टीम ने 10 मिनट का समय दिया। इसके बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। हथौड़ा की मदद से तीन मंजिला मकान ध्वस्त किया गया और आठ दुकानें गिराई गईं। टीम ने मकान में ऊपरी मंजिल पर पांच मजदूर लगाकर तोड़फोड़ शुरू की गई। टीम ने ऊपर जाने के लिए ताला की चाबी मांगी लेकिन नहीं मिली। इसके बाद ताला तोड़कर कार्रवाई शुरू की गई। करीब आठ घंटे तक चली कार्रवाई में मकान और आठ दुकानें तोड़ दी गईं। इसी भवन के सामने चार मंजिला मकान सीके 67/27 भी अवैध घोषित है। टीम यहां तोड़ने गई तो यहां मकान मालिक नसीमा बनो ने विरोध करना शुरू कर दिया। कहा कि उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। आरोप लगाया कि उन्हें कोई नोटिस नहीं मिला है। कहा कि उन्हें जब नोटिस मिल जाएगा, उसके बाद ही वह मकान तोड़ने देंगी। यह वही मकान है, जिसे वीडीए की टीम ने चिह्नित किया थे। वीडीए ने महिला मकान मालिक से कहा कि कार्यालय आकर संपर्क करिए। पिछले दिनों वीडीए ने 12 मकानों को चिह्नित किया था, उसी में से यह एक मकान था। कार्रवाई के दौरान दालमंडी में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, दोनों तरफ से बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद कर दिया गया था। इस दौरान आगे का मार्केट खुला हुआ था और दालमंडी जाने वाले सभी गलियों में जाम की स्थिति थी। वीडीए के अफसरों ने बताया कि शनिवार को तीन मकान गिराए जाने थे लेकिन एक पर ही कार्रवाई हो सकी है। बाकी के दो मकानों पर रविवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई होगी। भवन सीके 67/1 सईद इल्ले अली का मकान है। इसमें दस दुकानें हैं। यहां भवन स्वामी ने थोड़ा समय मांगा है, टीम ने उन्हें खाली करने का समय दे दिया है। इस दौरान एसीपी दशाश्वमेध और एसीपी कोतवाली के साथ पीएससी भी मौजूद रही।

नवजात बच्चे को बेचने की कोशिश मां समेत पांच के खिलाफ मामला दर्ज

मुबंई (वार्ता)। बीडीडीएस (बम निरोधक दस्ता) और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचे। जांच के बाद पुलिस ने बताया कि कोई भी संदिग्ध सामान बरामद नहीं हुआ। दरअसल, अंबड़ पुलिस को सूचना मिली कि गोविंद नगर इलाके में जॉगिंग ट्रैक के पास मुख्य सड़क पर एक अज्ञात व्यक्ति थर्मोकोल के डिब्बे में कुछ सामान छोड़कर चला गया है। शक था कि डिब्बे में कुछ विस्फोटक है, जिसके बाद तुरंत बम निरोधक दस्ते को मौके पर पहुंचा। हालांकि, जांच के बाद उसमें कुछ नहीं मिला, जिससे सभी ने राहत की सांस ली। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शनिवार (15 नवंबर) रात लगभग 9:30 बजे अंबड़ पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर गोविंद नगर के मुख्य मार्ग पर एक अज्ञात व्यक्ति थर्मोकोल के डिब्बे में कुछ बिजली का सामान छोड़कर गया है और कहा है कि उसमें बम हो सकता है, अंबड़ थाने पुलिस कुछ ही मिनटों में टीम के साथ वहां पहुंची।

अकासा और इंडिगो 25 दिसंबर से शुरू करेंगी नवी मुंबई से उड़ानें

मुंबई। अकासा और इंडिगो मुंबई से सटे नवी मुंबई के नए हवाई अड्डे से 25 दिसंबर से उड़ानें शुरू करेंगी। इंडिगो ने कहा, शुरुआत में 10 शहरों के लिए सेवा शुरू होगी। 19,650 करोड़ रुपये की लागत से बने 1,160 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस हवाई अड्डे के पहले चरण के दौरान एक टर्मिनल को परिचालन में लाया जाएगा। इसकी सालाना 2 करोड़ यात्रियों को सेवा देने की क्षमता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 अक्तूबर को नए हवाई अड्डे का उदघाटन किया था। इंडिगो ने कहा, शुरू में दिल्ली, बंगलूरू, हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, गोवा, जयपुर, नागपुर, कोचिन और मंगलोर के लिए सेवा शुरू करेगी।

महाराष्ट्र : पांच साल बाद मॉब लिंचिंग के तीन दोषियों को उम्रकैद

मुंबई। महाराष्ट्र में ठाणे की एक अदालत ने चोरी के संदेह में एक शख्स की पीट-पीटकर हत्या करने वाले तीन दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वीजी मोहिते ने शुक्रवार को दोषी पाए गए रामतेज उर्फ गव्य राम यादव (29), अमरजीत उर्फ छब्बी बिंद्राप्रसाद गुप्ता (29) और चिराग उर्फ कल्या शोभनाथ ठाकुर (31) पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।तीनों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 504 (जानबूझकर अपमान करना) के तहत दोषी पाया। अदालत ने एक अन्य आरोपी शिवकुमार उर्फलाला बिंदर लोध को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। दरअसल, छह मार्च 2021 के इस मामले में भाईंदर पूर्व के इंदिरा नगर इलाके में भीड़ ने चोरी के शक में 23 साल के सूरजभान ओमप्रकाश सोनी और विक्की उर्फ अभिषेक सिंह पर हमला किया था। इस हमले में सोनी की मौत हो गई थी।

उद्धव ठाकरे 'बाल ठाकरे स्मारक ट्रस्ट' के अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक सार्वजनिक ट्रस्ट का पुनर्गठन किया है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को इस ट्रस्ट का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शिवसेना के संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे का स्मारक मुंबई के दादर इलाके में शिवाजी पार्क स्थित महापौर बंगले में बनाया जा रहा है। सरकार ने शनिवार को एक अधिसूचना जारी कर बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे को चार अन्य सदस्यों के साथ ट्रस्ट में नियुक्त किया, जो स्मारक के निर्माण की देखरेख कर रहा है।सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी सरकारी प्रस्ताव (जीआर) के अनुसार, पूर्व मंत्री सुभाष देसाई को ट्रस्ट का सचिव नियुक्त किया गया है ।

अनिल चौहान बोले- नई तकनीक से भविष्य के युद्ध स्मार्ट होंगे

'तीनों सेनाओं के बीच बेहतरीन तालमेल'

नई दिल्ली (वार्ता)। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सेना, नौसेना और वायुसेना में संयुक्तता बढ़ रही है, लेकिन सेवाओं की अलग पहचान बनी रहेगी। ऑपरेशन सिंदूर में तीनों सेनाओं ने शानदार तालमेल दिखाया। एमआरएसएएम और ब्रह्मोस जैसी तकनीक और साझा संसाधनों से भारत भविष्य के युद्धों में तेज और स्मार्ट रणनीतियों से बढ़त बनाएगा।

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सेना, नौसेना और वायुसेना में तेजी से बढ़ रही संयुक्तता के बावजूद तीनों सेवाओं की अलग पहचान बनी रहेगी। पहलगाम हमले के बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर में दिखी बेहतरीन तालमेल का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि नई क्षमताएं, साझा संसाधन और तकनीक-आधारित तैयारी भारत को भविष्य के युद्धों में बढ़त दिलाएंगी, जहां जीत स्मार्ट और तेज रणनीतियों से तय होगी। बता दें कि सीडीएस चौहान ने ये बातें नई दिल्ली में 14-15 नवंबर को आयोजित इंडियन मिलिटरी हेरिटेज फेस्टिवल के एक सत्र के दौरान कही।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जनरल चौहान ने कहा कि हाल ही में हुई ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीनों सेनाओं के बीच बेहतरीन तालमेल देखने को मिला। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल से 7 मई के बीच कई महत्वपूर्ण सैन्य संसाधनों को पश्चिमी सीमा की ओर शिफ्ट करना पड़ा और यह काम बेहद सहज तरीके से, सिर्फ एक स्टार रैंक के अधिकारी स्तर पर ही पूरा हो गया।

भविष्य की तैयारी पर क्या बोले जनरल चौहान

भविष्य की तैयारी पर चर्चा करते हुए सीडीएस ने कहा कि थियेटर कमांड्स बनने पर संयुक्त हेडक्वॉर्टर में स्टाफ भी संयुक्त रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि एक 'जॉइंट कल्चर' विकसित हो सके। उन्होंने युद्ध के बदलते स्वरूप पर भी बात की और कहा कि मानव भूगोल को समझना उतना ही आवश्यक है जितना भौगोलिक भूगोल, खासकर आतंकवाद और उग्रवाद से निपटने में।सीडीएस के मुताबिक भावी युद्ध में जीत उन्हीं की होगी जो नए क्षेत्रों, जैसे अंतरिक्ष और तकनीकी डोमेन में असमानताएं पैदा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि पारंपरिक युद्ध हमेशा कठिन और ज्यादा नुकसान वाला होगा, जबकि नए क्षेत्रों में युद्ध तेज, स्मार्ट और तकनीक आधारित होगा।

जनरल चौहान ने इस बात का किया खुलासा

सीडीएस ने बताया कि तीनों सेनाओं में समान उपकरणों, जैसे एमआरएसएएम और ब्रह्मोस का इस्तेमाल बढ़ रहा है, जिससे इंटीग्रेशन आसान होता जा रहा है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि इन हालिया हमलों में भारतीय नौसेना ने भी हिस्सा लिया और अपने पीएएलएम-400 व पीएएलएम-120 जैसे लंबी दूरी वाले घूमते हुए गोला-बारूद का इस्तेमाल किया। दिलचस्प बात यह रही कि यह क्षमता सेना और वायुसेना को पहले पता नहीं थी, लेकिन इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ(आईडीएस) के पास यह जानकारी थी।

100 करोड़ में प्रतिबंधित कफसिरप की 89 लाख शीशी खरीदी-बेची

■ काशी के 28 दवा कारोबारियों पर मामला दर्ज

वाराणसी। (वार्ता)। वाराणसी के कोतवाली में दो दर्जन से ज्यादा लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के साथ ही कार्रवाई शुरू कर दी गई है। फर्जी बिल का उपयोग कर नशे वाली कफ सिरप की खरीद-बिक्री की गई है।

उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने शनिवार को कोडीन युक्त प्रतिबंधित कफ सिरप और नॉरकोटिक्स (एनआरएक्स) की श्रेणी में शामिल औषधियों के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया है। अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना शुभम जायसवाल और उसके पिता भोला जायसवाल सहित काशी के 28 दवा कारोबारियों के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया।

आरोप है कि 100 करोड़ की 89 लाख शीशी प्रतिबंधित कफसिरप खरीदी और बेची गई। काशी के ही 93 मेडिकल स्टोर के नाम पर 84 लाख शीशी प्रतिबंधित कप सिरफ खरीदी-बेची गई है। जिस मेडिकल स्टोर के नाम पर कारोबार दिखाया गया उनमें से ज्यादातर मौके पर नहीं मिले। इससे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त की तरफ से संगठित अपराध में संलिप्त ऐबट हेल्थकेयर के सुपर स्टॉकिस्ट मेसर्स शैली ट्रेडर्स, रांची (झारखंड) के खिलाफ भी मामला दर्ज कराया है। यह कंपनी काशी की है लेकिन फर्जी नाम और पते के सहारे अलग-अलग राज्य-शहरों में चलाई जा रही है।

पुलिस ने की कार्रवाई

थाने में दर्ज केस के मुताबिक, शैली ट्रेडर्स ने 2023 से 2025 के बीच ऐबट हेल्थकेयर से प्रतिबंधित कफसिरप खरीदा और बेचा है। इस गिरोह की कमान शैली ट्रेडर्स के प्रोपराइटर मैदागिन निवासी भोला जायसवाल के बेटे शुभम जायसवाल के हाथ में थी। शुभम के खिलाफ गाजियाबाद में केस दर्ज कराया गया था। वह विदेश भाग चुका है। अब गाजियाबाद की पुलिस लुकआउट नोटिस जारी कराने की तैयारी में है।

दो कंपनी में काम करते मिला शुभमप्रदेश भर में कफ सिरप की खेप बरामदगी के बाद खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त रोशन जैकब ने वाराणसी में कार्रवाई की। उनके नेतृत्व में गठित सहायक आयुक्त (औषधि) अखिलेश कुमार जैन, औषधि निरीक्षक सीमा सिंह, वैभव बब्बर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के 10 अन्य औषधि निरीक्षकों की टीम ने 12 से 14 नवंबर के बीच जांच की। आयुक्त के मुताबिक, शुभम जायसवाल एक ही अवधि में मेसर्स शैली ट्रेडर्स रांची और मेसर्स न्यू वृद्धि फार्मा वाराणसी में काम करते मिला जो लाइसेंसिंग नियमों का गंभीर उल्लंघन है। स्थानीय लोगों की मिलीभगत से शैली ट्रेडर्स के प्रोपराइटर भोला प्रसाद और शुभम जायसवाल वाराणसी के मैदागिन निवासी हैं।

बंद फर्मों को बेचा कफसिरप

जांच में सामने आया कि नौ बंद फर्मों को कफ सिरप बेचा गया। इनमें मेसर्स सृष्टि फार्मा, जीटी इंटरप्राइजेज, शिवम फार्मा, हर्ष फार्मा, डीएसए फार्मा, महाकाल मेडिकल स्टोर, निशांत फार्मा, वीपीएम. मेडिकल एजेंसी और श्री बालाजी मेडिकल के नाम शामिल हैं।

बच्चियों ने वर्कशॉप की कमाई बाढ़ पीड़ितों को दान की

■ सीएम भगवंत मान ने की सराहना

चंडीगढ़ (वार्ता)। एक ऐसी उम्र जिसमें जहां बच्चे खिलौनों और मिठाइयों के सपने देखते है, अमृतसर की दो छोटी बच्चियों ने अलग सपने देखने का फैसला किया। सिर्फ 7 साल की मोक्ष सोई और 6 साल की श्रीनिका शर्मा ने जन्मदिन के तोहफे या नई गुड़िया नहीं मांगीं। इसके बजाय, उनके छोटे-छोटे हाथों ने क्रोशिया की सुइयों से अथक मेहनत की, धागे ही नहीं बल्कि उम्मीद बुनी। उनकी प्रदर्शनी का नाम था क्रोशिए ऑफ काइंडनेस (दयालुता की बुनाई)। यह कला दिखाने के लिए नहीं थी, बल्कि इंसानियत दिखाने के लिए थी। उनके द्वारा बनाई गई हर रंगीन चीज में उनके मासूम दिलों की गर्माहट थी। और जब प्रदर्शनी खत्म हुई, तो इन दोनों फरिश्तों ने कुछ ऐसा किया जो बड़ों को भी एहसास करवा गया के समाज को ऐसी संवेदना की बहुत जरूरत है। उन्होंने पंजाब की बाढ़ पीड़ितों के लिए अपनी कमाई का एक-एक पैसा दान कर दिया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इन अद्भुत बच्चियों से मुलाकात की और उनकी आंखों में वो खुशी दिखी की जो वो अपने लोगों को समझाना चाहते है लोग उसे समझ रहे है। उन्होंने इनके निस्वार्थ कदम की सराहना करते हुए कहा कि ये पंजाब की असली भावना की दूत है। उन्होंने कहा, जब इतने छोटे बच्चे दूसरों का दर्द समझते है और कुछ करते है, तो वे हमें सिखाते है कि इंसान होने का मतलब क्या है। उन्होंने कहा और दोनों बच्चियों को आशीर्वाद दिया। यह दिल छू लेने वाला काम मिशन चढ़दीकला का हिस्सा है। पंजाब का फिर से उठने का संकल्प, भयंकर बाढ़ के बाद जिसने हजारों लोगों को बेघर और दुखी कर दिया। जब बड़े लोग बहस और देरी में लगे थे, मोक्ष और श्रीनिका ने बस काम किया। उन्होंने दुख देखा और प्यार से जवाब दिया। जिस उम्र में ज्यादातर बच्चे नुकसान को समझ भी नहीं पाते, इन दोनों ने वह सब समझ लिया जो मायने रखता है।

ईडी ने ड्रग तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 110 'म्यूल' बैंक खाते किए फ्रीज

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से दिल्ली में ड्रग तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में बड़ी कार्रवाई करते हुए 110 'म्यूल' बैंक खातों को फ्रीज किया है और करीब 70 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। ईडी ने यह कदम एनसीबी की उस शिकायत के आधार पर उठाया, जिसमें नवंबर 2024 में 82.53 किलो 'हाई-ग्रेड' कोकीन की बरामदगी का मामला दर्ज किया गया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली में ड्रग तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में बड़ी कार्रवाई करते हुए 110 'म्यूल' बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है और करीब 70 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। एजेंसी को तलाशी के दौरान दुबई-आधारित क्रिप्टोकरंसी वॉलेट के उपयोग के सबूत भी मिले।

क्या होते हैं 'म्यूल' खाते?

ये वे बैंक खाते होते हैं जिनका इस्तेमाल अवैध पैसों को इधर-उधर करने के लिए किया जाता है। अक्सर इन्हें असली कस्टमर आईडी का दुरुपयोग करके या नकली पहचान के सहारे खोला जाता है।

किस मामले में हुई कार्रवाई?

ईडी ने यह कदम नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की उस शिकायत के आधार पर उठाया, जिसमें नवंबर 2024 में 82.53 किलो 'हाई-ग्रेड' कोकीन की बरामदगी का मामला दर्ज किया गया था। इस ड्रग की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 900 करोड़ रुपये आंकी गई थी। एनसीबी ने इस मामले में पहले ही पांच लोगों को गिरफ्तार कर रखा है।

कहां-कहां छापेमारी और क्या मिला छापों में?

ईडी ने 14 नवंबर को दिल्ली-एनसीआर और जयपुर में कुल पांच जगहों पर तलाशी ली। इस दौरान 110 'म्यूल' बैंक खाते फ्रीज (इनमें 73 क्ष्ढ्ढ और डिजिटल वॉलेट से जुड़े खाते शामिल), 70 लाख रुपये नकद, कई डिजिटल डिवाइस और दस्तावेज, दुबई आधारित क्रिप्टो वॉलेट के जरिए धन भेजने के सबूत हैं। इसके साथ ही ऑनलाइन बेटिंग और जुआ नेटवर्क का खुलासा, जो मोबाइल ऐप के जरिये चल रहा था।

इस कार्रवाई पर प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि इन खातों और डिजिटल वॉलेट का इस्तेमाल ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े लेन-देन और ड्रग नेटवर्क की कमाई को छिपाने के लिए किया जा रहा था।

'जलवायु जिम्मेदारी निभातेहुए विकास कर रहा भारत'

नई दिल्ली (वार्ता)। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि भारत ने ये दिखाया है कि आर्थिक विकास और सामाजिक समावेश एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि समतापूर्ण विश्व बनाने के लिए दुनिया को भारत से सीखने की जरूरत है। यूएनडीपी के कार्यवाहक प्रशासक हाओलियांग शू ने कहा कि भारत के विकास की कहानी न केवल आर्थिक प्रगति के बारे में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी है कि प्रौद्योगिकी और सहभागी शासन साथ-साथ चल सकते हैं।

'दुनिया को भारत से सीखने की जरूरत'-शू ने कहा कि जलवायु अनुकूलन, नवीकरणीय ऊर्जा और समावेशी डिजिटल वित्त के प्रति भारत की प्रतिबद्धता विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाने का एक उदाहरण पेश करती है। उन्होंने कहा कि भारत इस तरह विकास कर रहा है जो आर्थिक रूप से मजबूद्य और जलवायु-उत्तरदायी दोनों हों। डिजिटलीकरण और जलवायु कार्रवाई सहित सहयोग के नए क्षेत्रों को मजबूत करने और उनकी पहचान करने के लिए हाओलियांग शू भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आए हुए हैं।

भारत ने तेज विकास को गरीब वर्ग से जोड़ा-

यूएनडीपी के नवीनतम मानव विकास सूचकांक से पता चलता है कि मानव विकास में वैश्विक प्रगति 35 वर्षों के निचले स्तर पर आ गई है और पिछले दो वर्षों से यह लगभग स्थिर है। शू ने जलवायु परिवर्तन और गरीबी सहित विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के विकास मॉडल की सराहना की। यूएनडीपी प्रमुख ने कहा कि भारत ने दिखाया है कि तेज विकास को लोगों, विशेष रूप से ऐतिहासिक रूप से पिछड़े लोगों में सोच-समझकर किए गए निवेश से जोड़ा जा सकता है।

भारत सरकार की इन योजनाओं को सराहा-

शू ने खासकर भारत के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) और आयुष्मान भारत का उल्लेख किया और कहा कि ये कार्यक्रम आजीविका सुरक्षा को सामाजिक सुरक्षा के साथ जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और वित्तीय समावेशन प्लेटफार्मों, जिनमें जन धन, आधार, मोबाइल (छ्वरू) ट्रिनिटी और क्ष्ढ्ढ (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) शामिल हैं, ने करोड़ों लोगों तक पारदर्शी और सीधे लाभ पहुंचाने में मदद की है, और ऐसे उदाहरण पेश किए हैं जिनका अब कई देश अनुसरण कर रहे हैं।

सोनभद्र में ड्रिलिंग...धंसी पत्थर खदान, एक मजदूर की मौत

■ 15 के दबे होने की आशंका; सपाजनों को पुलिस ने रोका

सोनभद्र(वार्ता)। सीएम योगी एक कार्यक्रम से निकले। उनके जाने के आधे घंटे बाद बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में ड्रिलिंग से मलबा धसक गया। यहां रविवार की सुबह आने वाले सपा नेताओं को पुलिस ने आगे जाने से रोक दिया। ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में शनिवार की दोपहर बाद ड्रिलिंग के दौरान पत्थर खदान धसक गई। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई और 15 श्रमिकों के फंसे होने की खबर है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर हैं। एक शव बरामद कर लिया गया है। बचाव कार्य जारी है।

परसाई ग्राम पंचायत के टोला अमिरिनिया निवासी राजू सिंह गोंड (28) पुत्र त्रिवेणी सिंह गोंड का शव रात दो बजे बरामद हुआ। बाकी तलाश जारी है। उसके जेब से मिले मोबाइल से संपर्क किया गया तो भाई सोनू सिंह ने मृतक की पहचान की। ओबरा थाने में केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक 15 से अधिक लोग मौके पर काम कर रहे थे। हादसे के वक्त खदान में नौ कंप्रेशर मशीनों से ब्लास्टिंग के लिए होल किया जा रहा था। घटना तब हुई, जब चंद किमी दूरी पर ही मुख्यमंत्री का कार्यक्रम आयोजित था। उनके लौटने के महज आधे घंटे बाद ही हादसे से खलबली मच गई। सूचना पर डीएम, एसपी सहित अन्य अफसर मौके पर पहुंचे। मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई है। हादसे में दो मजदूरों के मौत की भी चर्चा रही। हालांकि, इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई। मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर हुए खनन क्षेत्र में शनिवार को ब्लास्टिंग बंद था। इसे देखते हुए राजकीय पीजी कॉलेज ओबरा के पास मेसर्स कृष्णा माइनिंग के नाम से आवंटित खदान में ब्लास्टिंग के लिए होल बनाने का कार्य जारी था।

दौड़े-दौड़े पहुंचे परिजन

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस काम में नौ कंप्रेशर मशीनें और 18 से अधिक मजदूर लगे हुए थे। बताया जा रहा है कि दोपहर ढाई बजे के करीब अचानक से एक तरफ की दीवार धसक गई। इससे मलबा करीब डेढ़ सौ फीट नीचे गिरा। कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए। घटना से अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। आनन-फानन पास की अल्ट्राटेक, ओबरा व अन्य परियोजनाओं के राहत दल की मदद से बचाव कार्य शुरू किया।

25 लाख रुपये की जबरन वसूली की कोशिश में दो गिरफ्तार

मुंबई। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर कथित तौर पर पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता बनकर महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक संयुक्त उप-पंजीयक को धमकाने और उनसे 25 लाख रुपये की जबरन वसूली की कोशिश करने का आरोप है। पीड़ित के अनुसार, तीन लोगों ने उसके वरिष्ठ अधिकारियों से उसके खिलाफ अपमानजनक शिकायतें कीं, मीडिया में उसके बारे में गलत जानकारी फैलाई और 25 लाख रुपये न देने पर उसे निलंबित करवाने की धमकी दी। पीड़ित की शिकायत के आधार पर, पुलिस के जबरन वसूली विरोधी दस्ते ने जाल बिछाया और शुक्रवार को कलवा इलाके में एक रेस्टोरेंट के पास से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

महानदी के तट पर गूंजा जय छत्तीसगढ़ का नारा, गेड़ी नृत्य के प्रदर्शन से कटकवासी हुए भाव विभोर

पंजाब के कलाकारों ने सीखी गेड़ी नृत्य की बारीकियां, 20 राज्य के कलाकारों ने भागीदारी निभाई

बिलासपुर/नवप्रदेश। भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय एवं उड़ीसा शासन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित बालीयात्रा कटक महोत्सव जो कि 5 नवंबर से प्रारंभ होकर 14 नवंबर को महानदी के तट पर संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 20 राज्य के कलाकारों ने भागीदारी निभाया। अत्यंत ही गर्व की बात है कि इस महोत्सव में उड़ीसा शासन के द्वारा बिलासपुर की लोकप्रिय संस्था लोक श्रृंगार भारती गेड़ी लोक नृत्य दल को शानदार तेरहवां साल आमंत्रित किया गया।

अनिल कुमार गढ़ेवाल के कुशल नेतृत्व में 19 सदस्यीय गेड़ी लोक नृत्य दल ने दिनांक 10 नवंबर को बालीयात्रा के विराट मंच पर गेड़ी लोक नृत्य का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे देखकर कटकवासी भाव विभोर हो गए। अनिल कुमार गढ़ेवाल के द्वारा गाया हुआ गीत ' काट ले हरिहर बांसे जो भला' गीत पर दर्शकगण झूम उठे। वहीं मुख्य मांदल वादक मोहन डोंगरे ने एक ही जगह पर घूम-घूम कर बिना लय टूटे मांदल वादन किया तो दर्शकगण की तालियां से महानदी का तट गूंज उठा, वही सौखी लाल कोसले ने हारमोनियम पर गेड़ी नृत्य गीत बजाकर दर्शकों को मोहित किया तथा महेश नवरंग के बांसुरी वादन से दर्शक भाव विभोर हो गए। सह मांदल वादक के रूप में भरत वस्त्रकार ने लय एवं ताल पर गेड़ी नर्तकों को खूब नचाया। ढोलक पर द्वारिका लाश्कर ने ताल देकर समा बांध दिया। कौड़ियों चीनी मिट्टी की माला पटसन वस्त्र पहनकर मुख्य गेड़ी नर्तक प्रभात बंजारे तथा सूरज खांडे के गेड़ी में खड़े रहने के बावजूद उनके कंधों पर सवार होकर शुभम भार्गव ने गेड़ी को हवा में लहराया तो महानदी का तट दर्शकों की तालिया से गुंजायमान हो गया। वही चेतन कुर्रे तथा चंद्रशेखर केवट ने एक ही गेड़ी पर नृत्य करके सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। लक्ष्मी नारायण माण्डले तथा मनोज माण्डले फूलचंद ओगरे ने भी सह गेड़ी नर्तक की भूमिका निभाकर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। भाव नर्तक के रूप में शुभम भारद्वाज उदय खांडे ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कटक कलेक्टर ने गढ़ेवाल का मंच पर किया सम्मान

गेड़ी नृत्य के पश्चात कटक जिला के कलेक्टर दत्तात्रय भाऊसाहेब शिंदे ने मंच पर आकर दल प्रमुख एवं नृत्य निर्देशक अनिल गढ़ेवाल एवं साथियों का शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। ज्ञातव्य हो कि गेड़ी नृत्य दल को उड़ीसा शासन ने लगातार तेरहवां साल आमंत्रित कर सम्मानित किए हैं। राज्योत्सव के अवसर पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना काफिला रुकवा कर गेड़ी नृत्य का प्रदर्शन देखा था तथा हाल ही में भारत सरकार द्वारा आयोजित लोक महोत्सव हैदराबाद में गेड़ी नृत्य के प्रदर्शन ने छत्तीसगढ़ का परचम लहरा दिया था तथा राज्योत्सव बिलासपुर में भी गेड़ी नृत्य के प्रदर्शन को खूब वाह वाही मिली थी। ऐसा प्रदर्शन जो रामायण काल से भी अधिक पुराना है उसमें आधुनिकता का एक अंश भी नजर नहीं आता। गीत, संगीत, नृत्य शैली, और वाद्य यंत्र तथा प्रमुख रूप से वेशभूषा पूर्णतः परंपरा पर आधारित प्रस्तुति को देखकर दर्शक गण मुग्ध हो जाते हैं।

■ न्यूज गैलरी

कार्तिक दीपोत्सव आज, दक्षिण भारतीय महिलाएं शिव की करेंगी पूजा

बिलासपुर/नवप्रदेश। सनातन धर्म में कार्तिक मास को अतिपावन एवं अत्यंत पुण्यदायी माह माना जाता है। इस पवित्र माह में दक्षिण भारतीय महिलाएं प्रातः सूर्योदय से पूर्व स्नान-ध्यान कर भगवान शिव की 30 दिनों तक नित्य पूजा-अर्चना करती हैं। दक्षिण भारतीय समाज इस पूरे माह में शुद्ध सात्विक एवं शाकाहारी आहार ग्रहण करते हुए भगवान शिव से अपने परिवार, कुल, नगर, राज्य, देश तथा समस्त जीव-जंतु, वृक्ष-पौधे, नदियाँ, समुद्र एवं पर्वतों की रक्षा और कल्याण के लिए प्रार्थना करता है।इसी पावन परंपरा के अंतर्गत इस वर्ष भव्य कार्तिक दीपोत्सव का आयोजन प्रथम बार छत्तीसगढ़ तेलुगु महासंगम, बिलासपुर के तत्वावधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रमुख घटक निम्नानुसार हैं 17 नवंबर को दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक - सुहागिन महिलाओं द्वारा रंगोली प्रतियोगिता सांय 6 बजे - शिव पूजन एवं मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन इस अवसर पर सभी श्रद्धालुजन सामूहिक रूप से 2500 दीपों का भव्य प्रज्ज्वलन करेंगे।

पहाड़ी और वनांचल क्षेत्रों में ठंड का असर सबसे अधिक, न्यूनतम तापमान बनने के आसार

बर्फीली हवाओं से नवंबर में बिलासपुर की ठंड ने तोड़ा 10 वर्षों का रिकॉर्ड

बिलासपुर/नवप्रदेश। उत्तर भारत से आने वाली बर्फीली हवाओं ने इस बार नवंबर में बिलासपुर की ठंड को असामान्य रूप से बढ़ा दिया है। शहर में शाम ढलने के बाद कंपकंपी छूटने लगी है और तापमान तेजी से नीचे जा रहा है।

मौसम विभाग ने इसे पिछले दस वर्षों की तुलना में सबसे ठंडी नवंबर की शुरुआत बताया है।14 नवंबर को बिलासपुर का न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले दस वर्षों में नवंबर का सबसे न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री, वर्ष 2016 में दर्ज हुआ था। ऐसे में अनुमान है कि इस बार पारा और नीचे जा सकता है। शनिवार को शहर का अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम 14.3 डिग्री रहा, जबकि सरगुजा संभाग के मैनपाट में तापमान 4 डिग्री तक पहुंच गया है। पहाड़ी और वनांचल क्षेत्रों में ठंड का असर सबसे अधिक देखने को मिल रहा है। लोग दिन-रात गर्म कपड़ों, अलाव और चाय-गर्म पानी का सहारा ले रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में ठिठुरन बनी हुई है और बिलासपुर भी इससे अछूता नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार उत्तर भारत से लगातार ठंडी हवाएं आने से तापमान में गिरावट हो रही है। 17 नवंबर से हल्की राहत मिल सकती है, लेकिन महीने के अंत तक कड़ाके की ठंड दोबारा लौटने के संकेत हैं। पश्चिमी विक्षोभ के चलते आसमान में हल्के बादल बन सकते हैं, हालांकि इससे तापमान में खास सुधार की उम्मीद नहीं है। नवंबर में सबसे ज्यादा बारिश 1924 में हुई थी, जब पूरे महीने में 138.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। इतना ही नहीं, 2 नवंबर 1930 को 24 घंटे के भीतर 70.4 मिमी बारिश हुई थी जो इस महीने के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा एकदिवसीय वर्षा रिकॉर्ड है। नवंबर का महीना आमतौर पर छत्तीसगढ़ (और आस-पास के इलाकों) में खुले और साफ मौसम वाला होता है।

कुछ दिनों तक तापमान में रहेगा उतार-चढ़ाव

उत्तर भारत की ओर से आ रही ठंडी हवाएं छत्तीसगढ़ में भी असर दिखा रही हैं। सुबह और रात के समय तापमान लगातार नीचे जा रहा है। बिलासपुर में इस सीजन में अब तक का सबसे कम न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया, जो पिछले करीब तीन साल बाद रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक रात के तापमान में खास उतार-चढ़ाव नहीं होगा। इसके बाद न्यूनतम पारा करीब 3 डिग्री तक बढ़ सकता है। इसी दौरान उत्तरी और मध्य जिलों के कुछ हिस्सों में शीतलहर जैसी परिस्थितियाँ बन सकती हैं।

लालखदान रेल हादसा, असिस्टेंट लोको पायलट निलंबित

■ रश्मि राज का बयान दर्ज, सीआरएस जांच में बयान बनेगा अहम आधार

बिलासपुर/नवप्रदेश। गतौरा-लालखदान रेलखंड में मेमू और मालगाड़ी की भीषण टक्कर के मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। हादसे में गंभीर रूप से घायल असिस्टेंट लोको पायलट (एएलपी) रश्मि राज अब खतरे से बाहर हैं और अपोलो अस्पताल से उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। स्वास्थ्य में सुधार के बाद रेलवे अधिकारियों ने तुरंत उनका बयान दर्ज किया, जिसे सीआरएस जांच की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है।रश्मि राज कई दिनों से अपोलो अस्पताल में भर्ती थीं। डॉक्टरों की टीम द्वारा स्थिर घोषित किए जाने के बाद ही डिस्चार्ज की प्रक्रिया पूरी की गई। अस्पताल से बाहर आते ही रेलवे अधिकारियों ने उनसे घटना से जुड़े अहम सवाल पूछे। माना जा रहा है कि उनका बयान पूरे हादसे की जिम्मेदारी तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।हालांकि इसी बीच रेलवे ने प्राथमिक जांच के आधार पर रश्मि राज को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने इसे नियमों के तहत की गई अंतरिम कार्रवाई बताया है, जो अंतिम जांच रिपोर्ट आने तक जारी रहेगी। अपोलो से डिस्चार्ज होने के बाद रश्मि राज को रेलवे अस्पताल में शिफ्ट किया गया, लेकिन परिवार इस फैसले से संतुष्ट नहीं है और उनका कहना है कि इलाज वहीं जारी रहना चाहिए था।

टीम जज्बा के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों लोगों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर की सामाजिक संस्था टीम जज़्बा द्वारा रविवार को लोगों की सुविधा और स्वास्थ्य जागरूकता के उद्देश्य से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर अशोक नगर चौक, सरकंडा स्थित श्री प्लाज़ा के ग्लोबल गैस्ट्रो लीवर केयर क्लिनिक में सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने हिस्सा लिया। शिविर में दिल्ली के प्रसिद्ध गैस्ट्रो और लीवर विशेषज्ञ डॉ. समर्थ शर्मा ने मरीजों का परीक्षण और परामर्श दिया। डॉ. शर्मा द्वारा विशेष रूप से रायपुर से फाइब्रो स्कैन मशीन मंगाई गई, जिससे लीवर में फैट, चर्बी और अन्य स्थितियों की जांच की गई। आमतौर पर इस मशीन से जांच की कीमत 5000-6000 रुपये होती है, लेकिन शिविर में इसे पूरी तरह मुफ्त किया गया। शिविर में कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किए गए, जिनमें लीवर फंक्शन टेस्ट, ब्लड शुगर, यूरिक एसिड, ब्लड प्रेशर, ऑक्सीजन लेवल, पल्स चेक बुजुर्ग मरीजों के लिए ईसीजी शामिल रहे। प्रति व्यक्ति औसतन 7000 रुपये तक की स्वास्थ्य सेवाएं निशुल्क प्रदान की गईं। शिविर के सफल संचालन में संजय मतलानी, शंकर सिंह राजपूत, केशव आडवाणी, ऋषभ आडवाणी, संदीप वस्त्रकार, नितीश सांडे, आकाश यादव, नमन साहू, तरुण चंद्रा, रौनक सोनी, एलेन खूंटे, हरेश मोटवानी, डॉ. मुकेश महिलांगे, छत्रपाल चंद्राकर, सचिन राय, मनीष लाल मसीह पटेल, राहुल जग्यासी, पल्लवी यादव, मनोहर, कृतिका, तुषार सहित पूरी टीम का योगदान महत्वपूर्ण रहा। शिविर में सबसे अधिक लाभ बुजुर्ग मरीजों को मिला। कार्यक्रम के अंत में डॉ. समर्थ शर्मा ने सभी को निशुल्क ओपीडी कार्ड प्रदान किए, ताकि भविष्य में भी वे बिना आर्थिक बोझ के इलाज करा सकें।

टीम जज्बा का 14 वर्षों का सेवा मिशन

टीम जज़्बा के संयोजक संजय मतलानी ने बताया कि संस्था पिछले 14 वर्षों से बिना किसी सरकारी सहायता के विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर रही है। संस्था द्वारा वर्षों से थैलेसीमिया और सिकलसेल पीड़ित बच्चों की निरंतर सहायता, साथ ही रक्तदान जागरूकता और रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज का शिविर उन लोगों के लिए आयोजित किया गया जो आर्थिक कमज़ोरी के कारण बड़े अस्पतालों या विशेषज्ञ चिकित्सकों तक नहीं पहुंच पाते।

एनडीए की जीत पर भाजपा ने मनाई खुशी

बिल्हा/नवप्रदेश। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने एनडीए सरकार को बधाई देते हुए पूरे बिहार की जनता का आभार व्यक्त किया। कौशिक ने कहा कि 200 से अधिक सीटों पर मिली जीत यह साबित करती है कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरकर सरकार बार-बार आशीर्वाद पा सकती है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश विकास, महिलाओं की सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण की नीतियों पर जनता की मुहर है।

बाल दिवस पर नेवसा में बाल मेला का आयोजन

बिल्हा, नेवसा/नवप्रदेश। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बिल्हा ब्लॉक के अंतर्गत मॉडर्न पब्लिक स्कूल नेवसा बाल दिवस के अवसर पर बाल मेला का आयोजन किया गया जिसमें समस्त छात्र-छात्राएं बढ़-चढ़कर के भाग लिया। बाल मेला में बच्चों के द्वारा सर्वप्रथम जनपद सदस्य कमला विजय साहू संस्था के प्राचार्य रजनी देवी करी संस्था के संचालक केशव कोरी, देवी प्रसाद नेहा रीना अलका, चांदनी नामदेव योगेश्वर क़ोरी सूरूज राज ललिता कश्यप द्वारा चाचा नेहरू माह भगवती सरस्वती छत्तीसगढ़ महतारी की छायाचित्र पर अगरबत्ती जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बच्चों के द्वारा राज्यकीय गीत गाकर कर अतिथियों का मंत्रमुग्ध कर दिए, बाल मेला पर विभिन्न प्रकार के खिलौने, व्यंजन, फल कई प्रकार की चीजें ब्यंजन तैयार किए गए जिनमें बच्चों की इस कार्य ग्रामीण लोगों के द्वारा काफी सराहनीय किसान करते हुए इस कार्यक्रम में मुख्य ग्राम पंचायत नेवसा मार्डन पब्लिक स्कूल मैं उपस्थित जनपद सदस्य कमला विजय साहू ने बच्चों को कलम वी चॉकलेट बाटकर एवं तिलक लगाकर सभी बच्चों का स्वागत किया और कहा कि बच्चे जिस तरह से आने वाले भविष्य की भाग्य है और चाचा नेहरू बच्चों से अधिक प्रेम करते थे। इसी की याद में हम हर वर्ष 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाते हैं जिनसे बच्चों की बाल दिवस की पावन बेला का बच्चों के बीच में बाल दिवस इसके बारे में सुचारू रूप बताते हुए उनकी यह बाल मेला को सराहना की।

भगवती मानव कल्याण संगठन ने गुरुवर व दुर्गा चालीसा पाठ किया

भगवती मानव कल्याण व पंचज्योति सिद्धाश्रम का आयोजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। भगवती मानव कल्याण संगठन एवं पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तर की महाआरती का दिव्य आयोजन सामुदायिक भवन, मंगला चौक के पास आयोजित किया गया। कार्यक्रम की प्रथम कड़ी में माँ गुरुवर के जयकारे लगाए गए फिर मंत्रोच्चार पश्चात, गुरुवर चालीसा, दुर्गा चालीसा पश्चात महाआरती का क्रम सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित संगठन के प्रदेश मीडिया प्रमुख कार्तिक साहू ने कहा कि बिलासपुर जिले की पावन धरती को नमन करता हूँ जहां ऋषिवर योगीराज शक्तिपुत्र महाराज के चरण पड़े है। यह वह धरती है जहां हुए शिविर में हजारों परिवार नशामुक्ति का संकल्प लेकर आज सुखमय जीवन व्यतीत कर रहे है। संगठन का जनजागरण क्रम बराबर जिले में चल रहा है। जिसकी समीक्षा करते हुए नशामुक्त-मांसाहार मुक्त जिला बनाने के अभियान को डोर टू डोर चलाये जाने का संकल्प भी लिया गया है। भगवती मानव कल्याण संगठन 1 घण्टे के आरती क्रम, 5 घण्टे के चालीसा पाठ और 24 घंटे के चालीसा पाठ के माध्यम से लोगो को माता भगवती जगतजननी जगदम्बा एवं योगीराज शक्तिपुत्र महाराज की आध्यात्मिक चेतना से लाभान्वित किया जा रहा है। श्री साहू ने वर्तमान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आग्रह करते हुए कहा कि वर्तमान समय मे प्रदेश को नशामुक्त प्रदेश बनाना नितांत आवश्यक है।

सूर्यांश शिक्षा उत्थान समिति की 23 गावों में प्रतिभा खोज अभियान शुरू

बिलासपुर/नवप्रदेश। विगत वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी 'विराट सूर्यांश शिक्षा महामहोत्सव 2025' की तैयारियों की शुरुआत अखिल भारतीय सूर्यांश शिक्षा उत्थान समिति द्वारा कर दी गई। इसके तहत रविवार को बिलासपुर जिले के विभिन्न 23 ग्रामों के लिए सूर्यांश विराट कैरियर मार्गदर्शन, ग्रामीण भ्रमण, प्रतिभा खोज अभियान एवं ग्रामीण-शहरी संवाद कार्यक्रम के दलों को नेहरू चौक से रवाना किया गया। प्रस्थान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में तोखन साहू, केंद्रीय राज्य मंत्री राजेश सूर्यवंशी, अध्यक्ष जिला पंचायत बिलासपुर सुशांत शुक्ला, विधायक बेलतरा अटल श्रीवास्तव, विधायक कोटा दिलीप लहरिया, विधायक मस्तूरी शेषराज हरवंश तथा विधायक पामगढ़ (जांजगीर) पूजा विधानी एवं महापौर नगर निगम बिलासपुर उपस्थित रहे। इस अवसर पर सूर्यवंशी समाज के सामाजिक पदाधिकारी, विशिष्ट बुद्धिजीवी, समिति के संरक्षक एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

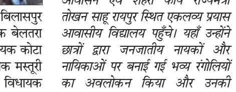

आयोजन जनजाति गौरव दिवस पर केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने जेईई में चयनित जनजातीय विद्यार्थियों को किया सम्मानित

मोदी सरकार ने जनजातीय सम्मान और विकास को नई ऊंचाई दीः तोखन साहू

बिलासपुर/नवप्रदेश। जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर आज केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू रायपुर स्थित एकलव्य प्रयास आवासीय विद्यालय पहुँचे। यहाँ उन्होंने छात्रों द्वारा जनजातीय नायकों और नायिकाओं पर बनाई गई भव्य रंगोलियों का अवलोकन किया और उनकी रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की। इस दौरान नीट और जेईई में चयनित जनजातीय विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

राज्यमंत्री श्री साहू ने विद्यार्थियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आज का जनजाति गौरव दिवस पर दिया गया राष्ट्रीय संबोधन भी वर्चुअल रूप में सुना। जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जहा वीर नारायण सिंह की वीरता और जनजातीय संग्रहालय का जिक्र किया। तोखन साहू ने अपने संबोधन में कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास, परंपरा, संस्कृति, और ज्ञान भारतीय सभ्यता की जड़ हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य, श्रम को पूजा मानना, धरती को माता मानना—ये मूल्य हमें जनजातीय समाज से मिले हैं। यह समाज केवल परंपरा नहीं, भारत की आत्मा है।' श्री साहू ने जनजातीय नायकों के बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध सबसे प्रचंड आवाजें जंगलों से उठीं। उन्होंने जनजातीय महानायक-महानायिकाओं को स्मरण किया और कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा और उनका 'उलगुलान' आंदोलन, शहीद वीर नारायण सिंह (1857 विद्रोह) वीर गुंडाधुर (1910 भूतान आंदोलन)तिलका मांझी, सिदो-कान्हू, कोया-कोल आंदोलन, मानगढ़ का बलिदान, रानी गाइदिन्ल्यू, 'जनजातीय नायक भारत की स्वतंत्रता की प्रकाश-रेखा हैं।

जनजातीय कला को वैश्विक पहचान दी

प्रधानमंत्री मोदी ने इस यात्रा को ऐतिहासिक गति दी है। राष्ट्रीय जनजाति आयोग को अधिक शक्तियाँ दिया। पहली बार देश में जनजातीय महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बनी। आदि महोत्सव' ने जनजातीय कला को वैश्विक पहचान दी। टाईफ्रेड और वन धन केंद्र ने वनोपज व हस्तशिल्प को उचित मूल्य दिया। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का देशभर में विस्तार हुआ है।

सुविचार

कोई सर्वगुण संपन्न नहीं होता, इसलिए जो जैसा है उसे स्वीकार कीजिये जिंदगी जीना आसान हो जाएगा। - अज्ञात

जनादेश का सम्मान करें महागठबंधन

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली एकतरफा जीत से महागठबंधन में मातम फैल गया है।महागठबंधन में शामिल राजनीतिक पार्टियों के नेता हार के सदमें से उबर नहीं पा रहे हैं और अपनी करारी पराजय के कारण की समीक्षा करने की जगह बहाने बाजी पर उतर आयें हैं। यद्यपि अभी तक महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा बनने वाले तेजस्वी यादव ने बिहार के चुनावी नतीजों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन राष्ट्रीय जनता दल के कई नेताओं ने इस हार के लिए चुनाव आयोग के सिर पर ठिकरा फोड़ना शुरू कर दिया है। यही हाल कांग्रेस का है जिसके नेता भी बिहार में अपनी पार्टी के शर्मनाक प्रर्दशन के लिए चुनाव आयोग पर ही सवालिया निशान लगा रहे हैं। इसकी शुरूआत लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने की है जिन्होंने बिहार में शुरू से ही चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर सवाल खड़ा किया है। इसके बाद से कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी बिहार विधानसभा चुनाव के परिणामों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर आरोपों की बौछार कर दी है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सहित तीनों चुनाव आयुक्तों को चेतावनी दी है कि वे रिटायरमेन्ट के बाद भी अपने किये की सजा भुगतने के लिए तैयार रहें क्योंकि उन्होंने एनडीए सरकार के इशारे पर बिहार में वोट चोरी कराने का गुनाह किया है। उसी समय से चुनाव आयोग के खिलाफ महागठबंधन के नेता लगातार टिका टिप्पणी करते रहे और वोट चोरी का बेशुरा राग अलापते रहे। लेकिन इससे महागठबंधन को फायदा मिलने की जगह भारी नुकसान उठाना पड़ गया। इसके बाद भी महागठबंधन के नेता बिहार की जनता के निर्णय को स्वीकारने की जगह चुनाव आयोग पर ही तोहमत लगा रहे हैं। यह बिहार के मतदाताओं का अपमान ही कहा जाएगा। यदि यह मान की विपक्ष के आरोप सही है तो उन्हें इसके सबूत पेश करने चाहिए और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। चुनाव में धांधली के आरोप लगाने भर से कुछ नहीं होगा। वैसे भी चुनाव में धांधली यदि होती भी तो कुछ ही सीटों पर ऐसा होना संभव था। किन्तु जिस हिसाब से महागठबंधन का सूपड़ा साफ हुआ है उससे स्पष्ट है कि बिहार के लोगों ने उसे खारिज किया है। इसलिए बेहतर होगा कि महागठबंधन के नेता जनादेश का सम्मान करें।

बिहार में ओवैसी ने फिर किया कमाल

बिहार विधानसभा चुनाव में असदुदीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने फिर एक बार कमाल करके दिखा दिया। पिछले विधानसभा चुनाव में ओवैसी पार्टी ने मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र की पांच सीटों पर शानदार जीत दर्ज की थी। यह बात अलग है कि बाद में एआईएमआईएम के ये विधायक बिक गये और राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गये थे। इसके बावजूद सीमांचल की उन्ही पांच सीटों बहादुरगंज, बैसी, अमौर, जोखीहार और कोचा धमन से ओवैसी की पार्टी ने फिर से जीत हासिल की और इस बार तो उसने पिछले चुनाव के मुकाबले ज्यादा बड़े अंतर से विरोधी को हराया। एक अन्य सीट पर एआईएमआईएम का प्रत्याशी सिर्फ 700 सीटों से हार गया। अन्यथा ओवैसी की पार्टी छह सीटों पर जीत दर्ज कर नया इतिहास रच देती। यही नहीं बल्कि जिन अन्य बीस सीटों पर एआईएमआईएम ने चुनाव लडा था वहां भी उसने सम्मानजनक वोट पायें और महागठबंधन के प्रत्याशी को पराजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान ओवैसी ने महागठबंधन में शामिल होने की पेशकश की थी और यह भी कहा था कि उन्हें सिर्फ पांच सीटें दी जाये और यदि महागठबंधन की सरकार बनती है तो एआईएमआईएम को कोई मंत्री पद भी न दिया जाये लेकिन इसके बाद भी कांग्रेस के विरोध के चलते ओवैसी की पार्टी को महगठबंधन में शामिल नहीं किया गया और ओवैसी ने एकला चलो रे की नीति अपनाई जो सफल रही और इस बार भी उनकी पार्टी पांच विधानसभा सीटें भारी बहुमत से जितने में सफल हो गई। ओवैसी की ताकत को कम करके आंकना भी महागठबंधन की करारी शिकस्त का एक बड़ा कारण बना है।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर जी

❖ हम भी जानते है कि जिंदगी तो बेवफा है एक दिन ठुकराएगी मौत महबूबा है
❖ अपनी, सबाके गले लगाएगी।
❖ सावधान का अर्थ कभी भी डर नहीं होता, डरपोक आदमी कभी सावधान नहीं हो सकता।
❖ ज्ञान का अर्थ ही है समग्रता को जानना।
❖ कपट का कपाट कभी भी नंदलाल से मिलने नहीं देता। जीवन में ये बात क्लियर करो कि धोखा मिलता है? या खाया जाता है?

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1526 : मुगल शासक बाबर ने सिंध के रास्ते पांचवीं बार भारत में प्रवेश किया और इस बार यहां अपना शासन कायम करने में सफल रहा। 1869 : भूमध्यसागर को लाल सागर से जोड़ने वाली सोएज नहर को दस साल के निर्माण कार्य के बाद नौवहन के लिए खोला गया। 1915 : विष्णु गोपाल पिंगले को पुणे के निकट तालेगांव जेल में फांसी पर लटकाया गया। 1928 : लाला लाजपत राय का निधन। 1932 : तीसरा गोल मेज सम्मेलन शुरू हुआ। 1966 : भारत की रीता फारिया ने मिस वर्ल्ड खिताब जीता। वह यह खिताब जीतने वाली एशिया की पहली महिला बनीं। 1966 : सोवियत संघ ने अपना एक मानवरहित सुदूर नियंत्रित यान चंद्रमा की सतह पर उतारा। 1989 : चेकोस्लोवाकिया में सरकार विरोधी प्रदर्शनों को पुलिस ने बेदर्दी से कुचला। हालांकि विरोध की इस आग ने उग्र रूप धारण कर लिया और अंततः देश की कम्युनिस्ट सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। 1997: मिस्र के उग्रवादियों ने लक्सर में टेंपल ऑफहत्शेप्सुत देखने आए विदेशी पर्यटकों पर हमला किया जिसमें 60 से ज्यादा लोगों की मौत हुई।

जातीय राजनीति बिहार में ध्वस्त होने की नव क्रांति का जय घोष

आलोक मेहता

लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने बिहार से राजनीतिक व्यवस्था के लिए ' सम्पूर्ण क्रांति ' का आव्हान किया था। इसके 50 साल बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने जातीय राजनीति की कलंकित सत्ता व्यवस्था को बदलने में सफलता पाकर नव क्रांति कर दी है। विशेष रूप से भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में जेल याफ्ता लालू यादव के यादव मुस्लिम वोट बैंक को फेल करने और कांग्रेस द्वारा दलित मुस्लिम मतदाताओं को बंधक गुलाम समझने की दादागिरी को भी विफल किया जाना दूरगामी हितों का परिचायक है। बिहार विधानसभा चुनावों ने एक स्पष्ट संकेत दिया है – जातिगत और सामुदायिक राजनीति की सीमाएँ हैं, और सिर्फपहचान-राजनीति अब उतनी मजबूत शक्ति नहीं रही जितनी पहले मानी जाती थी। महागठबंधन की हार इस तथ्य को दर्शाती है कि पुराने समीकरण, पुराने वोट बैंक अब बिना आधुनिक और विकास-उन्मुख रणनीति के काम नहीं कर सकते। इसी तरह कम्युनिस्ट माओवादी पार्टियों का लाल किला भी टूट फूट गया। नक्सल प्रभावित इलाका भी हिंसा से मुक्त हो गया है।

युवा मतदाता, आशावादी सामाजिक परिवर्तन, और बेहतर शासन की मांग ने बिहार की राजनीति को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। भविष्य के लिए, जो दल इन बदलते रुझानों को समझेगा और उसे अपनी राजनीति में आत्मसात करेगा, वह अधिक सफल होगा।मोदी के ' सबका साथ सबका विकास ' का फार्मूला जनता ने स्वीकार कर लिया। प्रधान मंत्रीं नरेंद्र मोदी के सत्ता के 25 वर्ष और नीतीश कुमार की सत्ता के 20 वर्ष के कार्यकाल में दोनों पर व्यक्तिगत भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लग सका। यह इस बात का भी प्रमाण है कि जनता भ्रष्ट , अपराधी और बेईमान नेतृत्व के बजाय ईमानदार और जनता के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित नेतृत्व को पसंद करती है।

बिहार की सामाजिक संरचना जटिल समझी जाती रही है। 2023 की जाति-गणना के मुताबिक, अत्यंत पिछड़ी जातियाँ राज्य की लगभग 36% हैं। पिछड़ी जातियाँ, अनुसूचित जातियाँ , उच्च जातियाँ – सभी का यहाँ महत्वपूर्ण प्रतिशत है। इस प्रकार, बिहार में जातिगत विभाजन राजनीतिक समीकरणों का मूल आधार रहा है। यह वह जमीन है जिस पर दल हमेशा वोट बैंक विकास की रणनीति तैयार करते रहे। लेकिन हाल के समय में, बिहार के मतदाता 'पुराने जातिगत समीकरण' के अलावा नई आशाओं और मुद्दों की ओर भी झुके हैं। यह युवा मतदाता वर्ग, पहली बार वोट देने वाले, विकास, रोज़गार और शासन-परदर्शिता जैसे एजेंडों को महत्व दे रहा है। ङ्क इस बदलाव का मतलब यह है कि सिर्फ जाति-गणित) अब चुनाव जीतने का पर्याप्त आधार नहीं रहा। लालू यादव की पारंपरिक ताकत मुसलमान + यादव वोट बैंक माना जाता रहा।, यह वोट बैंक लगभग 30त्न तक पहुंचता है। यह वही वोट बैंक है जिस पर लालू-राज की राजनीति लंबे समय से आधारित रही। लेकिन 2025 में, यह पुराना समीकरण पूरी तरह नाकाम रहा ।

तेजस्वी यादव अन्य पिछड़ी जातियों में गहराई तक पैठ नहीं बना सके। इसके साथ ही, गठबंधन के आंतरिक मतभेद और सीट आवंटन की लड़ाइयों ने भी सुनिश्चित सहयोग को कमजोर कर दिया। महागठबंधन के विभिन्न घटक (राजद , कांग्रेस, लेफ्ट) के पास एक राजनीतिक

संदेश नहीं था। इस तरह, आम मतदाताओं के लिए गठबंधन की 'कहानी' स्पष्ट नहीं थी और यह एक बड़ी कमजोर कड़ी साबित हुई।

महागठबंधन में नेतृत्व का अस्थिर ढांचा था। राजद और कांग्रेस के बीच मुख्यूमंत्री चेहरे को लेकर विवाद, और रणनीति पर तालमेल की कमी सार्वजनिक रूप से दिखी।तेजस्वी यादव ने जो राजनीतिक आक्रामकता दिखाई, वह विशाल वोट बैंक तक नहीं पहुंच पाई क्योंकि उनकी रणनीति कहीं-कहीं अहस्तक्षेपपूर्ण रही। गठबंधन में ' कथित फ्रेंडली ' मित्रवत मुकाबले भी हुए। कुछ सीटों पर राजद , कांग्रेस, वी आई पी आदि के उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हुए। महागठबंधन की स्थानीय संगठन उतनी मजबूत नहीं थी जितनी कि मोदी शाह नीतीश गठबंधन की थी।बूथ मैनेजमेंट में कमजोरी, उम्मीदवारों की पहचान की कमी और गठबंधन के अंदरूनी मतभेदों ने उनकी चुनावी लड़ाई को कमजोर कर दिया।इसमें यह भी देखा गया कि कांग्रेस द्वारा कुछ उम्मीदवारों का चयन गलत रहा । स्थानीय समीकरणों की अनदेखी हुई, जिससे मतदाता नाराज हुए। युवा मतदाता, विशेष रूप से नौकरी, आर्थिक भविष्य और विकास-विकास एजेंडा पर अधिक ध्यान देने लगे हैं। पहले वोट देने वाले बहुतों ने जातिगत कार्ड की सीमाओं को पहचान लिया है । भाजपा-जदयू गठबंधन ने विकास, सुशासन, कानून-व्यवस्था पर एक स्पष्ट एजेंडा पेश किया , जिसे कई मतदाताओं ने पसंद किया। इसके विपरीत, महागठबंधन का एजेंडा धुंधला रहा – जाति-समर्थित रणनीतियाँ, लेकिन ठोस विकास व शासन की पहल कम दिखाई दी। यही 'नवीन राजनैतिक चेतना' कुछ इलाकों में जाति-संकेतों की ताकत को कम कर रही है।

बिहार में 'सांप्रदायिक राजनीति' का उपयोग राजनीतिक दलों द्वारा किया गया, लेकिन 2025 में यह उतना निर्णायक नहीं रहा जितना पहले माना जाता था।

राजद हमेशा मुसलमान-समर्थित दावेदार समझता रहा , लेकिन महागठबंधन ने मुसलमान वोट को अकेले मुद्दे तक सीमित नहीं रखा – वे बड़े सामाजिक न्याय, गरीबी राहत और आर्थिक मुद्दों पर भी बात करना चाहते थे। लेकिन उनकी पहुँच मात्र पहचान-आधारित राजनीति तक सीमित रही। इसके अलावा, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने सबका साथ के रास्ते को प्राथमिकता दी। गठबंधन में सीटों की टकराहट और बूथ मैनेजमेंट की कमजोरी ने नुकसान पहुंचाया।

महागठबंधन में नेतृत्व की वैचारिक अस्पष्टता, भरोसे की कमी और चयन प्रक्रिया सुधारने में असमर्थता ने मतदाताओं के मन में अनिश्चितता पैदा की। इस बीच एन डी ए ने एक अधिक केंद्रित, विकास-उन्मुख और संगठनात्मक रूप से मजबूत अभियान चलाया जिसने मतदाताओं को भरोसा हुआ । 2025 का बिहार चुनाव इस मायने में महत्वपूर्ण साबित हुआ कि पारंपरिक जातिगत और पहचान-राजनीति अब 'अपर्याप्त' हो गई है। नए मुद्दे – जैसे रोज़गार, युवा आकांक्षाएँ, आर्थिक समावेश, महिला सशक्तिकरण मतदाताओं के लिए पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। इसके साथ ही, मतदाता अब केवल जातिगत पहचान से संतुष्ट नहीं हैं; वे ÷नियंत्रण एवं जवाबदेही ÷, ÷प्रभावी शासन÷ और ÷दूरगामी विकास÷ की मांग कर रहे हैं।

भारतीय सेना की उपबल्धि मोनो रेल सिस्टम

प्रेम शर्मा

जहां सांस लेना भी मुश्किल, वहीं भारतीय सेना ने मोनोरेल चलाकर इतिहास रचा है। यह सिस्टम अरुणाचल के कमेंग सेक्टर में गजराज/4 कॉर्प्स द्वारा विकसित किया गया है। यह मोनोरेल एक ट्रिप में 300 किलो से ज्यादा भार ढो सकती है। वह भी उन स्थानों पर जहाँ पैदल चलना दुभर और जो सड़क विहीन और हेलिकॉप्टर की पहुच से दूर है। मोनोरेल सिस्टम जो भोजन, दवा, गोला-बारूद और जरूरी उपकरणों को बेहद कठिन स्थानों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगा। मोनोरेल एक परिवहन प्रणाली है जिसमें ट्रेनें एक ही पटरी या रेल पर चलती हैं, जो आमतौर पर जमीन से काफी ऊपर होती है। यह दोहरी पटरियों वाली पारंपरिक रेलवे के विपरीत है। मोनोरेल या तो एक बीम पर ऊपर से चलती है या उसके नीचे से लटकती है। शहर में भीड़भाड़ वाले इलाकों में यातायात को सुगम बनाने के लिए इस्तेमाल की जाती है। मोनोरेल को ज़मीन से न्यूनतम 5.5 मीटर की ऊँचाई पर खंभों पर खड़ा किया जाता है। यह मैग्लेव (चुंबकीय उत्तोलन) प्रणाली के सिद्धांत पर काम करता है। ये अत्यधिक स्थिर होते हैं और तेज़ गति से भी तेज़ी से गति कम करने में मदद करते हैं। पहला मोनोरेल प्रोटोटाइप 1820 में इवान एल्मानोव द्वारा रूस में बनाया गया था। पारंपरिक रेलवे के विकल्प के रूप में मोनोरेल बनाने के प्रयास 19वीं सदी के शुरुआती दौर से ही किए जा रहे हैं।

सेंटेनियल मोनोरेल को 1876 में फिलाडेल्फिया में सेंटेनियल प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया था। इसके डिजाइन के आधार पर ब्रैडफोर्ड और फोस्टर ब्रुक रेलवे का निर्माण 1877 में किया गया था और यह जनवरी 1878 से जनवरी 1879 तक एक वर्ष तक चला था। 1879 के आसपास हैडन और स्ट्रिंगफेलो द्वारा स्वतंत्र रूप से एक वन-रेल प्रणाली प्रस्तावित की गई थी। इसका उद्देश्य सैन्य उपयोग के लिए था, लेकिन इसे सस्ते रेलवे के रूप में नागरिक उपयोग के लिए भी देखा गया था। इसी तरह, व्यावहारिक रूप से उपयोग में लाई गई पहली प्रणालियों में से एक

फ्रांसीसी इंजीनियर चार्ल्स लार्टिग की थी, जिन्होंने आयरलैंड में बैलीबूनियन और लिस्टोवेल के बीच एक लाइन बनाई थी, जो 1888 में खुली और 36 साल तक चली, जिसे 1924 में बंद कर दिया गया वह इसलिए कि आयरलैंड के गृहयुद्ध से हुए नुकसान के कारण। इसमें भार वहन करने वाली एक रेल और संतुलन के लिए दो निचली, बाहरी रेल का इस्तेमाल किया गया।बॉयंटन साइकिल रेलमार्ग, न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड स्थित ब्रुकलिन में एक भाप से चलने वाली मोनोरेल थी । यह ज़मीनी स्तर पर एक ही भार वहन करने वाली रेल पर चलती थी, लेकिन इसके ऊपर एक लकड़ी की स्थिर रेल लगी होती थी जो क्षैतिज रूप से विपरीत पहियों की एक जोड़ी से जुड़ी होती थी। यह रेलमार्ग 1890 से शुरू होकर केवल दो वर्षों तक ही चला। यही नही हॉचकिस साइकिल रेलमार्ग एक मोनोरेल था जिस पर मैचिंग पैडल वाली साइकिल चलाई जा सकती थी। इसका पहला उदाहरण 1892 में स्मिथविले और माउंट होली, न्यू जर्सी के बीच बनाया गया था। यह 1897 में बंद हो गया। इसके अन्य उदाहरण 1895 से 1909 तक नॉरफ़ॉक,ग्रेट यारमाउथ और 1896 से ब्लैकपूल यूके में बनाए गए।

अरुणाचल के कमेंग सेक्टर में भारतीय सेना की गजराज कॉर्प्स ने 16 हजार फीट की ऊंचाई पर स्वदेशी मोनोरेल सिस्टम को लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भारतीय सेना की तारीफकरते हुए लिखा कि ये स्वदेशी प्रतिभा का प्रमाण है। अरुणाचल प्रदेश के दुर्गम हिमालयी इलाकों में तैनात भारतीय सैनिकों के लिए बड़ी राहत देने वाला नवाचार सामने आया है। 16 हजार फीट की ऊंचाई पर सेना ने ऐसा स्वदेशी मोनोरेल सिस्टम तैयार किया है, जो बर्फ से ढके, खतरनाक और बिना सड़क वाले इलाकों में सप्लाई पहुंचाने के काम को पहले से कहीं तेज और सुरक्षित बनाएगा। यह सिस्टम किसी तकनीकी प्रयोगशाला में नहीं, बल्कि सीधे मैदान में सैनिकों की जरूरतों को देखते हुए विकसित किया गया है।यह सिस्टम अब सेना की नई ताकत बन गया है। अरुणाचल प्रदेश के कई दूरस्थ क्षेत्रों में न तो सड़कें हैं और न ही पारंपरिक वाहन चलाने की कोई सुविधा। संकरे पहाड़ी रास्ते, टूटते पत्थर, अचानक बदलता मौसम और कम ऑक्सीजन स्तर सैनिकों के लिए बड़ी समस्या रहे हैं। कई बार उन्हें भारी सामान अपनी पीठ पर लादकर लंबे-लंबे रास्ते तय करने पड़ते थे। ऐसे इलाकों में एक छोटा सफर भी काफी जोखिम भरा और समय लेने वाला साबित होता था। मोनोरेल सिस्टम अब इन सभी चुनौतियों को काफी हद तक कम कर देगा। यह तेज, सुरक्षित और ऊर्जा-किफायती तरीका है, जिससे आगे की पोस्टों तक आपूर्ति पहुंचाना बेहद आसान होगा। सेना का मानना है कि इससे न सिर्फसमय की बचत होगी, बल्कि सैनिकों पर बोझ भी कम होगा और ऑपरेशन के दौरान जोखिम भी घटेगा। जरूरत पड़ने पर यह सिस्टम घायल जवानों को निकालने यानी कैजुअल्टी इवैक्यूएशन में भी मदद करेगा। गजराज कॉर्प्स, जिसे भारतीय सेना का 4 कॉर्प्स भी कहा जाता है, पूर्वी सेक्टर में तैनात एक महत्वपूर्ण फॉर्मेशन है। इसका गठन 4 अक्टूबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान किया गया था। इसका मुख्यालय असम के तेजपुर में स्थित है। यह कॉर्प्स पारंपरिक लड़ाकू ऑपरेशनों के साथ-साथ काउंटर-इंसर्जेंसी मिशनों की भी जिम्मेदारी संभालती है। इसमें 71 माउंटेन डिविजन, 5 'बॉल ऑफ फायर' डिविजन और 21 'रियल हॉर्न' डिविजन शामिल हैं। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सैनिकों के रहने के लिए यह कॉर्प्स विशेष ग्लेशियर हट भी विकसित कर चुकी है।सेना द्वारा तैयार किया गया यह मोनोरेल सिस्टम से न सिर्फ आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूत करता है, बल्कि यह साबित करता है कि कठिनतम परिस्थितियों में भी देश की सुरक्षा व्यवस्था नए समाधान खोज सकती है। अरुणाचल प्रदेश के कमेंग क्षेत्र में इसकी तैनाती से पूर्वी सीमाओं पर लॉजिस्टिक क्षमताएं कई गुना बढ़ जाएंगी।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मैं प्रेम में हूँ

मैं प्रेम में हूँ सुन सको तो सुनो मैं चित्रकार के प्रेम में हूँ तुम चाहो तो लौट भी सकती हूं तुम्हारे पास क्या तुम निखार सकोगे स्वरूप मेरा, जैसे निखारता है चित्रकार रंगों के दरमियान भी वह – नहीं रहता वहजो तुम हमेशा बने रहते हो चित्रकार रचता है बार-बार, बिना थके करता है परमार्जन ब्रश और रंग नाचते हैं उसके इशारे पर फिर भी नहीं जताता अधिकार मेरी आत्मा में हो जाता है विलय – उसका मैं तुम छोड़ सकोगे स्वामित्व? अगर हाँ, तो कहो नहीं तो सुनो... प्रेम, देह का नहीं, शून्यता का सफ़र है शून्य होना स्वीकार होगा तुम्हें? - **कल्पना मनोरमा**

गुंडागर्दी भ्रष्टाचार

गुंडागर्दी भ्रष्टाचार पर पड़ी जनता की मार इतने वोट पड़े मगध में जातिवाद गया हार जातिवाद गया हार, पप्पू भी तीनों हारे 'लालटेन' और 'हाथ' फिरे अब मारे मारे देश विकास में जनता का मिलता है आभार परिवार की राजनीति हुई भारत में बेकार भारत में बेकार, बढ़ाओ मिलकर देश को आगे एक दिन अम्मा-पप्पू भी जाएं ननीहाल को भागे। - **मित्र ग़ाज़ियाबादी**

बिहार का जनादेश परिवार और वंशवाद

बिहार का जनादेश परिवार और वंशवाद के खिलाफ है लोकतंत्र मे उत्तराधिकार नही चलेगा । लोकतंत्र आम जनमानस का है किसी के बाप की जागीर नही कि परिवार तय करेगा कौन मंत्री /मुख्यमंत्री होगा। यह जनादेश नेता परिवार के द्वारा पोषित और प्रशासन द्वारा समर्थित माफियाराज के भी खिलाफहै । - **एडवोकेट अरूण कुमार गुप्ता**

आतंकी हमलों के कारण ,लहू देश

आतंकी हमलों के कारण ,लहू देश का खोल रहा है पापी के पापों के कारण , भू मंडल भी डोल रहा है सत्य सनातन के परचम को अपने हाथों में लेकर अब भारत का हर बच्चा -बच्चा, हर हर बम बम बोल रहा है। - **संजय कुमार गिरि**

एक रास्ता, जिसपर चलते है होसलो के

एक रास्ता, जिसपर चलते है होसलो के कदम। एक इरादा, जो पार करता है अंधेरे की नदी। एक उम्मीद,जहाँ खिलती है खुशी की सुबह। हौसले और यकीन की जादुई पोटली से, निकलेगे वो शब्द। जो मिलाएंगे जिन्दगीकी, बतायेगे- बहुत छोटे है दुःख और मजबूत है हमारी। दृढ़ता और हमारी इच्छाशक्ती। सच,बहुत सुंदर है जीवन, सकारात्मकता से।। - **हेमा पांडेय**

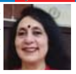

कमोवेश को जीते जाओ ज्याद

कमोवेश को जीते जाओ ज्यादा में कुछ कम हो जाता पाना मुश्किल नहीं है कुछ भी बूंद बूंद से घर भर जाता सुख सुहावन रहता कुछ पल धीर धैर्य मानव सुख पाता कर्म प्रफुल्लित पलक-फलक पर मेरुदंड सागर मथ जाता मर्म समझ कर नहीं जिया जो पथ-पांव कंटक बिछ जाता जीवन सुधा घृत धर मथनी मथे जो नर घृत मिल जाता - **पूनिता ओझा**

नेता जी हैं चिर युवा, पर थोड़े

नेता जी हैं चिर युवा, पर थोड़े नादान। जरा जरा सी बात पर, फिसले सदा ज़बान।। फिसले सदा ज़बान, बे'लगामी सा घोड़ा।। छठ माई का नाम, बे वजह ही था जोड़ा। वोटर हुआ अशांत,भविष्यत लेकर चेता। करे पर्व पर चोट, न होगा अपना नेता।। - **रजनी रामदेव**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। इस राशि के जो लोग बिजनेसमैन है आज कहीं अच्छी जगह निवेश कर सकते है।

वृषभः आज का दिन बेहतरीन रहेगा। किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन-देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल जरूर कर लें।

मिथुनः आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बिजनेस में आपको फायदा मिलने वाला है।इस राशि के लोग आज अपने जीवनसाथी के साथ घर पर ही साथ मूवी देखने का प्लान कर सकते हैं।

कर्कः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आने आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। साथ ही आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी।

सिंह : आज उन चीजों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं तो आपके लिए अच्छी साबित हो सकती हैं। आपको अपने दोस्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा।

कन्याः आज किसी दोस्त से अपनी कोई पुरानी बातें भी शेयर करेंगे, जिससे आप बनावटी और सच्चे प्यार में अंतर समझ पाएं। आज पूराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपनाऐंगे। आपके इस विचार को देखकर परिवार का मन उत्साह से भर जाऐगा।

तुलाः आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। आज पैसों के लेन-देन से बचें। कहीं निवेश कर रहें है तो आज का दिन आपके लिए शुभ है। आज अपने गुस्से पर कंट्रोल करें इससे आपके बिगड़ते हुए काम पूरे हो जाएंगे।

वृश्चिकः आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के प्रोफेशर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी अच्छे कॉलेज से लेक्चरार के लिए ऑफर आ सकता है।

धनुः आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। जीवनसाथी के सहयोग से आपको किसी बड़े काम में सफलता मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी।

मकरः आज आपका दिन खास रहेगा। इस राशि के अविवाहितों को आज विवाह के लिए शादी का प्रस्ताव आ सकता है। जिससे आपके घर का माहौल अच्छा रहेगा।

कुंभः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। इस राशि के लोगों को आज के दिन कम्प्यूटर से रिलेटेड सामान खरीदना शुभ है। आज आपको माता-पिता से स्नेह मिलेगा। किसी कार्य को करने में आज आपके सामने कई बड़ी चुनौतियां आएंगी।

मीनः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। संचार सेवा और इंटरनेट से जुड़े लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी विदेशी कम्पनी से जॉब के लिए कॉल आ सकती है। इस राशि के बिजनेस वाले लोग अपने जरूरी कागजों को संभालकर रखें।

QUIZ TIME

1) किसने लाहौर के शालीमार बाग को पूर्ण किया था?

2) किस राज्य सरकार को शासन आपल्या दारी पहल के लिए प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार मिला?

3) समाचारों में देखी गई पेरिंगम्मला पंचायत किस राज्य में स्थित है?

4) जूपिटर मनी को प्रीपेड वॉलेट बिजनेस शुरू करने के लिए किससे मंजूरी मिली है?

5) आई हैव द स्ट्रीट्सः ए कुट्टी क्रिकेट स्टोरी किसकी आत्मकथा का नाम है?

Ramaquiz

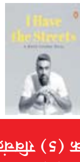

उत्तरमाला- (1) शाहजहाँ (2) महाराष्ट्र (3) केरल (4) भारतीय रिजर्व बैंक (5) रविचंद्रन अश्विन

शब्द सागर

न्यूज गैलरी

देर रात युवक पर फायरिंग : कान से छूकर निकली गोली

भिलाई। जिले के जामुल थाना इलाके में शुक्रवार को देर रात अज्ञात हमलावरों ने युवक विकास प्रजापति को निशाना बनाकर फायरिंग कर दी। पुरानी रंजिश को लेकर युवक को निशाना बनाया गया। निशाना चूकने से युवक की जान बच गई। फायरिंग के दौरान उसके कान के पास हल्की चोट आई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। गोली के अवशेष बरामद किए गए। आसपास की दीवारों पर फायरिंग के निशान पाए गए हैं। हमलावरों ने गोली चलाकर विकास को मारने की कोशिश की गई। जामुल पुलिस ने शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन ने युवक को कुचला

दुर्ग। जिले में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। 13 नवंबर की शाम देवेश अग्रवाल (30 साल) स्कूटी से घूमने निकले थे। पोटिया चौक से पुलगांव चौक के बीच शुभम के मार्ट और निरंकारी फर्नीचर के पास अज्ञात वाहन ने देवेश को कुचल दिया। हादसे के कुछ घंटों बाद पुलगांव पुलिस ने उनके परिजनों को दुर्घटना में मौत की सूचना दी। देवेश की शादी दो साल पहले हुई थी और उनकी 11 महीने की एक बेटी है। परिजनों ने बताया कि देवेश 13 नवंबर की रात करीब 8 बजे घर से निकले थे। उन्होंने परिवार को बताया था कि वे थोड़ी देर में घूमकर लौट आएंगे। रात 9 बजे के आसपास उनकी परिवार से बातचीत भी हुई थी। रात 10 बजे जब परिजनों ने उन्हें फोन किया तो मोबाइल स्विच ऑफमिला। इससे परिजन चिंतित हो गए और देवेश को ढूंढने के लिए घर के आसपास और परिचितों से पूछताछ शुरू की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि शायद लाल रंग की तेज रफ्तार कार से एक्सीडेंट हुआ। चालक नशे की हालत में था। यह कार कई लोगों और वाहनों को टक्कर मारते हुए तेज रफ्तार में भाग रही थी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है।

संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में सुरक्षा सप्ताह शुरू

भिलाई। बीएसपी के धमन भट्टी विभाग ब्लास्ट फर्नेस द्वारा सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी सुरक्षा एसके अग्रवाल की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी महाप्रबंधक गुजू श्रीनिवास, महाप्रबंधक शान्तनु मित्रा, महाप्रबंधक एन मधु महाप्रबंधक एके पासवान और महाप्रबंधक आर प्रवीण सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र के बाद कार्यालय सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। धमन भट्टी क्रमांक 8 के कंट्रोल रूम में महिला कर्मचारियों हेतु सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एक सप्ताह चलने वाले इस समारोह में सुरक्षा संबंधी विविध गतिविधियों की प्रतियोगिता होगी। महिला सुरक्षा सत्र की अध्यक्षता चिकित्सा एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र एनओएचएससी की चिकित्सक डॉ उषा ने की। इस अवसर पर उनके साथ सुरक्षा अधिकारी आरईडी फ्लोमिना इक्का, वासला और इंद्रजीत कौर भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के संचालन में लक्ष्मी देवांगन और सुरक्षा विभाग की महिला टीम का योगदान रहा। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों को कार्यस्थल सुरक्षा, स्वास्थ्य संरक्षण और आपदा प्रबंधन संबंधी जानकारी दी गई।

धान खरीदी तिहार का शुभारंभ : किसानों से सांसद, विधायक, प्रभारी सचिव, कमिश्नर व कलेक्टर ने की धान खरीदी

- **धान पतला 2389 प्रति क्वि, मोटा 2369 प्रति क्विटल और धान सरना 2369 प्रति क्विटल की दर**

दुर्ग/नवप्रदेश। प्रदेश में आज से किसानों का महापर्व धान खरीदी तिहार शुरू हो गया। सहकारी समिति मर्यादित चंदखुरी में सांसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के आतिथ्य व जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा, कमिश्नर एसएन राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया गया। सांसद, विधायक और अधिकारियों ने उपार्जन केंद्र में किसानों से धान खरीदी प्रारंभ की।

उपार्जन केंद्र चंदखुरी में किसान राजेन्द्र चंद्राकर, अखिल कुमार, भानु प्रताप, भगोली राम, ओमप्रकाश और विश्वनाथ से 507.86 क्विंटल धान की खरीदी की गई। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने मौके पर धान बोरे का तौल व धान की नमी का माप किया। तौल में बोरे में धान का वजन 40 किलो 700 ग्राम और नमी 13 प्रतिशत होना पाया गया। 15 नवम्बर से 31 जनवरी 2026 तक समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जाएगी। धान का किस्म पतला 2389.00 प्रति क्विटल, मोटा 2369.00 प्रति क्विटल और धान सरना 2369.00 प्रति क्विटल की दर निर्धारित की गई है।

जिले के 87 सहकारी समितियों के 102 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी होगी। प्रथम दिवस 34 उपार्जन केंद्र में धान बिक्री के लिये 116 किसानों का टोकन कटा है। इन केंद्रों में 6,678 क्विटल धान खरीदी की गई।

धान खरीदी शुभारंभ के बाद आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं किसान हित में है। किसान की प्रगति के साथ देश और प्रदेश की विकास जुड़ा है। सरकार जो कहती है उसे पूरा करती है। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी बेहतर व्यवस्था के साथ खरीदी होगी। भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती पर यह शुभ कार्य प्रारंभ हुआ है। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए सहयोग की अपेक्षा की।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश की किसान हितैषी सरकार किसानों के आर्थिक स्तर को ऊँचा उठाने के साथ समाज के हर वर्ग के हित मे कार्य कर रही है। उन्होंने धान खरीदी प्रारम्भ होने पर क्षेत्र के सभी किसानों को शुभकामनाएं दी। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने धान खरीदी हेतु जिले में की गई व्यवस्था पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को शासन-प्रशासन से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने भी किसानों को इस अवसर पर शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर एडीएम अभिषेक अग्रवाल, एसडीएम हरवंश सिंह मिरी व अन्य अधिकारीगण, समिति प्रबंधक किरण साहू, सरपंच कविता ठाकुर सहित किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने धान उपार्जन केंद्रों का जायजा लिया

छत्तीसगढ़ के आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव व जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा आज दुर्ग जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने जिले के चंदखुरी सहित अन्य धान उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया। धान खरीदी और रखरखाव को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने समिति प्रबंधक से कुल धान खरीदी की मात्रा, पंजीकृत किसानों और धान क्रय कर चुके किसानों की संख्या, धान की गुणवत्ता, बारदाना की उपलब्धता, परिवहन, शॉर्टेज और गेट पास आदि के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने धान खरीदी केंद्रों में धान के उठाव की व्यवस्था देखी और अधिकारियों को राइस मिलर्स द्वारा जल्द से जल्द धान के उठाव कराने के निर्देश दिए। बारदाने की स्थिति की जानकारी लेते हुए बोरा ने जूट मिल वाले बारदाना का उपयोग करने के निर्देश दिए। खरीदी के बाद धान से भरे बारदानों को मशीन से सिलाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान से नमी की मात्रा शासन के निर्धारित मात्रा से ज्यादा न हो। उन्होंने धान बेचने पहुंचे किसानों से बातचीत की और धान खरीदी व्यवस्था के साथ ही टोकन व्यवस्था की जानकारी ली।

भिलाई स्टील प्लांट या सेक्टर 9 हॉस्पिटल का नहीं होगा निजीकरण, अफवाह से बचें भिलाइयंस

विधायक रिकेश ने बीएसपी निदेशक प्रभारी से मुलाकात कर कई विषयों पर सार्थक चर्चा की

भिलाईनगर/नवप्रदेश। वैशाली नगर क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने कहा है कि न तो सेक्टर-9 हास्पिटल का निजीकरण होगा, न बीएसपी का प्राइवेटाइजेशन किया जाएगा। भिलाई टाउनशिप में एक्सपांसन और लीज नवीनीकरण को लेकर अफवाह फैलाई जा रही है। भिलाइयंस इन अफवाहों से दूर रहें।

बीएसपी के निजीकरण और टाउनशिप को लेकर विभिन्न भ्रांतियों और अफवाहों पर विधायक रिकेश सेन ने विराम लगाते हुए कहा कि बीएसपी के डायरेक्टर इंचार्ज से सार्थक चर्चा के बाद स्थिति स्पष्ट हो गई। टाउनशिप में फैल रहे भ्रम को दूर करने मैनेजमेंट समय समय पर प्रेस रीलिज भी जारी करेगा, ताकि लोगों के बीच भ्रांतियां न पनपे। रिकेश ने बताया कि टाउनशिप में विद्युत पोल और सड़क किनारे लगे बेतरतीब बैनर पोस्टर भी हटाए जाएंगे। भविष्य में बिना अनुमति बैनर पोस्टर लगाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

भिलाई इस्पात संयंत्र में नई भर्ती, सेक्टर-9 हास्पिटल को पीजीआई जैसा मेडिकल कॉलेज बनाने, डिस्मेंटल आवासों, बीएसपी स्कूलों के रेनोवेशन, लीज नवीनीकरण और प्लांट एक्सपांसन से प्रभावित सेक्टर्स को लेकर बीएसपी निदेशक प्रभारी ने विधायक रिकेश सेन को जानकारी दी। बीएसपी मैनेजमेंट की आगामी योजनाओं की जानकारी भी विधायक को दी गई।

विधायक रिकेश ने आश्वस्त किया कि बीएसपी के निजीकरण की आशंका जताते हुए कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं जबकि केंद्र सरकार सेल बीएसपी के विस्तारीकरण पर कार्य कर रहा है। बुलेट ट्रेन की पटरियां भिलाई इस्पात संयंत्र में ही बनेंगी। एक्सपांसन के तहत टाउनशिप के सेक्टर-3 और सेक्टर-4 का आंशिक हिस्सा ही प्रभावित होगा। सेक्टर-6 के डिस्मेंटल आवासों को लेकर भी योजनाओं पर कार्य हो रहा है।

उन्होंने बताया कि भिलाई टाउनशिप में लगभग 10 हजार नये आवासों का निर्माण होना है। डिस्मेंटल बिल्डिंग के स्थान और खाली जमीन पर प्रधानमंत्री आवास निर्माण होना है। टाउनशिप के बाजार भी उजडऩे नहीं दिए जाएंगे। बीएसपी निदेशक प्रभारी ने स्पष्ट किया है कि दुकानों की सामान्य दर पर लीज बढ़ाने को लेकर दिल्ली में दो मीटिंग हो चुकी है। प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है। आवास लीज नवीनीकरण भी किया जाएगा इसलिए लीज पर दिए गए आवासों को लेकर जो भ्रांतियां टाउनशिप में फैली हैं, उस पर भी विराम लगा है।

निदेशक प्रभारी से हुई के बाद चर्चा सेन ने बताया कि बीएसपी स्कूलों का रेनोवेशन वर्क इसी शिक्षा सत्र से किया जाएगा। बंद स्कूलों पर भी मैनेजमेंट विचार कर रहा है। बीएसपी एक्सपांसन प्रोजेक्ट के तहत बहुत जल्द नई भर्तियां शुरू होंगी। सेन ने भिलाई के मैत्री गार्डन की ओर पर्यटकों के रूख को लेकर भी चर्चा की है।

उन्होंने मैत्री गार्डन को राज्य शासन को दिए जाने का प्रस्ताव बीएसपी सीईओ को दिया है। इससे राज्य सरकार मैत्री गार्डन और समीपस्थ क्षेत्रों को पर्यटन के रूप में विकसित करेगा। छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों के पर्यटकों का रूझान भिलाई की तरफ बढ़ेगा। विधायक सेन ने बताया कि सेल और बीएसपी मैनेजमेंट इसे पीजीआई जैसा मेडिकल कॉलेज बनाने की दिशा में बढ़ चुका है। इसलिए सेक्टर-9 हास्पिटल के प्राइवेटाइजेशन को लेकर जो आशंकाएं फैली हैं, वह सरासर ग़लत हैं।

जनजातीय गौरव दिवस : सांसद बघेल ने सीएम साय के संदेश का किया वाचन

- **जनजातीय समुदायों की परंपराओं में प्रकृति के प्रति गहरा सम्मान निहित : बोरा**
- **भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर कला मंदिर ऑडिटोरियम में हुआ भव्य आयोजन**

दुर्ग/नवप्रदेश। भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में आज भिलाई स्थित महात्मा गांधी कला मंदिर ऑडिटोरियम में श्रद्धा और उत्साह से मनाया गया। सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस समारोह में छ.ग. शासन के आदिम जाति विकास विभाग के सचिव व दुर्ग जिला प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा, विधायक वैशाली नगर रिकेश सेन, रिसाली महापौर शशि सिन्हा, योग आयोग अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा, पुरूषोत्तम देवांगन, एसके मरकाम, संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वनमण्डाधिकारी दीपेश कपिल सहित आदिवासी समाज के जनप्रतिनिधिगण, स्कूली बच्चे, शिक्षक, विभागीय अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर गुजरात से राष्ट्र को संबोधित किया, जिसको वर्चुअल माध्यम से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा भेजे गए जनजातीय गौरव दिवस के संदेश का वाचन किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सचिव आदिम जाति विकास विभाग व दुर्ग जिला प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलीहातू गांव में जन्मे आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती आज पूरे प्रदेश में मनाया जा रहा है। उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष किया और आदिवासियों को उनकी भूमि व अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित किया। मात्र 25 वर्ष की आयु में वे शहीद हो गए। भगवान बिरसा मुंडा ने न केवल सामाजिक और धार्मिक सुधारों पर कार्य किया बल्कि आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष का नेतृत्व किया।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद किया। उनके विद्रोहों और आंदोलनों के प्रभाव से ही छोटा नागपुर टेनेंसी एक्ट पारित हुआ, जिसने आदिवासियों की भूमि पर उनके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की। आदिवासी समाज प्रमुख एसके मरकाम, योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा, विधायक रिकेश सेन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

विश्वेशा ने गोल्ड मेडल हासिल कर बढ़ाया मान

- **श्रीश्री रविशंकर यूनिवर्सिटी कटक के दीक्षांत समारोह में मिला सम्मान**

दुर्ग/नवप्रदेश। उड़ीसा के कटक शहर स्थित श्रीश्री रविशंकर यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर के सानिध्य में संपन्न हुआ। आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट के इंटीरियर डिजाइन कोर्स में दुर्ग जिले के ग्राम कोलिहापुरी की छात्रा कु. विश्वेशा हरमुख ने स्वर्ण पदक हासिल कर छत्तीसगढ़ का नाम रौशन किया। रजत पदक छत्तीसगढ़ के अम्बिकापुर से श्रेया मित्तल ने हासिल किया। कांस्य पदक भुवनेश्वर की सुनयना पुजारी को मिला। स्वर्ण पदक प्राप्त छात्रा विश्वेशा हरमुख कांग्रेस नेता केशव बंटी हरमुख की सुपुत्री है। विश्वेशा हरमुख ने अपने विषय में पूरे विश्वविद्यालय में टॉप कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि हासिल करने में शिक्षिका सुप्रीति दास, रुपाली शाह, शिक्षक बिभूप्रकाश शाह, देबाशीष दास व अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं का विश्वेशा हरमुख को मार्गदर्शन मिला। सफल छात्रों को उनकी उपलब्धि के लिए पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू , जिला पंचायत सदस्य आशा विक्की मिश्रा, जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, पूर्व उपाध्यक्ष व वर्तमान जनपद सदस्य झमित गायकवाड़, महापौर शशि सिन्हा, युकां अध्यक्ष जयंत देशमुख, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, नंदकुमार सेन, उतई के पूर्व नपं अध्यक्ष डिकेन्द्र हिरवानी, सहकारिता कांग्रेस अध्यक्ष रिवेंद्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप चंद्राकर,पूर्व जिपं सभापति योगिता चंद्राकर, लक्ष्मी साहू, दिवाकर गायकवाड़, पिलेश्वर साहू, रूपेश देशमुख, नंदकुमार साहू, दिल्लीवार कुर्मी समाज अध्यक्ष योगेंद्र बेलचंदन,ललित, दिलीप देशमुख, यशवंत दिल्लीवार, चंद्रिका, प्रीति देशमुख ने बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

देल्ही वर्ल्ड पब्लिक स्कूल चरोदा-भिलाई में स्किल मेला

चरोदा/नवप्रदेश। देल्ही वर्ल्ड पब्लिक स्कूल चरौदा, भिलाई में स्किल डेवलपमेंट फेयर 2025 का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य शिशिर प्रकाश व चेयरपर्सन गुरबक्श छाबड़ा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर संचालक पीडी शर्मा भी उपस्थित रहे। मेले का उद्देश्य 21 वीं सदी की स्किल्स को विद्यार्थियों में विकसित करना और उनके सर्वांगीण विकास हेतु एक आदर्श मंच प्रस्तुत करना रहा। कार्यक्रम में सभी विषयों से संबंधित गतिविधियों व शैक्षणिक मॉडल्स का अभिनव प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों ने आधुनिक शिक्षा, नवाचार, और भारतीय मूल्यों के समावेश के साथ किया गया।

इस दौरान स्किल डेवलपमेंट फेयर में विज्ञान, गणित, अंग्रेज़ी, समाजशास्त्र, कला, भाषा, वाणिज्य से जुड़ी व्यावहारिक गतिविधियों के प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने क्रिटिकल थिंकिंग, प्रॉब्लम सॉल्विंग, रचनात्मकता, डिजिटल टूल्स व 21 वीं सदी की स्किल्स पर आधारित मॉडल्स और प्रेजेंटेशन दिए। स्कूल का लक्ष्य विद्यार्थियों को न केवल ज्ञान में उत्कृष्ट बनाना है, बल्कि उन्हें मूल्यनिष्ठ, संवेदनशील व जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करना भी है।

शिशिर प्रकाश ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उनके सीखने की प्रक्रिया जीवनोपयोगी बनती है। गुरबक्श छाबड़ा ने शिक्षा में नवाचार और स्किल डेवेलपमेंट पर बल देते हुए कहा कि दिल्ली वर्ल्ड फाउंडेशन का प्रयास आधुनिकता के साथ-साथ परंपराओं व मूल्यों को भी नई पीढ़ी में रोपित करना है। फेयर में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने हिस्सा लेते हुए अपनी अध्ययनशीलता एवं नवाचार क्षमता का प्रदर्शन किया। स्कूल परिसर में कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा, समावेशिता और उत्कृष्टता सुनिश्चित की गई।

स्किल डेवलपमेंट फेयर विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय रहा, जिसमें विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों व अतिथियों ने भी सक्रिय सहभागिता दी। कार्यक्रम ने शिक्षा के आधुनिक मापदंडों के अनुरूप विद्यार्थियों को कौशल आधारित शिक्षा व नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त मंच प्रदान किया। देल्ही वर्ल्ड पब्लिक स्कूल चरौदा, भिलाई में 21 वीं सदी की स्किल्स पर आधारित स्किल डेवलपमेंट फेयर 2025 का सफल आयोजन प्राचार्य शिशिर प्रकाश और संचालक गुरबक्श छाबड़ा के नेतृत्व में किया गया। सभी विषयों के विद्यार्थियों ने विविध एक्टिविटीज एवं मॉडल्स का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभाओं से उपस्थितजनों को प्रभावित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नवाचार व समग्र विकास को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पालकों की सहभागिता और सकारात्मक विचारों ने बच्चों को उत्साहित किया।

समारोह... **शैक्षणिक, बौद्धिक, शारीरिक व रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहें विद्यार्थी : मंत्री गजेन्द्र**

मैत्री विद्या निकेतन में 37वां वार्षिक उत्सव नवरंग का भव्य आयोजन

भिलाई/नवप्रदेश। मैत्री विद्या निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रिसाली में 37 वाँ वार्षिक उत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह नवरंग 2025 मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा मंत्री, ग्रामोद्योग मंत्री तथा विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेंद्र यादव उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में केके मोदी विश्वविद्यालय, दुर्ग की उपकुलपति डॉ. मोनिका शर्मा शामिल हुईं। बोरसी के पार्षद व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष साजन जोसेफ विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संस्था के प्रबंधक एस सजीव सुधाकरन ने स्वागत भाषण दिया। विद्यालय की

प्रबंधक व प्राचार्या डॉ. सजीता थंबी ने विद्यालय की उपलब्धियों, शैक्षणिक प्रगति और वर्ष भर की गतिविधियों पर आधारित वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को फाउंडर प्रेसिडेंट छात्रवृत्ति दी गई। आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्व गंगाधरन और स्व भास्करन की स्मृति में कुल 12 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं। मुख्य अतिथियों द्वारा विद्यालय की वार्षिक पत्रिका मैत्री का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि गजेंद्र यादव ने विद्यार्थियों से केवल अंक-आधारित अध्ययन तक सीमित न रहकर, शैक्षणिक, बौद्धिक, शारीरिक व रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहने और सोशल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखारने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि डॉ. मोनिका शर्मा ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और नैतिक मूल्यों का विकास करता है। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। प्री-प्राइमरी के बच्चों ने परिवार की महत्ता और कल्पना लोक पर मनोहारी नृत्य प्रस्तुत किए। प्राथमिक वर्ग के विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण जैसे विषयों के साथ ही शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। माध्यमिक वर्ग के विद्यार्थियों ने शिव वंदना और छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य से मंत्रमुग्ध कर दिया। हायर सेकेंडरी के विद्यार्थियों की नारी शक्ति और विविधता में एकता पर आधारित विशेष आकर्षण रही। उपस्थित अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। संस्था की अध्यक्षा राजम सुधाकरण, प्रबंधकद्वय एस. सजीव और एस. साजन, उपप्राचार्या डॉ बीना सजीव, प्रधानाध्यापिका निशी साजन, मैत्री विद्या निकेतन पाटन की प्राचार्या अंबाली, भिलाई मैत्री कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सुरेखा पाटिल सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बीना सजीव, श्रीलता धावला, किरण टाटिया, प्राची साहू, अनिर्बान मुखर्जी, जया साहू, आकांक्षा, सोनाक्षी चौबे और शिवांश सिंह अग्रवाल ने किया। आभार प्रदर्शन प्रधानाध्यापिका निशी साजन ने किया।

फाइनल मैच में केपीएस बना चैम्पियन

कुम्हारी/नवप्रदेश। टर्मिनेटर इंटरनेशनल क्रिकेट एकेडमी के तत्वाधान में आयोजित टर्मिनेटर विप्रा स्कूल चैंपियंस ट्रॉफी-5 का आज फ़ाइनल मैच खेला गया। मैच में कृष्णा पब्लिक स्कूल भिलाई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 208 रन बनाए। देवांश ने शानदार 87 रन बनाए और यशराज सिंग ने 53 रनों की पारी खेली। गुरुनानक पब्लिक स्कूल रायपुर से गेंदबाजी करते हुए विवेक जोशी ने 4 विकेट लिए। गुरुनानक पब्लिक स्कूल की टीम 13 ओवर में 91 रन ही बना पाई। गुरुनानक पब्लिक स्कूल से आदित्य यादव ने 21 रनों की पारी खेली। कृष्णा पब्लिक स्कूल की टीम से यशराज सिंग ने 5 विकेट लिए। कृष्णा पब्लिक स्कूल की

टीम ने यह मैच 117 रनो से जीतकर प्रतियोगिता का ख़िताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच यशराज रहे। प्रतियोगिता के बेस्ट बैट्समैन देवांश पाटिल, बेस्ट बॉलर यशराज बेस्ट फील्डर यशराज, बेस्ट विकेट कीपर दिव्यांशु बने। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डोमन लाल कोर्सेवाड़ा विधायक अहिवारा थे। अध्यक्षता भाजपा के प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा ने की। विशेष अतिथि मीना वर्मा अध्यक्ष नपा कुम्हारी, ज्ञानेश शर्मा पूर्व योग आयोग अध्यक्ष, राकेश पाण्डे वरिष्ठ भाजपा नेता, प्रशांत श्रीवास्तव पूर्व खेल एवं युवा आयोग सदस्य थे। प्रतियोगिता के समापन समारोह में टर्मिनेटर इंटरनैशनल क्रिकेट एकेडमी के संचालक और एन.आई.एस. क्रिकेट कोच डॉ. शबाब कुरैशी ने आभार व्यक्त किया। संचालन जमशेद अख्तर ने किया।

न्यूज गैलरी

अधिवक्ता संघ के संविधान की मूल प्रति बार अध्यक्ष को सौंपी गई......

काँकेर :- स्वर्गीय पण्डित विष्णु प्रसाद शर्मा जी, ÷विधि-पुरुष÷ एवं ÷स्वतंत्रता संग्राम सेनानी÷ द्वारा काँकेर अधिवक्ता संघ के संविधान की रचना अनेक विधिक ग्रंथों का अध्ययन करने के पश्चात अत्यंत परिश्रम पूर्वक 1990 में की गई थी। संविधान की मूल (द्वितीय) प्रति को प्राप्त करने अधिवक्ता संघ काँकेर के अध्यक्ष धनराज जैन, उपाध्यक्ष संजय कुंभकार महेश जैन अधिवक्ता एवं काँकेर ज़िला भाजपा अध्यक्ष अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष के.डी.मिश्रा देवेंद्र जैन अधिवक्ता बसंत ठाकुर अधिवक्ता बीएम तिवारी घनश्याम नायर सहित दर्जन भर अधिवक्ताओं ने आज स्वर्गीय विष्णु प्रसाद शर्मा के पुत्र डॉक्टर कृष्णमूर्ति शर्मा के निवास पहुंचकर संविधान की मूल प्रति प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय शर्मा जी अधिवक्ता होने के अतिरिक्त गांधीवादी मनीषी, शिक्षाविद् पर्यावरण विद् ओजस्वी वक्ता समाजसेवक एवं साहित्यकार भी थे।सन् 2009 में स्वाधीनता सेनानी का सम्मान प्राप्त करने के कुछ ही समय पश्चात उनका देहांत हो गया था।आज अधिवक्ता संघ का संविधान मूल रूप में प्राप्त करते हुए काँकेर के अधिवक्ताओं ने उन्हें श्रद्धा पूर्वक याद किया।

एसआईआर की जमीनी हकीकत जानने उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने दौरा कर समीक्षा की

कांकेर / नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 04 नवंबर से 04 दिसम्बर तक मतदाता सूची के शुद्धिकरण के लिए बीएलओ द्वारा घर घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया जा रहा है। सत्यापन कार्य की जमीनी हकीकत जानने उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री जितेंद्र कुमार कुर्रे ने शनिवार 15 नवंबर को कांकेर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नरहरपुर विकासखंड में एसआईआर गणना प्रपत्र के एकत्रीकरण तथा डिजिटाइजेशन कार्य की मतदान केंद्रवार समीक्षा की। इसके तहत उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा क्षेत्र का भ्रमण कर प्रत्येक निर्वाचन सुपरवाइजर तथा बीएलओ के द्वारा निष्पादित किए जा रहे कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई तथा फील्ड कर्मियों को आवश्यक दिशानिर्देश देते हुए डिजिटाइजेशन का कार्य 30 नवंबर तक पूर्ण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी का पद लंबे समय से रिक्त होना क्षेत्र के प्रति प्रशासनिक उदासीनता का उदाहरण,, अनूप नाग

■ **अंतागढ़ परलकोट को जिला बनाने का सार्थक प्रयास करे**

अंतागढ़।। अंतागढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक अनूप नाग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि अंतागढ़ जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में जहां लम्बे अरसे से एस.डी.एम जैसे महत्वपूर्ण पद का रिक्त होना क्षेत्र के प्रति प्रशासनिक उदासीनता का अच्छा उदाहरण इन दिनों देखने को मिल रहा है। उक्त महत्वपूर्ण पद का फिलहाल अंतागढ़ के अतिरिक्त कलेक्टर प्रभार मे है, उक्त वक्तव्य है अनूप नाग ने कहा है कि जिले में अंतागढ़ क्षेत्र को प्रशासन कितना महत्व देती है, ये इसी से स्पष्ट हो गया कि अंतागढ़ अनुभाग मुख्यालय में अनुविभागीय अधिकारी (एस.डी.एम.) जैसे महत्वपूर्ण पद पर दूसरे अधिकारी को प्रभार मे देकर काम चलाया जा रहा है। जबकि इस ओर स्थानीय सांसद और विधायक कितना गंभीर है इसका अच्छा उदाहरण है जबकि वर्तमान में धान खरीदी, मतदाता पुनरीक्षण एवं अन्य जनता एवं प्रशासन से जुड़े कई कार्य चल रहा है। ऐसे में अंतागढ़ अनुविभाग मुख्यालय में अनुविभागीय अधिकारी (एस.डी.एम.) अलग से पदस्थ होना अति आवश्यक है। इसी तरह कुछ अन्य विभागों का भी यही हाल है यदि शासन प्रशासन निर्वाचित जन प्रतिनिधियों के बात को महत्व नहीं दे रही है तो मेरा व्यक्तिगत अनुरोध है कि एक की जगह दो निम्बू काटकर पद की नियुक्ति कराना चाहिए। पूर्व विधायक अनूप नाग ने प्रेष विज्ञप्ति के माध्यम से आगे कहा है कि कुछ दिन पूर्व क्षेत्रीय विधायक विक्रम उसेण्डी स्थानीय प्रतिनिधि मण्डल के साथ दिल्ली जाकर परिवहन मंत्री से भेंट मुलाकात कर सड़क, पुलिया की मांग की है इसके लिए साधुवाद, परन्तु उक्त रोड, पुलिया के निर्माण क्षेत्रवासियों को इंतजार रहेगा। क्योंकि कोटरी नदी के बेचा घाट में पुलिया निर्माण का प्रयास मेरे द्वारा भी किया गया था तात्कालिन कांग्रेस की सरकार के सी.एम. भूपेश बघेल के द्वारा वित्तीय स्वीकृती प्रदान किया गया था। कार्य एजेंसी सेतू निगम रायपुर को बनाया गया था तथा 16 महीने में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश जारी किया गया था तथा इसके लिए सी.जी.आर.आई.डी.सी.एल. भी जारी की गई थी, परन्तु उन दिनों में यह क्षेत्र अतिसंवेदनशील होने से सड़क, पुलिया निर्माण प्रारंभ नही किया जा सका। करीब डेढ़ वर्षों तक अनजान क्षेत्रों से तथा नारायणपुर, दुर्गुकोन्दल जैसे क्षेत्रों से भोले भाले ग्रामवासियों के द्वारा विरोध कराया जाता रहा। वर्षा ऋतु आ जाने एवं आचार सांहिता लग जाने के कारण कांग्रेस शासन काल में पुलिया निर्माण नहीं किया जा सका। आगे अनूप नाग यह भी बात प्रेष विज्ञप्ति में उल्लेख किए है कि विधायक, सांसद तथा साथ गए स्थानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा आमाबेड़ा और पंखाजूर को पृथक विकासखण्ड बनाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। इन्ही के द्वारा विकासखण्ड बनाने की बात लम्बे अरसे भोली भाली जनता को झूठी तसल्ली देते रहते है। तसल्ली देना बंद करें और भविष्य में विकासखण्ड आमाबेड़ा एवं पखांजूर को पृथक से विकासखण्ड का दर्जा दिलाकर अंतागढ-परलकोट नाम से जिला बनाने का सार्थक प्रयास करें।

बीजापुर में मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद 9 मरीजों की आँखों में संक्रमण

कांग्रेस की 6 सदस्यीय जांच कमेटी ने खोली पोल, भाजपा सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

■ **मोतियाबिंद ऑपरेशन में हुई लापरवाही की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्यवाही हो - विक्रम मंडावी**

बीजापुर/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने बीजापुर जिले में मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद 9 मरीजों की आँखों में संक्रमण की गंभीर घटना को ध्यान में रखते हुए भानुप्रतापपुर की विधायक सावित्री मंडावी के नेतृत्व में 6 सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया था। जांच कमेटी ने रविवार, 16 नवंबर को प्रभावित मरीजों के परिजनों से मुलाकात की और अस्पताल के डॉक्टरों से बातचीत कर वास्तविक स्थिति से अवगत हुई। इसके बाद जिला मुख्यालय बीजापुर में कांग्रेस जांच कमेटी ने प्रेस वार्ता आयोजित की।

प्रेस वार्ता में जांच कमेटी की संयोजक तथा भानुप्रतापपुर की विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी ने कहा कि मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए मरीजों को 23 नवंबर को जिला अस्पताल बीजापुर लाया गया और 24 नवंबर को ऑपरेशन किया गया। इसके बाद 25 नवंबर को मरीजों को वापस घर भेज दिया गया। इस पूरी प्रक्रिया में उनके परिजनों को जानकारी तक नहीं दी गई और आज तक किसी परिवारजन को मरीजों से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। इस तरह मोतियाबिंद ऑपरेशन में घोर अनियमितता बरती गई। ऑपरेशन के बाद मरीजों की उचित देखभाल नहीं की गई तथा उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया, जिसके कारण 9 मरीजों की आँखों में संक्रमण हो गया। संक्रमण बढ़ने पर मरीजों को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें तत्काल रायपुर रेफर कर दिया। वहां उनका इलाज अभी जारी है।

जांच दल की संयोजक श्रीमती सावित्री मंडावी ने प्रेस वार्ता में आगे कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की भाजपा सरकार बनने के बाद से बस्तर के आदिवासियों का विभिन्न रूपों में शोषण हो रहा है। कभी आदिवासियों को जेल में डाला जाता है, कभी उनकी मूल निवास की जमीनों पर कब्जा किया जा रहा है और अब उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते हुए आँखों की रोशनी नष्ट करने की कोशिश की जा रही है, जिसकी जितनी निंदा की जाए, कम है।

वहीं, इस पूरे घटनाक्रम पर दुख व्यक्त करते हुए बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि बीजापुर जिले में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा चुकी हैं। इतनी बड़ी घटना हो जाती है और किसी को पता तक नहीं चलता। जिले के लोगों की स्वास्थ्य चिंता न सरकार को है और न ही प्रशासन को। शासन स्तर पर तीन सदस्यीय जांच दल चुपके से बीजापुर आता है और चला जाता है, लेकिन अभी तक किसी ने इस घटना को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई है। प्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री होने के बावजूद प्रदेश का आदिवासी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में यह भी कहा कि मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद 9 मरीजों की आँखों में हुए संक्रमण की घटना को जानबूझकर उजागर होने से रोकने और दबाने का काम भाजपा की डबल इंजन सरकार ने किया है। उन्होंने मोतियाबिंद ऑपरेशन में हुई लापरवाही की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग भाजपा सरकार से की।

प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस जांच दल के सदस्य पूर्व विधायक नारायणपुर चंदन कश्यप, प्रदेश कांग्रेस कमेटी की महामंत्री एवं जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं पीसीसी सदस्य शंकर कुड़ियम, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर सहित पीसीसी सदस्य व जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता ज्योति कुमार, जिला पंचायत सदस्य लच्छू राम मौर्य, मीडिया प्रभारी राजेश जैन, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उसूर के अध्यक्ष एवं जनपद सदस्य मनोज अवलम, नगर अध्यक्ष पुरुषोत्तम खत्री और पूर्व नगर उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम सल्लूर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने किया धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण ...

कांकेर / नवप्रदेश।सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, राहत एवं पुनर्वास आयुक्त, भू-अभिलेख आयुक्त श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने आज कांकेर जिले के विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए की गई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने चारामा तहसील के धान खरीदी केन्द्र माहुद, चारामा, लखनपुरी तथा कांकेर तहसील के खरीदी केन्द्र नाथिया नवागांव तथा तहसील मुख्यालय सरोना स्थित धान खरीदी केन्द्र का निरीक्षण कर समर्थन मूल्य पर धान खरीदने के लिए की गई व्यवस्था का अवलोकन किया तथा मौके पर उपस्थित किसानों से चर्चा की और धान विक्रय टोकन का अवलोकन भी किया। किसानों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सोसायटी मॉड्यूल से भी धान विक्रय के लिए टोकन कटवा सकते हैं। जिला खाद्य अधिकारी, सहकारी बैंक के नोडल अधिकारी से धान खरीदी केन्द्रों के लिए कम्प्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति, उनका प्रशिक्षण, खरीदी केन्द्रों में नमी मापक यंत्र, बारदाना की व्यवस्था, डनेज व हमाल की व्यवस्था के संबंध में जानकारी लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि धान खरीदी केंद्रों में किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। जिला खाद्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि कांकेर जिले में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए 94 हजार 192 किसानों का पंजीयन किया गया है तथा 85 प्रतिशत बारदाना की उपलब्ध कराए जा चुके हैं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री अरूण वर्मा, खाद्य अधिकारी श्री जे.जे नायक, उप पंजीयक सहकारी समिति श्री आशुतोष ड़डसेना, तहसीलदार चारामा सतेन्द्र शुक्ल एवं नायब तहसीलदार कृष्ण कुमार पाटले, तहसीलदार सरोना मोहित साहू, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के नोडल अधिकारी श्री मनोज वानखेड़े, जिला प्रबंधक नान श्री आकाश राही उपस्थित थे।

पैराडाइज स्कूल के प्रायमरी बच्चों ने देखा ऑक्सीवन एवं लिमदरहा मिडवे

■ **बाल दिवस छोटे बच्चें समझें प्रकृति की सुन्दरता और सीखा रक्षा करना**

कांकेर / नवप्रदेश। 14 नवम्बर को भूतपूर्व प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस को बाल दिवस के रूप में मनाया गया। बाल दिवस के अवसर पर पैराडाइज हायर सेकेण्डरी सीबीएसई.स्कूल के नर्सरी से कक्षा 2 तक के बच्चों को ऑक्सी वन का सैर कराया गया। ऑक्सीवन जहाँ बहुत सारे हरे-भरे पेड़-पौधे हैं। जहां शुद्ध हवा स्वच्छ वातावरण मे, इस भ्रमण से बच्चें पेड़ों के नाम, पेड़ हमें क्या प्रदान करते है इनके बारे प्रत्येक्ष रूप से जाना। प्राकृतिक वातावरण में बच्चों ने खेलकूद एवं विभिन्न गतिविधियां कर आनंद प्राप्त किया। इस विजिट का उद्देश्य प्रकृति प्रेम विकसित करना, पेड़ों के महत्व समझाना, स्वच्छ हवा व पर्यावरण का संदेश देना, साथ ही बच्चों को खुले वातावरण में सीखने, खेलने, दौड़ने, झूला झूलने, स्लाइडर में फिसलने, गीत गाने, पोयम सुनाने एवं डांस करने का मौका मिला। बचपन के अपने स्कूली जीवन में उनका एक यादगार और बहुमूल्य पल को अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ बीताने का मौका मिला। कक्षा तीसरी से पांचवी तक के बच्चों ने लिमदरहा मिडवे भ्रमण कर प्रकृति के बीच समय बिताते हुये पेड़-पौधों का हमारे जीवन में महत्व को समझते हुये, पेड़-पौधो को रक्षा करने की शपथ ली।

15 नवंबर को 'बिरसा मुंडा जयंती जनजातीय, गौरव दिवस के रूप में मनाया गया है। स्कूल शिक्षक निशा जयसवाल ने अंग्रेजी में वीर बिरसा मुंडा के बारे में बताया कि बिरसा मुंडा भारत के महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने आदिवासी समाज को जागरूक किया और अंग्रेजों के अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाया और उन्हें 'धरती आबा' (पृथ्वी के पिता) के नाम से जाना जाता है उन्होंने आदिवासी समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए अनेक आंदोलन किये और अंग्रेजी शासन के खिलाफ एक बड़ी लड़ाई लड़ी। शिक्षक यमुना बिलोधिया ने हिन्दी में बताया कि बिरसा मुंडा ने सामंती व्यवस्था और जमीदारी प्रथा के खिलाफभी आवाज उठाई और भारतीय समाज को जागरूक किया। बिरसा मुंडा ने नारा दिया ÷हमारी भूमि हमारा शासन यह नारा आदिवासी सामुदाय के लिए एक प्रेरणा बन गया। इसी प्रकार शिक्षक संगीता भारती एवं पार्वती गजबल्ला, रचना शर्मा ने संस्कृत एवं हिन्दी मे बिरसा मुंडा के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किये। शिक्षक पॅकेटेश पटेल बिरसा मुंडा के वेश भूषा में आये, शिक्षक रूबी खान ने स्लोगन बोले एवं मिडिल कक्षा के छात्राओं द्वारा बिरसा मुंडा को समर्पित गीत पर नृत्य प्रस्तुत किये। सभी शिक्षक एवं सभी छात्र-छात्राओं ने समाज के प्रति बिरसा मुंडा के योगदान को याद कर उन्हें नमन किये।

इस कार्यक्रम को आयोजन कराने में प्राचार्य रश्मि रजक, उप प्राचार्य डॉ. श्रेष्ठिता चंदा, कोऑर्डिनेटर सुनील कुमार पंडा, कोऑर्डिनेटर अनिल कुमार ढाके, कोऑर्डिनेटर एम भुबनेश्वरी, कोऑर्डिनेटर ऐश्वर्या साहू, के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ शिक्षक प्रीति झा, दीपांजली गोगोई, वर्षा रामानी, मेघा सेवा, एस. मर्सी, भारती सेठिया, कृष्णापद कुंभकार, सरिता मिश्रा, संगीता भारती, शांतिलीना नेताम, रचना शर्मा, लक्ष्मीनारायण नामदेव, अपूर्वा ठाकुर, उज्जवल निर्मलकर, टाकेश्वर साहू, शिखा मेहरा, अभिनव सिंह, सुकदेव सरकार, मनीषा साहू, प्रीतिलता सोरी, तारा चंदेल, प्रतीक सिंह ठाकुर, एंजल इलियास, निशा जयसवाल, पूजा खरे, अंजू बारले. अपरसा रॉय, गौरव टाडिया, मृणाल पाण्डे आदि शिक्षकों का विशेष योगदान रहा।

बिरसा मुंडा की 150वीं पीएम नरेंद्र मोदी ने किया वर्चुअल संबोधन...

■ **जिला स्तरीय कार्यक्रम में राजस्व मंत्री हुए शामिल**

कांकेर / नवप्रदेश। केन्द्र सरकार के आव्हान पर धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के अवसर पर देश भर में आज जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में वर्चुअल संबोधन किया गया। इसी क्रम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन आज नरहरदेव पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के डोम में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के आमजनता के नाम संदेश का वाचन किया। साथ ही प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन के सीधा प्रसारण सामूहिक रूप से सुना गया।

आज दोपहर को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की आसंदी से राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने संदेश का वाचन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयंती आज देशभर में मनाई जा रही है। जनजातीय गौरव दिवस आदिवासियों की शहादत और संघर्ष की सदैव याद दिलाएगा, जिसे प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एक जन आंदोलन का रूप दिया। उन्होंने आगे बताया कि देश की आजादी में आदिवासी महानायकों की बड़ी भूमिका रही है, उनके अतुलनीय योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

पेज 1 का शेष

हर साल बढ़ रहा...

जलभराव क्षेत्रों में उगाया जाता है। छतीसगढ़ में उगने वाला मखाना साइज में बड़ा और स्वाद में अन्य राज्यों के मखाने से बेहतर है।

शुद्ध लाभ दोगुना

एक एकड़ धान की खेती से किसानों को जहां औसतन 75 हज़ार रुपए का फायदा मिलता है। वहीं, मखाना की खेती से एक एकड़ में औसतन डेढ़ लाख रुपये तक का लाभ हो सकता है। इसे बीज के रूप में बेचने पर डेढ़ से दो लाख रुपये प्रति एकड़ और प्रोसेसिंग कर बेचने पर प्रति एकड़ तीन लाख रुपए तक का फायदा होता है।

छत्तीसगढ़ में अंतिम...

की मुख्यधारा में शामिल होने और खुद को नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त करने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सीएम साय ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस राज्य के सभी जिलों में मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ मनाया जा रहा है। समारोह का राज्य स्तरीय समापन समारोह 20 नवंबर को अंबिकापुर (सरगुजा जिला) में होगा, जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

धान खरीदी के बीच...

रखे लगभग 500 धान बोरों में आग लग गई। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने एकजुट होकर आग पर काबू पाने की कोशिश की और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस आगजनी की घटना में करीब 5 लाख रुपये का बारदाना जलकर नष्ट हो गया है। यहां भी आग लगने का कारण अज्ञात है।

बता दें कि छत्तीसगढ़ में खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू हो चुकी है। पहले दिन प्रदेश भर के 195 उपार्जन केंद्रों में किसानों से 19,464 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया।

अंतरिक्षयान उत्पादन ....

सात और प्रक्षेपणों का लक्ष्य बना रहा है, जिनमें एक वाणिज्यिक संचार उपग्रह और कई पीएसएलवी और जीएसएलवी मिशन शामिल हैं।

इसके अलावा इसरो का एक अन्य प्रमुख मिशन लूपेक्स है, जो इसरो का जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ संयुक्त अभियान है। लूपेक्स का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पानी की बर्फ का अध्ययन करना है। इसरो बढ़ती मिशन मांग के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए अगले तीन वर्षों में अपने अंतरिक्ष यान उत्पादन को बढ़ाकर तिगुना करने पर भी काम कर रहा है।

बिहार में जीत ने फिर...

नीहल कृष्णन, जो भारत को निकटता से कवर करती हैं, ने अपने विश्लेषण में लिखा कि चुनाव प्रचार में मोदी के सीधे उतरने से मुकाबला पारंपरिक क्षेत्रीय राजनीति के बजाय राष्ट्रीय नेतृत्व के जनमत परीक्षण में बदल गया। उन्होंने लिखा कि मोदी की जनसभाओं ने चुनाव के आखिरी दौर में मतदाताओं के रुझान को निर्णायक रूप से प्रभावित किया। बीबीसी वर्ल्ड की राजनीतिक विश्लेषक सोनिया जॉर्ज ने रिपोर्ट किया कि मोदी भारतीय मतदाताओं में असाधारण पकड़ बनाए हुए है और बिहार में यह पकड़ बिना किसी कमजोरी के दिखाई दी। अधिकतर राज्यों के मतदाता मोदी के वादों को गारंटी के रूप में देखते हैं।

फ्रांस 24 की रिपोर्ट में अंतरराष्ट्रीय राजनीति विशेषज्ञ फ्रेडरिक ग्रोसेट ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में चुनाव केवल चुनाव नहीं रहते, बल्कि राष्ट्रीय पहचान और विचारधारा के इर्द-गिर्द जनमत-सर्वेक्षण का रूप ले लेते हैं। बिहार इसका ताजा उदाहरण है। द टाइम्स और द इंडिपेंडेंट के अनुसार भारत में प्रधानमंत्री मोदी की विश्वसनीयता बढ़ती जा रही है। चुनाव परिणामों से स्पष्ट है कि जनता विकास की धारा के साथ बहना चाहती है, जिसकी पतवार मोदी के हाथ में है। प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस को गहन आत्ममंथन की जरूरत है।

राजनीतिक धुरी...

अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विशेषज्ञ यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफर्ड के डॉ. माइक हेनरी ने कहा, भारत में चुनावी राजनीति धीरे-धीरे लीडरशिप सेंट्रिक मॉडल की ओर बढ़ रही है और इस मॉडल में मोदी के सामने वर्तमान में कोई ठोस विकल्प नहीं दिखता।

द इकोनॉमिस्ट के राजनीतिक स्तंभकार निकोलस शैंपियन ने लिखा कि बिहार का परिणाम आने वाले वर्षों के लिए भारत की चुनावी रणनीतियों को प्रभावित करेगा। भारतीय राजनीति में मोदी का नैरेटिव अधिक प्रभावी है।

कोरर पुलिस ने कार चोर को किया गिरफ्तार

कांकेर / नवप्रदेश। थाना कोरर में प्रार्थी गजेन्द्र सिन्हा पिता महेश सिन्हा उम्र 43 वर्ष जाति कलार साकिन कोरर ने 05 नवंबर 2025 को सुबह से मेरी वाहन स्वीप्ट डिजायर क्रमांक ब्ळ 19 ठस् 3477 को प्रतिदिन की तरह अपने घर के सामने खडा किया था। 05 नवम्बर 2025 के सुबह 06.00 बजे अपने घर के बाहर आया देखा मेरी वाहन स्वीप्ट डिजायर नही था आस पास पता तलाष किया नही मिलाने पर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराये है। प्रार्थी की लिखित ओवदन पर धारा 303(1) बीएनएस का अपराध घटित होना पाये जाने से अपराध धारा सदर पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया।मामले की संवेदनषीलता को ध्यान में रखकर उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इंदिरा कल्याण ऐलेसेला के द्वारा तत्परता पूर्वक एवं तत्काल कार्यवाही करने निर्देष प्राप्त होने पर तथा अति.पुलिस अधीक्षक दिनेश सिन्हा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मोहसिन खान के मार्गदर्शन थाना प्रभारी कोरर निरीक्षक जितेन्द्र गुप्ता के नेतृत्व में थाना स्टाफके साथ मुखबीर द्वारा सूचना मिलने पर ग्राम केवटीनटोला रवाना होकर संदेही सुषील कुमार नायक को हिरासत में लेकर सक्ती से पूछताछ करने पर संदेही ने बताया कि, मैं पूर्व में गजेन्द्र सिन्हा के यहां 02 माह काम किया हूं 04 नवंबर 25 को दोपहर 04 बजे उनके डॉ.गजेन्द्र सिन्हा क्लिनिक से कार का चाबी निकाला था रात्रि में आकर लगभग 03 बजे 05 नवंबर 2025 को वाहन स्वीप्ट डिजायर क्रमांक ब्ळ 19 ठस् 3477 को लेकर गया था स्वीफ्ट कार को चोरी की नियत से ले गया था उसे बेचकर पैसा कमाना चाहता था और बताया कि चोरी की गई कार को गढ़पिछवाड़ी कांकेर में रखा हु जिसे मौके पर जाकर जप्त किया जाकर आरोपी सुषील कुमार नायक को 15 नवंबर 2025 को गिरफ्तार किया गया है।

■ न्यूज गैलरी

देर रात युवक पर फायरिंग: कान से छूकर निकली गोली

भिलाई। जिले के जामुल थाना इलाके में शुक्रवार को देर रात अज्ञात हमलावरों ने युवक विकास प्रजापति को निशाना बनाकर फायरिंग कर दी। पुरानी रंजिश को लेकर युवक को निशाना बनाया गया। निशाना चूकने से युवक की जान बच गई। फायरिंग के दौरान उसके कान के पास हल्की चोट आई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। गोली के अवशेष बरामद किए गए। आसपास की दीवारों पर फायरिंग के निशान पाए गए हैं। हमलावरों ने गोली चलाकर विकास को मारने की कोशिश की गई। जामुल पुलिस ने शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन ने युवक को कुचला

दुर्ग। जिले में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। 13 नवंबर की शाम देवेश अग्रवाल (30 साल) स्कूटी से घूमने निकले थे। पोटिया चौक से पुलगांव चौक के बीच शुभम के मार्ट और निरंकारी फर्नीचर के पास अज्ञात वाहन ने देवेश को कुचल दिया। हादसे के कुछ घंटों बाद पुलगांव पुलिस ने उनके परिजनों को दुर्घटना में मौत की सूचना दी। देवेश की शादी दो साल पहले हुई थी और उनकी 11 महीने की एक बेटी है। परिजनों ने बताया कि देवेश 13 नवंबर की रात करीब 8 बजे घर से निकले थे। उन्होंने परिवार को बताया था कि वे थोड़ी देर में घूमकर लौट आएंगे। रात 9 बजे के आसपास उनकी परिवार से बातचीत भी हुई थी। रात 10 बजे जब परिजनों ने उन्हें फोन किया तो मोबाइल स्विच ऑफमिला। इससे परिजन चिंतित हो गए और देवेश को ढूंढने के लिए घर के आसपास और परिचितों से पूछताछ शुरू की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि शायद लाल रंग की तेज रफ्तार कार से एक्सीडेंट हुआ। चालक नशे की हालत में था। यह कार कई लोगों और वाहनों को टक्कर मारते हुए तेज रफ्तार में भाग रही थी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है।

संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में सुरक्षा सप्ताह शुरू

भिलाई। बीएसपी के धमन भट्टी विभाग ब्लास्ट फर्नेस द्वारा सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी सुरक्षा एसके अग्रवाल की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी महाप्रबंधक गुजू श्रीनिवास, महाप्रबंधक शान्तनु मित्रा, महाप्रबंधक एन मधु महाप्रबंधक एके पासवान और महाप्रबंधक आर प्रवीण सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र के बाद कार्यालय सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। धमन भट्टी क्रमांक 8 के कंट्रोल रूम में महिला कर्मचारियों हेतु सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एक सप्ताह चलने वाले इस समारोह में सुरक्षा संबंधी विविध गतिविधियों की प्रतियोगिता होगी। महिला सुरक्षा सत्र की अध्यक्षता चिकित्सा एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र एनओएचएससी की चिकित्सक डॉ उषा ने की। इस अवसर पर उनके साथ सुरक्षा अधिकारी आरईडी फिलोमिना इक्का, वासला और इंद्रजीत कौर भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के संचालन में लक्ष्मी देवांगन और सुरक्षा विभाग की महिला टीम का योगदान रहा। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों को कार्यस्थल सुरक्षा, स्वास्थ्य संरक्षण और आपदा प्रबंधन संबंधी जानकारी दी गई।

धान खरीदी तिहार का शुभारंभ : किसानों से सांसद, विधायक, प्रभारी सचिव, कमिश्नर व कलेक्टर ने की धान खरीदी

■ धान पतला 2389 प्रति क्वि, मोटा 2369 प्रति क्विंटल और धान सरना 2369 प्रति क्विंटल की दर

दुर्ग/नवप्रदेश। प्रदेश में आज से किसानों का महापर्व धान खरीदी तिहार शुरू हो गया। सहकारी समिति मर्यादित चंदखुरी में सांसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के आतिथ्य व जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा, कमिश्नर एसएन राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया गया। सांसद, विधायक और अधिकारियों ने उपार्जन केंद्र में किसानों से धान खरीदी प्रारंभ की।

उपार्जन केंद्र चंदखुरी में किसान राजेन्द्र चंद्राकर, अखिल कुमार, भानु प्रताप, भगोली राम, ओमप्रकाश और विश्वनाथ से 507.86 क्विंटल धान की खरीदी की गई। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने मौके पर धान बोरे का तौल व धान की नमी का माप किया। तौल में बोरे में धान का वजन 40 किलो 700 ग्राम और नमी 13 प्रतिशत होना पाया गया। 15 नवम्बर से 31 जनवरी 2026 तक समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जाएगी। धान का किस्म पतला 2389.00 प्रति क्विंटल, मोटा 2369.00 प्रति क्विंटल और धान सरना 2369.00 प्रति क्विंटल की दर निर्धारित की गई है।

जिले के 87 सहकारी समितियों के 102 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी होगी। प्रथम दिवस 34 उपार्जन केंद्र में धान बिक्री के लिये 116 किसानों का टोकन कटा है। इन केंद्रों में 6,678 क्विंटल धान खरीदी की गई।

धान खरीदी शुभारंभ के बाद आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं किसान हित में है। किसान की प्रगति के साथ देश और प्रदेश की विकास जुड़ा है। सरकार जो कहती है उसे पूरा करती है। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी बेहतर व्यवस्था के साथ खरीदी होगी। भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती पर यह शुभ कार्य प्रारंभ हुआ है। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए सहयोग की अपेक्षा की।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश की किसान हितैषी सरकार किसानों के आर्थिक स्तर को ऊँचा उठाने के साथ समाज के हर वर्ग के हित मे कार्य कर रही है। उन्होंने धान खरीदी प्रारम्भ होने पर क्षेत्र के सभी किसानों को शुभकामनाएं दी। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने धान खरीदी हेतु जिले में क़ी गई व्यवस्था पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को शासन-प्रशासन से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने भी किसानों को इस अवसर पर शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर एडीएम अभिषेक अग्रवाल, एसडीएम हरवंश सिंह मिरी व अन्य अधिकारीगण, समिति प्रबंधक किरण साहू, सरपंच कविता ठाकुर सहित किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने धान उपार्जन केंद्रों का जायजा लिया

छत्तीसगढ़ के आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव व जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा आज दुर्ग जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने जिले के चंदखुरी सहित अन्य धान उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया। धान खरीदी और रखरखाव को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने समिति प्रबंधक से कुल धान खरीदी की मात्रा, पंजीकृत किसानों और धान क्रय कर चुके किसानों की संख्या, धान की गुणवत्ता, बारदाना की उपलब्धता, परिवहन, शॉर्टेज और गेट पास आदि के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने धान खरीदी केंद्रों में धान के उठाव की व्यवस्था देखी और अधिकारियों को राइस मिलर्स द्वारा जल्द से जल्द धान के उठाव कराने के निर्देश दिए। बारदाने की स्थिति की जानकारी लेते हुए बोरा ने जूट मिल वाले बारदाना का उपयोग करने के निर्देश दिए। खरीदी के बाद धान से भरे बारदानों को मशीन से सिलाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान से नमी की मात्रा शासन के निर्धारित मात्रा से ज्यादा न हो। उन्होंने धान बेचने पहुंचे किसानों से बातचीत की और धान खरीदी व्यवस्था के साथ ही टोकन व्यवस्था की जानकारी ली।

भिलाई स्टील प्लांट या सेक्टर 9 हॉस्पिटल का नहीं होगा निजीकरण, अफवाह से बचें भिलाइयंस

विधायक रिकेश ने बीएसपी निदेशक प्रभारी से मुलाकात कर कई विषयों पर सार्थक चर्चा की

भिलाईनगर/नवप्रदेश। वैशाली नगर क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने कहा है कि न तो सेक्टर-9 हास्पिटल का निजीकरण होगा, न बीएसपी का प्राइवेटाइजेशन किया जाएगा। भिलाई टाउनशिप में एक्सपांसन और लीज नवीनीकरण को लेकर अफवाह फैलाई जा रही है। भिलाइयंस इन अफवाहों से दूर रहें।

बीएसपी के निजीकरण और टाउनशिप को लेकर विभिन्न भ्रांतियों और अफवाहों पर विधायक रिकेश सेन ने विराम लगाते हुए कहा कि बीएसपी के डायरेक्टर इंचार्ज से सार्थक चर्चा के बाद स्थिति स्पष्ट हो गई। टाउनशिप में फैल रहे भ्रम को दूर करने मैनेजमेंट समय समय पर प्रेस रीलिज भी जारी करेगा, ताकि लोगों के बीच भ्रांतियां न पनपे। रिकेश ने बताया कि टाउनशिप में विद्युत पोल और सड़क किनारे लगे बेतरतीब बैनर पोस्टर भी हटाए जाएंगे। भविष्य में बिना अनुमति बैनर पोस्टर लगाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

भिलाई इस्पात संयंत्र में नई भर्ती, सेक्टर-9 हास्पिटल को पीजीआई जैसा मेडिकल कॉलेज बनाने, डिस्मेंटल आवासों, बीएसपी स्कूलों के रेनोवेशन, लीज नवीनीकरण और प्लांट एक्सपांसन से प्रभावित सेक्टर्स को लेकर बीएसपी निदेशक प्रभारी ने विधायक रिकेश सेन को जानकारी दी। बीएसपी मैनेजमेंट की आगामी योजनाओं की जानकारी भी विधायक को दी गई।

विधायक रिकेश ने आश्वस्त किया कि बीएसपी के निजीकरण की आशंका जताते हुए कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं जबकि केंद्र सरकार सेल बीएसपी के विस्तारीकरण पर कार्य कर रहा है। बुलेट ट्रेन की पटरियां भिलाई इस्पात संयंत्र में ही बनेंगी। एक्सपांसन के तहत टाउनशिप के सेक्टर-3 और सेक्टर-4 का आंशिक हिस्सा ही प्रभावित होगा। सेक्टर-6 के डिस्मेंटल आवासों को लेकर भी योजनाओं पर कार्य हो रहा है।

उन्होंने बताया कि भिलाई टाउनशिप में लगभग 10 हजार नये आवासों का निर्माण होना है। डिस्मेंटल बिल्डिंग के स्थान और खाली जमीन पर प्रधानमंत्री आवास निर्माण होना है। टाउनशिप के बाजार भी उजडने नहीं दिए जाएंगे। बीएसपी निदेशक प्रभारी ने स्पष्ट किया है कि दुकानों की सामान्य दर पर लीज बढ़ाने को लेकर दिल्ली में दो मीटिंग हो चुकी है। प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है। आवास लीज नवीनीकरण भी किया जाएगा इसलिए लीज पर दिए गए आवासों को लेकर जो भ्रांतियां टाउनशिप में फैली हैं, उस पर भी विराम लगा है।

निदेशक प्रभारी से हुई के बाद चर्चा सेन ने बताया कि बीएसपी स्कूलों का रेनोवेशन वर्क इसी शिक्षा सत्र से किया जाएगा। बंद स्कूलों पर भी मैनेजमेंट विचार कर रहा है। बीएसपी एक्सपांसन प्रोजेक्ट के तहत बहुत जल्द नई भर्तियां शुरू होंगी। सेन ने भिलाई के मैत्री गार्डन की ओर पर्यटकों के रूख को लेकर भी चर्चा की है।

उन्होंने मैत्री गार्डन को राज्य शासन को दिए जाने का प्रस्ताव बीएसपी सीईओ को दिया है। इससे राज्य सरकार मैत्री गार्डन और समीपस्थ क्षेत्रों को पर्यटन के रूप में विकसित करेगा। छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों के पर्यटकों का रूझान भिलाई की तरफ बढ़ेगा। विधायक सेन ने बताया कि सेल और बीएसपी मैनेजमेंट इसे पीजीआई जैसा मेडिकल कॉलेज बनाने की दिशा में बढ़ चुका है। इसलिए सेक्टर-9 हास्पिटल के प्राइवेटाइजेशन को लेकर जो आशंकाएं फैली हैं, वह सरासर ग़लत हैं।

जनजातीय गौरव दिवस : सांसद बघेल ने सीएम साय के संदेश का किया वाचन

■ जनजातीय समुदायों की परंपराओं में प्रकृति के प्रति गहरा सम्मान निहित : बोरा

■ भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर कला मंदिर ऑडिटोरियम में हुआ भव्य आयोजन

दुर्ग/नवप्रदेश। भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में आज भिलाई स्थित महात्मा गांधी कला मंदिर ऑडिटोरियम में श्रद्धा और उत्साह से मनाया गया। सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस समारोह में छ.ग. शासन के आदिम जाति विकास विभाग के सचिव व दुर्ग जिला प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा, विधायक वैशाली नगर रिकेश सेन, रिसाली महापौर शशि सिन्हा, योग आयोग अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा, पुरूषोत्तम देवांगन, एसके मरकाम, संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वनमण्डाधिकारी दीपेश कपिल सहित आदिवासी समाज के जनप्रतिनिधिगण, स्कूली बच्चे, शिक्षक, विभागीय अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर गुजरात से राष्ट्र को संबोधित किया, जिसको वर्चुअल माध्यम से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा भेजे गए जनजातीय गौरव दिवस के संदेश का वाचन किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सचिव आदिम जाति विकास विभाग व दुर्ग जिला प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलीहातू गांव में जन्मे आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती आज पूरे प्रदेश में मनाया जा रहा है। उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष किया और आदिवासियों को उनकी भूमि व अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित किया। मात्र 25 वर्ष की आयु में वे शहीद हो गए। भगवान बिरसा मुंडा ने न केवल सामाजिक और धार्मिक सुधारों पर कार्य किया बल्कि आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष का नेतृत्व किया।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद किया। उनके विद्रोहों और आंदोलनों के प्रभाव से ही छोटा नागपुर टेनेंसी एक्ट पारित हुआ, जिसने आदिवासियों की भूमि पर उनके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की। आदिवासी समाज प्रमुख एसके मरकाम, योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा, विधायक रिकेश सेन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

विश्वेशा ने गोल्ड मेडल हासिल कर बढ़ाया मान

■ श्रीश्री रविशंकर यूनिवर्सिटी कटक के दीक्षांत समारोह में मिला सम्मान

दुर्ग/नवप्रदेश। उड़ीसा के कटक शहर स्थित श्रीश्री रविशंकर यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर के सानिध्य में संपन्न हुआ। आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट के इंटीरियर डिजाइन कोर्स में दुर्ग जिले के ग्राम कोलिहापुरी की छात्रा कु. विश्वेशा हरमुख ने स्वर्ण पदक हासिल कर छत्तीसगढ़ का नाम रौशन किया। रजत पदक छत्तीसगढ़ के अम्बिकापुर से श्रेया मित्तल ने हासिल किया। कांस्य पदक भुवनेश्वर की सुनयना पुजारी को मिला। स्वर्ण पदक प्राप्त छात्रा विश्वेशा हरमुख कांग्रेस नेता केशव बंटी हरमुख की सुपुत्री है। विश्वेशा हरमुख ने अपने विषय में पूरे विश्वविद्यालय में टॉप कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि हासिल करने में शिक्षिका सुप्रीति दास, रुपाली शाह, शिक्षक बिभूप्रकाश शाह, देबाशीष दास व अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं का विश्वेशा हरमुख को मार्गदर्शन मिला। सफल छात्रों को उनकी उपलब्धि के लिए पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू , जिला पंचायत सदस्य आशा विक्की मिश्रा, जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, पूर्व उपाध्यक्ष व वर्तमान जनपद सदस्य झमित गायकवाड़, महापौर शशि सिन्हा, युकां अध्यक्ष जयंत देशमुख, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, नंदकुमार सेन, उतई के पूर्व नपं अध्यक्ष डिकेन्द्र हिरवानी, सहकारिता कांग्रेस अध्यक्ष रिवेंद्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप चंद्राकर,पूर्व जिपं सभापति योगिता चंद्राकर, लक्ष्मी साहू, दिवाकर गायकवाड़, पिलेश्वर साहू, रूपेश देशमुख, नंदकुमार साहू, दिल्लीवार कुर्मी समाज अध्यक्ष योगेंद्र बेलचंदन,ललित, दिलीप देशमुख, यशवंत दिल्लीवार, चंद्रिका, प्रीति देशमुख ने बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

देल्ही वर्ल्ड पब्लिक स्कूल चरोदा-भिलाई में स्किल मेला

चरोदा/नवप्रदेश। देल्ही वर्ल्ड पब्लिक स्कूल चरौदा, भिलाई में स्किल डेवलपमेंट फेयर 2025 का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य शिशिर प्रकाश व चेयरपर्सन गुरबक्श छाबड़ा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर संचालक पीडी शर्मा भी उपस्थित रहे। मेले का उद्देश्य 21 वीं सदी की स्किल्स को विद्यार्थियों में विकसित करना और उनके सर्वांगीण विकास हेतु एक आदर्श मंच प्रस्तुत करना रहा। कार्यक्रम में सभी विषयों से संबंधित गतिविधियों व शैक्षणिक मॉडल्स का अभिनव प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों ने आधुनिक शिक्षा, नवाचार, और भारतीय मूल्यों के समावेश के साथ किया गया।

इस दौरान स्किल डेवलपमेंट फेयर में विज्ञान, गणित, अंग्रेज़ी, समाजशास्त्र, कला, भाषा, वाणिज्य से जुड़ी व्यावहारिक गतिविधियों के प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने क्रिटिकल थिंकिंग, प्रॉब्लम सॉल्विंग, रचनात्मकता, डिजिटल टूल्स व 21 वीं सदी की स्किल्स पर आधारित मॉडल्स और प्रेजेंटेशन दिए। स्कूल का लक्ष्य विद्यार्थियों को न केवल ज्ञान में उत्कृष्ट बनाना है, बल्कि उन्हें मूल्यनिष्ठ, संवेदनशील व जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करना भी है।

शिशिर प्रकाश ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उनके सीखने की प्रक्रिया जीवनोपयोगी बनती है। गुरबक्श छाबड़ा ने शिक्षा में नवाचार और स्किल डेवेलपमेंट पर बल देते हुए कहा कि दिल्ली वर्ल्ड फाउंडेशन का प्रयास आधुनिकता के साथ-साथ परंपराओं व मूल्यों को भी नई पीढ़ी में रोपित करना है। फेयर में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने हिस्सा लेते हुए अपनी अध्ययनशीलता एवं नवाचार क्षमता का प्रदर्शन किया। स्कूल परिसर में कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा, समावेशिता और उत्कृष्टता सुनिश्चित की गई।

स्किल डेवलपमेंट फेयर विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय रहा, जिसमें विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों व अतिथियों ने भी सक्रिय सहभागिता दी। कार्यक्रम ने शिक्षा के आधुनिक मापदंडों के अनुरूप विद्यार्थियों को कौशल आधारित शिक्षा व नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त मंच प्रदान किया। देल्ही वर्ल्ड पब्लिक स्कूल चरौदा, भिलाई में 21 वीं सदी की स्किल्स पर आधारित स्किल डेवलपमेंट फेयर 2025 का सफल आयोजन प्राचार्य शिशिर प्रकाश और संचालक गुरबक्श छाबड़ा के नेतृत्व में किया गया। सभी विषयों के विद्यार्थियों ने विविध एक्टिविटीज एवं मॉडल्स का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभाओं से उपस्थितजनों को प्रभावित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नवाचार व समग्र विकास को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पालकों की सहभागिता और सकारात्मक विचारों ने बच्चों को उत्साहित किया।

समारोह... शैक्षणिक, बौद्धिक, शारीरिक व रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहें विद्यार्थी : मंत्री गजेन्द्र

मैत्री विद्या निकेतन में 37वां वार्षिक उत्सव नवरंग का भव्य आयोजन

भिलाई/नवप्रदेश। मैत्री विद्या निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रिसाली में 37 वाँ वार्षिक उत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह नवरंग 2025 मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा मंत्री, ग्रामोद्योग मंत्री तथा विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेंद्र यादव उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में केके मोदी विश्वविद्यालय, दुर्ग की उपकुलपति डॉ. मोनिका शर्मा शामिल हुईं। बोरसी के पार्षद व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष साजन जोसेफ विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संस्था के प्रबंधक एस सजीव सुधाकरन ने स्वागत भाषण दिया। विद्यालय की

प्रबंधक व प्राचार्या डॉ. सजीता थंबी ने विद्यालय की उपलब्धियों, शैक्षणिक प्रगति और वर्ष भर की गतिविधियों पर आधारित वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को फाउंडर प्रेसिडेंट छात्रवृत्ति दी गई। आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्व गंगाधरन और स्व भास्करन की स्मृति में कुल 12 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं। मुख्य अतिथियों द्वारा विद्यालय की वार्षिक पत्रिका मैत्री का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि गजेंद्र यादव ने विद्यार्थियों से केवल अंक-आधारित अध्ययन तक सीमित न रहकर, शैक्षणिक, बौद्धिक, शारीरिक व रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहने और सोशल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखारने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि डॉ. मोनिका शर्मा ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और नैतिक मूल्यों का विकास करता है। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। प्री-प्राइमरी के बच्चों ने परिवार की महत्ता और कल्पना लोक पर मनोहारी नृत्य प्रस्तुत किए। प्राथमिक वर्ग के विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण जैसे विषयों के साथ ही शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। माध्यमिक वर्ग के विद्यार्थियों ने शिव वंदना और छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य से मंत्रमुग्ध कर दिया। हायर सेकेंडरी के विद्यार्थियों की नारी शक्ति और विविधता में एकता पर आधारित विशेष आकर्षण रही। उपस्थित अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। संस्था की अध्यक्षा राजम सुधाकरण, प्रबंधकद्वय एस. सजीव और एस. साजन, उपप्राचार्या डॉ बीना सजीव, प्रधानाध्यापिका निशी साजन, मैत्री विद्या निकेतन पाटन की प्राचार्या अंबाली, भिलाई मैत्री कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सुरेखा पाटिल सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बीना सजीव, श्रीलता धावला, किरण टाटिया, प्राची साहू, अनिर्बान मुखर्जी, जया साहू, आकांक्षा, सोनाक्षी चौबे और शिवांश सिंह अग्रवाल ने किया। आभार प्रदर्शन प्रधानाध्यापिका निशी साजन ने किया।

फाइनल मैच में केपीएस बना चैम्पियन

कुम्हारी/नवप्रदेश। टर्मिनेटर इंटरनेशनल क्रिकेट एकेडमी के तत्वाधान में आयोजित टर्मिनेटर विप्रा स्कूल चैंपियंस ट्रॉफी-5 का आज फ़ाइनल मैच खेला गया। मैच में कृष्णा पब्लिक स्कूल भिलाई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 208 रन बनाए। देवांश ने शानदार 87 रन बनाए और यशराज सिंग ने 53 रनों की पारी खेली। गुरुनानक पब्लिक स्कूल रायपुर से गेंदबाजी करते हुए विवेक जोशी ने 4 विकेट लिए। गुरुनानक पब्लिक स्कूल की टीम 13 ओवर में 91 रन ही बना पाई। गुरुनानक पब्लिक स्कूल से आदित्य यादव ने 21 रनों की पारी खेली। कृष्णा पब्लिक स्कूल की टीम से यशराज सिंग ने 5 विकेट लिए। कृष्णा पब्लिक स्कूल की

टीम ने यह मैच 117 रनो से जीतकर प्रतियोगिता का ख़िताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच यशराज रहे। प्रतियोगिता के बेस्ट बैट्समैन देवांश पाटिल, बेस्ट बॉलर यशराज बेस्ट फील्डर यशराज, बेस्ट विकेट कीपर दिव्यांशु बने। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डोमन लाल कोर्सेवाड़ा विधायक अहिवारा थे। अध्यक्षता भाजपा के प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा ने की। विशेष अतिथि मीना वर्मा अध्यक्ष नपा कुम्हारी, ज्ञानेश शर्मा पूर्व योग आयोग अध्यक्ष, राकेश पाण्डे वरिष्ठ भाजपा नेता, प्रशांत श्रीवास्तव पूर्व खेल एवं युवा आयोग सदस्य थे। प्रतियोगिता के समापन समारोह में टर्मिनेटर इंटरनैशनल क्रिकेट एकेडमी के संचालक और एन.आई.एस. क्रिकेट कोच डॉ. शबाब कुरैशी ने आभार व्यक्त किया। संचालन जमशेद अख्तर ने किया।

■ न्यूज गैलरी

जनपद अध्यक्ष अंगिरा ध्रुव की अध्यक्षता में जीवन दीप समिति की बैठक सम्पन्न

धमतरी/नवप्रदेश। जीवन दीप समिति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंडेल कार्यकारणी सभा एवं साधारण सभा की बैठक जनपद अध्यक्ष अंगिरा ध्रुव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जीवन दीप समिति कंडेल के सदस्यों की सहमति से विभिन्न कार्य एवं क्रय कराने की स्वीकृति प्राप्त हुई । साथ ही साथ अस्पताल आने वाले मरीजों के अच्छे इलाज की सुविधा की बात रखी गई । स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने, मरीजों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा केंद्र की दैनिक कार्यप्रणाली को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा की गई। उक्त बैठक में सचिव डॉ ए जे खान खंड चिकित्सा अधिकारी गुजरा, श्री केशव साहू उपाध्यक्ष जनपद पंचायत धमतरी, जनपद सदस्य दिनेश्वरी साहू, श्री गिरधर सार्वा सरपंच ग्रामपंचायत कंडेल , श्री कृष्ण कुमार मरकाम विधायक प्रतिनिधि, श्री रोशन जी, हीरा लाल कुर्रे प्रभारी चिकित्सक , श्री मति स्वेता परमार ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर श्री शंभू रजक ब्लाक एकाउंटेंट एवं सोमेश साहू पी ए डी ए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंडेल में उपस्थित रहे।

गौरव दिवस पर जनपद पंचायत बागबाहरा में जनजातीय नायकों को दी श्रद्धांजलि

बागबाहरा/नवप्रदेश। जनपद पंचायत बागबाहरा में बुधवार को जनजातीय गौरव दिवस का शानदार और गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष केशव चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि उपाध्यक्ष तरुण व्यवहार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशेष अतिथि के रूप में महिला बाल विकास विभाग की सभापति मधुलिका चंद्राकर, भूमिका रामलाल सिन्हा, भूपेंद्र दीवान और भगवती राजकुमार ठाकुर मंचासीन रहे।दिवस की शुरुआत धरतीपुत्र बिरसा मुंडा, वीरनारायण और गुण्डाधुर के पूजन-वंदन से की गई। जनजातीय समाज के इन महान नायकों के शौर्य, उनके बलिदान और समाज उत्थान के योगदान को याद करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

खेल-खेल में शिक्षा ही सीखने का सबसे बेहतरीन तरीका होता है

■ **एफएल एन मेला में 48 स्टॉल लगाकर बच्चों का किया गया आंकलन**

नगरी/नवप्रदेश। राज्य शैक्षिक एवं अनुसंधान परिषद छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार राज्य के सभी प्राथमिक विद्यालयों में 14 नवंबर को एफएल एन मेला का आयोजन किया गया। नई शिक्षा नीति के निपुण भारत अभियान के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एफ एल एन मेला का आयोजन किया किया गया जिसमें विभिन्न अवधारणाओं के द्वारा बच्चों का बच्चों के द्वारा आंकलन किया गया।नगरी संकुल के इस मेले में भाषा, गणित, अंग्रेजी और बालवाड़ी के 48 स्टाल लगाए गए थे। अवधारणा स्टाल का संचालन विद्यालय के बच्चों ने किया और सभी बच्चे विभिन्न स्टाल पर जाकर गतिविधियां किया। सभी प्राथमिक शिक्षकों को लगभग 48 तरह के स्टाल के बारे में आनलाइन प्रशिक्षण देकर एफएल एन मेला की तैयारियां करवाई गई थी।मेले में विद्यार्थियों के आंकलन के बाद कमजोर बच्चों का चिन्हांकन कर उपचारात्मक शिक्षण देकर उनका अधिगम स्तर बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।नगर पंचायत नगरी के प्राथ.शाला दुर्गा चौक,बाँधापारा,चुरियारापारा,जंगलपारा,कोटपारा,राईसमिल पारा के सम्मिलित नेतृत्व में यह मेला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा,उपाध्यक्ष विकास बोहरा,एवं समस्त पार्षद नगर पंचायत नगरी के उपस्थिति में हुआ। नगर पंचायत अध्यक्ष,उपाध्यक्ष समेत सभी पार्षदों ने स्टॉल विजिट कर बच्चों के अवधारणा से रूबरू हुए। एफ एल एन जिला प्रशिक्षण प्रभारी कैलाश सोन ने बताया कि करके देखबो,सीख के रहिबो थीम पर आधारित यह एफ एल एन मेला बच्चों के आंकलन का बहुत ही सरल और रोचक तरीका है।विद्यार्थियों का खेल और गतिविधि के माध्यम से हिंदी,अंग्रेजी,गणित जैसे विषय में बहुत ही सरल तरीके से बिना शिक्षक के विद्यार्थियों के द्वारा ही आंकलन किया जाता है। डाइट नगरी प्राचार्य प्रकाश राय एवं एफ एल एन प्रभारी श्रीमती संगीता रणघाटी ने बताया कि पूरे जिले के 873 प्राथमिक विद्यालयों में एफएल एन मेला का आयोजन किया गया,जिसकी तैयारी हमारे जिले के शिक्षकों ने पूर्व से ही कर लिए थे।चारो विकासखंड में अधिकारियों के द्वारा उक्त मेले का मोनिटरिंग किया गया। हमारे जिले के सभी विद्यालयों के बच्चे,शिक्षक,शाला प्रबंधन समिति के सदस्य एवं पालकों ने बढ़चढ़ कर भाग लिए।कार्यक्रम में लोचन साहू,उमेश सोम,हुलास सूर्याकर,दीपनारायण दुबे,चमन साहू,जस साहू,मेनका सोम,विद्यावती सोम,अफसाना बेगम,किरणलता शांडिल्य,हेमलता निर्मलकर,जे.के.सोनी,यसवंतीनअग्रवाणी,पूर्णिमा साहू,नीतू गुप्ता,ऋतु बघेल,वंदना सोनी,अरुणा चौहान,रेवती साहू,देवंतीन ध्रुव,निरूपा लाहौरिया,खिरभान नेताम,कमला समुंद,जागेश्वर सोनबेर,ईश्वरी नेताम,फलेन्द्री निषाद,फुलबती साहू,झलप नाग,रंभबाई बिसेन आदि का सहयोग रहा।

गरियाबंद पुलिस द्वारा दो अलग-अलग प्रकरणों में

47.958 किलो ग्राम गांजा के साथ 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

■ **अवैध गांजा, 02 चार पहिया वाहन व 04 नग मोबाइल, कीमत 10 लाख 47 हजार 480 रुपए को पुलिस ने किया जब्त**

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अवैध गांजा, हीरा के साथ वन्य जीवों के तस्करी पर रोकथाम एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देषित किया गया था। दिये गये निर्देष के परिपालन में समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्रातंर्गत मुखबिर एवं थाना पेट्रोलिंग को सक्रिय किया गया था। दिनांक 14.11.2025 को थाना प्रभारी छुरा को मुखबिर से सूचना मिला कि एक सफेद रंग के तवेरा चार पहिया वाहन क्रंमाक सी0जी0 07 एम 4128 में दो व्यक्ति ओड़िसा से ग्राम कोसमी छुरा की ओर जा रहे है। जिसकी सूचना मिलने पर थाना एवं सायबर सेल से टीम गठित कर ग्राम पीपराही मोड़ के पासे पहुँचकर घेराबंदी किया गया। मुखबिर के बताये अनुसार एक सफेद रंग का तवेरा चार पहिया वाहन आते दिखा जिसमें दो व्यक्ति बैठे थे। जिसे नाकाबंदी कर गाडी को रोकवाकर दोनो संदेहीयो का नाम पता पुछने पर अपना नाम 01.राजू रजक उर्फ झगर पिता राममूरत रजक उम्र 45 वर्ष, निवासी पुरानी बस्ती वार्ड नम्बर 13 कोहमा, थाना स्मृति नगर, जिला दुर्ग छ0ग0 02. दिलीप साहू पिता षिवराम साहू उम्र 45 वर्ष, निवासी गदाचैक सुपेला वार्ड नम्बर 10, थाना सुपेला, जिला दुर्ग छ0ग0 बताया। चार पहिया वाहन तवेरा का विधिवत तलाषी बाद आरोपीयान के संयुक्त कब्जे से बरामद छोटे बड़े भूरे रंग से लिपटा हुआ कुल 38 पैकेट मादक पदार्थ गांजा वजन 29 किलो 408 ग्राम किमती 2,94,080 रूपये बरामद किया गया। उक्त गांजा के साथ घटना में प्रयुक्त एक सफेद रंग का चार पहिया तवेरा वाहन क्रमांक सी0जी0 07 एम 4128 किमती 2,50,000 रू. दो मोबाइल कीमती 4200 रूपये व नगदी रकम 1200 रूपया। कुल जुमला कीमती 5,49,480 रूपया को समक्ष गवाहन के कब्जा पुलिस लिया गया। मादक पदार्थ गांजा के खरीदी बिक्री के संबंध में आरोपी राजू रजक एवं दिलीप साहू से पुछताछ करने पर उक्त मादक पदार्थ गांजा को ओडिसा से खरीद कर दुर्ग में बेचना बताए। प्रकरण में संलिप्त आरोपियों की पतासाजी जारी है। जिसके विरूद्ध पृथक से एण्ड टू एण्ड कार्यवाही की जाएगी। आरोपियों का कृत्य अपराध धारा 20(बी) नारकोटिक एक्ट का अपराध घटित करना पाये जाने थाना छुरा में अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार का न्यायिक हिरासत में भेजी जाती है।

इस क्रम में दिनांक 14.11.2025 को थाना फिंगेश्वर के द्वारा मेन गेट के सामने संदिग्ध वाहनों का चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान कार सीजी 04 बी 0831 को रोककर पुछताछ करने पर वाहन क्रमांक सीजी 04 बी 0831 का चालक अपना नाम छम्मन साहू पिता परशु राम साहू उम्र 32 वर्ष साकिन सोनासिल्ली थाना गोबरा नयापारा जिला रायपुर छ0ग0 व कार के ड्रायवर सीट के बगल मे बैठे व्यक्ति अपना नाम किशन निषाद पिता खोरबाहरा निषाद उम्र 43 साकिन वार्ड नं0 11 शिवपारा भिलाई थाना सुपेला जिला दुर्ग के रहने वाले बताये दोनो संदेहियो से पूछताछ कर उनके चार पहिया वाहन का तलाशी लेने पर एक सफेद रंग के प्लास्टिक बोरी के अंदर 31 पैकेट भुरे रंग के सेलो टेप से लिपटा हुआ कुल वजन 18.550 किलो ग्राम किमती 2,78000 रूपये एंव घटना मे प्रयुक्त चार पहिया वाहन क्रमांक सीजी 04 बी 0831 किमती 2,00,000 रूपये व दो नग मोबाइल किमती 20,000 रूपये कुल जुमला किमती 4,98,000 रूपये को दोनो आरोपीयों के कब्जे से गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया।

पीआईसी में लौहपुरुष पटेल की प्रतिमा लगाने और घड़ी चौक बनाने का लिया निर्णय

■ **विष्णु के सुशासन और अजय के विकास रथ को निरंतर गति देंगे : ज्योति**

कुरुद/नवप्रदेश। नगर पालिका कुरूद अध्यक्ष कक्ष में नगरपालिका बनने के बाद द्वितीय पी.आई.सी. बैठक संपन्न हुई। अध्यक्ष महोदया ज्योति भानु चन्द्राकर के अध्यक्षता मे 13 बिंदुओं वाली नगर विकास के एजेण्डा एवं अन्य विषय मे विकास कार्यो के लिए पालिका निधि से नगर को सुंदर बनाने एवं व्यवस्थित कुरूद बनाने संबंधी जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, बैठक मे उपाध्यक्ष सहित सभी सभापतिगण बैठक में सम्मिलित होकर नगर विकास के लिए सर्व सम्मति से निर्णय लिए गए।

बैठक में मुख्य रूप से न पा अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर ने सभी कुरूद नगरवासियों को बधाई देते हुए कहा कुरूद नगर में विष्णु के सुशासन और अजय के विकास रथ को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए हम सब तेज गति से काम करते रहेंगे।अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर के विशेष पहल पर बायपास सिरसा चौक के चौराहे पर आकर्षक छोटा नगर घड़ी चौक सहित भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी के प्रतिमा लगाने का निर्णय किया गया, इसी प्रकार सांधा चौक से लेकर कारगिल चौक और बायपास मेघा रोड तक पेड़ों के चबूतरो मे मरम्मत-पेंटिंग कार्य, रोड डिवाइडरो मे मरम्मत- पेंटिग कार्य और शासकीय दीवारों में पेंटिंग कार्य, मेन रोड के सभी प्रसाधनो को सर्व सुविधा युक्त बनाने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये। इसके साथ ही अध्यक्ष निधी से अब्दुल कलाम गार्डन को आकर्षक और सुंदर परिसर बनाने का निर्णय लिया गया। और कुरूद नगर की यातायात सुविधा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर के सभी चौक चौराहों में ट्रैफिक रोड डिवाइडर ख़रीदने के लिए निर्णय किया गया।

जनजातीय गौरव : सर्व आदिवासी समाज तहसील नगरी ने मनाई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

नगरी/नवप्रदेश। सर्व आदिवासी समाज तहसील नगरी में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस भगवान बिरसा मुंडा जयंती मनाई गई । समाज प्रमुखों के द्वारा समाज को दिशा निर्देश करते हुए अपनी बात रखी गई । तत्पश्चात सर्व आदिवासी समाज तहसील नगरी द्वारा श्री मान जिलाधीश महोदय जी के नाम से नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया , की 11 नवंबर को एकलव्य आवासीय विद्यालय पथर्रीडीही में आदिवासी छात्र हिमांशु नेताम ग्राम भालूचुवा निवासी के द्वारा 11 नवम्बर 2025 को विद्यालय परिसर में आत्महत्या हुई, यह विद्यालय प्रशासन की लापरवाही और विद्यार्थीयों के सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीतला का परिणाम है, छात्रो की सुरक्षा एवं मानसिक स्वास्थ हेतू स्थायी निगरानी समिति गठित की जाएं एकलव्य विद्यालयों में स्थानीय आदिवासी युवाओं की नियुक्ति को प्राथमिकता दी जाय।

अतः शासन प्रशासन से निवेदन है कि यह आत्महत्या की उच्चस्तरीय जांच कराकर, प्राचार्य, वार्डन एवं संबधित शिक्षक जो दोषि हो उस पर कठोर कार्यवाही किया जाय और भविष्य में इस प्रकार की घटना का पुनर्रावृत्ति न हो इसका भी ध्यान रखा जाय, उचित कार्यवाही नही होने पर सर्व आदिवासी समाज द्वारा उग्र आंदोलन किया जायेगा । साथ ही शासन प्रशासन से 7 सूत्रीय मांगों के साथ महामहिम राष्ट्रपति के नाम से नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया

ग्राम मांढर के आत्मनिर्भर संकल्प भारत की बैठक में विधायक अनुज शर्मा व मोतीलाल साहू मुख्य वक्ता के रूप शामिल हुए

■ **आत्मनिर्भर भारत-यह देश को अपने पैरों पर खड़ा करने वाला संकल्प है : अनुज**

धरसीवां/नवप्रदेश। आज धरसींवा विधानसभा के ग्राम मांढर में विधानसभा स्तरीय आत्मनिर्भर संकल्प भारत बैठक आयोजित किया गया जिसमें धरसींवा विधायक अनुज शर्मा व मोतीलाल साहू मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए और कार्यकर्ताओं और जनता के बीच नई ऊर्जा का संचार किया।

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत एक ऐसा विचार है जो भारत को आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से स्वावलंबी बनाने का संकल्प है। आत्मनिर्भरता का अर्थ है कि एक राष्ट्र अपनी आवश्यकताओं को स्वयं पूरा करने में सक्षम हो और बाहरी सहायता पर निर्भर न रहते हुए अवश्यकतानुसार राष्ट्र के माँगो को पूरा कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधता से भरे देश के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हम अपनी जरूरतों को स्वयं पूरा करने का प्रयास करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत की थी। इसका मुख्य उद्देश्य था देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, ताकि भविष्य में किसी भी संकट का सामना किया जा सके। इस अभियान के अंतर्गत सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार लाने के लिए कई नीतिगत निर्णय लेकर कई योजनाओं को प्रारंभ किया गया हैं। कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्षा और उद्योग के क्षेत्र में विशेष रूप से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह अभियान 'लोकल फॉर वोकल' को भी प्रोत्साहित करता है, जिसका तात्पर्य है कि हमें देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें वैश्विक बाजार में अलग पहचान देना।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने स्पष्ट किया है कि भारत जब आत्मनिर्भरता की बात करता है, तो आत्मकेंद्रित व्यवस्था की वकालत नहीं करता, बल्कि दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए उसकी मदद करना चाहता है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी का संकल्प हैं की 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का7 इस संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है7

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा , मोतीलाल साहू ,जिला एवं जनपद सदस्य, मंडल अध्यक्ष, युवा मोर्चा सहित सम्माननीय जन उपस्थित रहे।

नवविवाहिता पहुंची थाने, ससुराल वालों पर लगाई प्रताड़ना और परेशान करने के आरोप

■ **पति और सास-ससुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज**

राजिम/नवप्रदेश। राजिम क्षेत्र में एक नवविवाहिता ने अपने पति और सास-ससुर के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच में जुट गई है।

दरअसल, ग्राम परसदाजोशी निवासी पीड़िता मंजू उर्फसोनिया निषाद (24 वर्ष) ने अपनी शिकायत में बताया कि उसकी शादी फरवरी 2025 में सामाजिक रीति-रिवाजों के साथ रेखू राम निषाद से हुई थी। शादी के बाद से ही उसका पति, सास ढेलाबाई निषाद और ससुर नाथू निषाद कम दहेज लाने को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगे।

11 नवंबर की रात घटी घटना

पीड़िता के अनुसार ससुराल वाले उसे रोजाना मायके से दहेज नहीं लाई हो कहकर प्रताड़ित करते थे और घरेलू काम-काज को लेकर ताने मारते थे। पीड़िता ने बताया कि 11 नवंबर 2025 की रात करीब 10.30 बजे वह अपने पति को बुलाने दूसरे कमरे में गई, तब उसके पति ने उससे गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान सास और ससुर भी वहां पहुंच गए और उन्होंने भी गाली-गलौज कर उसे धक्का-मुक्की की।

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान पति और ससुर ने उसका गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की, जिससे उसके गले, हाथ और पीठ में चोट लगी। घटना के बाद उसने तुरंत अपने मायके फोन कर घटना की जानकारी दी। परिवार की सलाह पर वह अगले दिन 12 नवंबर 2025 को अपने माता-पिता के साथ थाना राजिम पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी पति रेखू राम निषाद, सास ढेलाबाई निषाद और ससुर नाथू निषाद के खिलाफ धारा 85, 296, 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पीड़िता ने आरोपियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शरारती तत्वों ने आधार केन्द्र का लैपटॉप किया क्षतिग्रस्त

महासमुंद/नवप्रदेश। तहसील कार्यालय परिसर में शरारती तत्वों ने आधार केन्द्र में रखे लैपटॉप को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। सिटी कोतवाली में इसकी लिखित शिकायत की गई है। मिली जानकारी के अनुसार तहसील कार्यालय में संचालित आधार केन्द्र में कार्यरत विकास कुमार साहू ने सिटी कोतवाली पुलिस में शिकायत की है कि, 8 नवंबर की शाम आधार केन्द्र बंद करने से पहले केन्द्र का लैपटॉप को बैग में रखा और लकड़ी का बक्से के अंदर रखकर ताला लगाकर चाबी को ऑफिस में टेबल के दराज में रख दिया। और घर चला गया। रविवार अवकाश होने के कारण 10 नवंबर की सुबह कार्यालय समय पर काम पर आया तो लैपटॉप चालू करना चाहा तो चालू नहीं हुआ। जिसे कम्प्यूटर बनाने वालों को दिखाया तो उन्होंने अंदर से क्षतिग्रस्त होना बताया। विकास ने पुलिस को बताया कि सीसीटीवी कैमरे में खिड़की के रास्ते दो लोगों को अंदर आते देखा गया है।

पुल निर्माण मांग को लेकर सैंकड़ों ग्रामीण,स्कूली बच्चों ने नेशनल हाईवे में किया चक्काजाम

■ **शहर से 4 किलोमीटर की दूरी को 15 किलोमीटर घूमकर जाने को मजबूर**

■ **इलाज के लिए अस्पताल और स्कूल जाने वाले को अधिक परेशानी**

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले के बसना ब्लॉक के 7 गांव के आक्रोशित सैंकड़ों ग्रामीणों ने कुड़ेकेल में पुल निर्माण की मांग को लेकर आज नेशनल हाईवे 53 पर चक्का जाम कर दिया। जिससे हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी रही। ढ़ाई घंटे नेशनल हाईवे पर आवागमन बाधित रहा। प्रशासन की ओर से नायब तहसीलदार के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने चक्का जाम समाप्त किया।बसना में शनिवार को ग्राम कुड़ेकेल, परसकोल, बिछिया, पोटापारा, मूढ़पाहर, जमड़ी, अरेकेल के महिला - पुरूष समेत बच्चों ने कुड़ेकेल में जर्जर हो चुके पुल निर्माण की मांग को लेकर नेशनल हाईवे 53 पर धरना देकर बैठ गए। ओर जमकर नारेबाजी करते रहे। जिससे नेशनल हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी रहीं। करीब ढ़ाई घंटे तक ग्रामीण नेशनल हाईवे पर डटे रहा। ग्रामीणों की मांग है कि कुड़ेकेल पुल का निर्माण किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि 2005 में बनाया गया।

कुड़ेकेल पुल घटिया निर्माण के कारण पूरी तरह जर्जर हो चुका है और 2021 से इसे बंद कर दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है शहर से गांव की दूरी करीब 4 किलोमीटर होता और घूम कर जाने पर वही दूरी 10 से 15 किलोमीटर घूमकर शहर आना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना विधानसभा चुनाव के दौरान गांव वालों ने चुनाव का बहिष्कार किया था लेकिन प्रशासन आश्वस्त किया था कि चुनाव के बाद पुल का निर्माण किया जाएगा। लेकिन चुनाव के दो साल बाद भी पुल का निर्माण नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबी दूरी घूमकर जाने में सब से अधिक परेशानी छात्रों और बुजुर्गों को होती है। बीमार लोगों को अस्पताल जाने में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

न्यूज गैलरी

कृषि विभाग ने क्षेत्र के किसानों को किया सरसों बीज का वितरण

लखनपुर/नवप्रदेश। जिले के लखनपुर कृषि विभाग कार्यालय में National mission on edible oil (राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन) योजना अंतर्गत निशुल्क सरसों बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कृषि विभाग लखनपुर द्वारा क्षेत्र के 55 किसानों को निशुल्क सरसों बीज वितरण किया गया। बीज वितरण कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि विक्रम सिंह,भज्जू सिंह, कामेंदर राजवाड़े, सुरेश सिंह, प्रेम सिंह, लक्ष्मण सिंह, चेतन राजवाड़े, गीतेश सिंह एवं वरिष्ठ कृषि विभाग अधिकारी विनायक पांडे, लखन राजवाड़े, कृष्णा मराबी कमल सिंह पोर्ते एवम समस्त किसान थे।

शिविर में 54 लोगों के स्वास्थ्य व मधुमेह की जांच की

मुंगेली/नवप्रदेश। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पदमपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर लोगो को मधुमेह से बचने के लिए गुर बताकर उन्हें जागरूक किया गया। शिविर में 54 लोगों के स्वास्थ्य व मधुमेह की जांच की गई। 8 मरीज मधुमेह से पीड़ित पाये गये। जिनमें से एक मरीज उच्च रक्त शुगर 440 मिलीग्राम परडेसी लीटर पाया गया। जिन्हें ईलाज के लिए जिला अस्पताल मुंगेली रिफर किया गया। शेष 7 लोगो को निःशुल्क दवाईयां देकर मधुमेह से बचने के उपाय बताये गये। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष बंजारा, सीमा पहारी, सुनीता मिरी, जलेश्वरी मिरी, मोनिका जांगड़े, सुधा त्रिवेणी, किशोर, रितेश मसीह, संतोष उपस्थित रहे।

किसानों को वैज्ञानिक तिलहन खेती के गुर सिखाए

मुंगेली/नवप्रदेश। शासन द्वारा तिलहन फसलों के रकबे, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के उद्देश्य से संचालित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के विशेष तिलहन घटक अंतर्गत किसानों को वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, मुंगेली द्वारा ग्राम करही में सरसों की उन्नत किस्म डीआरएमआर 2017-15 (राधिका) पर समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत किसानों को उन्नत किस्म के बीज वितरित किए गए तथा सरसों की वैज्ञानिक खेती से जुड़े सभी पहलुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। वहीं विषय वस्तु विशेषज्ञ एसके लहरे ने मिट्टी परीक्षण के लाभ, बुवाई समय, बीज दर, बुवाई की विधि, उर्वरक प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्था, निंदाई-गुड़ाई, प्रमुख कीट एवं रोगों की पहचान और नियंत्रण उपायों पर विस्तृत जानकारी साझा की।

वैकल्पिक व्यवस्था के बावजूद किसान भटकने को मजबूर

धान खरीदी के पहले दिन ज्यादातर समितियों में पसरा सन्नाटा, लटके दिखे ताले

मुंगेली/नवप्रदेश। 15 नवंबर को प्रदेश में धान खरीदी की शुरूवात होते ही किसानो के चहरे में खुशियां आने लगी है।किंतु खरीदी प्रभारियों और आपरेटरो के हडताल ने प्रशासन के सामने चुनौतियों का अंबार लगा दिया है। बीते वर्ष जिनके हाथो में निगरानी की जिम्मेदारी दी गई थी उन्हे इस बार प्रभारियों की जिम्मेदारी सौप दी गई है, जिसके चलते खरीदी प्रभावित होने की आशंका बरकरार है। जिसका उदाहरण पहले ही दिन देखने को मिला जहां मुख्यालय के केन्द्रो में विरानी छाई रही वही दुसरी ओर सुदूर अंचलो में खरीदी प्रारंभ कर जिले में धान खरीदी की औपचारिक रूप से शुरूवात हुई ।गौरतलब हो कि सरकार द्वारा पुरे प्रदेश में 15 नवंबर से 31 जनवरी तक समर्थन मूल्य में घान की खरीदी की जाती है। जिसके लिए प्रशासन द्वारा अक्टूबर माह के अंत से प्रारंभिक तैयारियां करना प्रारंभ हो जाती है। किंतु इस बार खरीदी प्रारंभ होने के पहले पटवारियों की हडताल हो गई जिसके चलते किसानों को अपने दस्तावों के लिए भटकना पडा उनके कार्य में वापसी के बाद खरीदी प्रभारियों और आपरेटरो ने हडताल प्रारंभ कर दी, जिसके चलते प्रशासन द्वारा कृषि विभाग के कर्मचारियों को धान खरीदी की जिम्मेदारी सौपी गई किंतु विभाग के अधिकारी कमर्चारियों द्वारा उक्त कार्य हेतु असमर्थता जताते हुए जिला मुख्यालय पहुच ज्ञापन सौपा गया था। धान खरीदी केन्द्र में आपरेटर और खरीदी प्रभारी के हडताल में होने के कारण जिला स्तर के अधिकारियों को ही प्रभारी बतौर तैनात किया जा रहा है। वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में गीधा एवं धरमपुरा समिति उपार्जन केंद्र में सहायक खाद्य अधिकारी सुश्री ज्योति मिश्रा को उपार्जन प्रभारी एवं कम्प्युटर ऑपरेटर के रूप में खाद्य विभाग के ही सलीम अनंत की तैनाती की गई है, टेढाधौरा/भालापुर समिति/उपार्जन केंद्र में जिला विपणन अधिकारी मनोज कुमार यादव को उपार्जन प्रभारी एवं संदीप जायसवाल को कम्प्युटर ऑपरेटर के रूप में तैनात किया गया है, नवागांव/नवागांव समिति उपार्जन केन्द्र में सहासक खाद्य अधिकारी के रूप में वरिष्ठ प्रताप सिंह ठाकुर को उपार्जन प्रभारी के रूप में एवं हिरेन्द्र कुमार डहरिया को कम्प्युटर ऑपरेटर के रूप में तैनाती कि गई, मनोहरपुर/उजियापुर सहायक प्रभारी के रूप में हितेष कुमार श्रीवास एवं कम्प्युटर ऑपरेटर के रूप मे पूनम साहू की तैनाती की गई, धरदेई/धरदेई से उपार्जन प्रभारी के रूप में संतोष कुमार ठाकुर एवं कम्प्युटर ऑपरेटर के रूप में अरविंद यादव की तैनाती की गई, हिंछापुर/हिंछापुर से उपार्जन प्रभारी के रूप में जिला प्रबंधक संदीप शर्माएवं कम्प्युटर ऑपरेटर के रूप में सतीश चौहान की तैनाती की गई।खरीदी प्रारंभ होने के साथ ही हडताली कर्मचारियों पर लटकी एस्मा की तलवार-धान खरीदी के पहले ही दिन सहकारी समितियों के कर्मचारियों की चार सूत्रीय मांगों को लेकर चल रही हड़ताल ने सरकार की चिंता बढ़ा दी थी। इसके बाद राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए एस्मा लागू कर दिया है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि धान खरीदी अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की हड़ताल पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यदि कोई कर्मचारी खरीदी कार्य में शामिल होने से इंकार करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

धान बेचने के लिए किसानों की बड़ी चिंता

छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान प्रदेश है और यहां के ज्यादातर किसान धान की खेती पर ही निर्भर हैं। खेतों में धान तैयार है और कटाई भी युद्ध स्तर पर चल रहा है। ऐसे में धान बेचने के ऐन वक्त पर अधिकारी-कर्मचारी और शासन-प्रशासन के बीच सामंजस्य नहीं बैठने से किसानों की चिंता बढ़ती दिखाई दे रही है। अगर समितियों में अधिकारी कर्मचारी ही न हों तो किसान कहां जाए..? यह बड़ा सवाल है.? और वर्तमान में किसानों को ही रही इस समस्या का जिम्मेदार कौन है यह समझ से परे है। शायद.. यही विष्णु का सुशासन है.?इस संबंध में राज्य सरकार को जल्द ही ठोस कदम उठाते हुए अधिकारी कर्मचारियों से सामंजस्य स्थापित कर किसानों को हो रही समस्या से छुटकारा दिलाने की जरूरत समझी जा रही है।

भगवान बिरसा मुंडा के 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

आदिवासी परंपरा, संस्कृति और शहादत को समर्पित जनजातीय गौरव दिवसः नेताम

बलरामपुर/नवप्रदेश। भगवान बिरसा मुंडा के 150 जयंती पर जिले के ऑडिटोरियम प्रांगण, बाजारपारा में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात से वर्चुअली रूप से जुड़कर कार्यक्रम को संबोधित किया।

उन्होंने बिरसा मुंडा के स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई भूमिका और उनकी प्रेरणादायक जीवनी का उल्लेख किया। जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामविचार नेताम के आगमन पर जनजातीय समाज प्रमुखों ने पारम्परिक पगड़ी पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। मंत्री नेताम ने स्वयं पारम्परिक वाद्य यंत्र मांदर बजाते हुए पर मुख्य मंच पर पहुंचे। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र सहित जनजातीय देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मंत्री नेताम

ने 126 करोड़ 82 लाख 65 हजार रूपये की लागत से तीन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, तीन बालक आश्रम का भूमिपूजन तथा पीएम जनमन योजना के तहत बहुउद्देषीय आमाकोना का लोकार्पण किया। जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरामुनी निकुंज, जिला पंचायत उपाध्यक्ष धीरज सिंह देव, नगरपालिका अध्यक्ष लोधी राम एक्का, उपाध्यक्ष दिलीप सोनी, पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य कृष्णा गुप्ता,कलेक्टर राजेंद्र कटारा, जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद रहे। इस दौरान मंत्री नेताम ने विभिन्न अदिवासी समुदाय के समाज प्रमुखों को साल और शील्ड से सम्मानित किया। कृषि मंत्री नेताम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आप सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भगवान बिरसा मुंडा की जन्मदिवस को पूरे भारत मे जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय आदिवासी समाज का गौरव बढ़ाया है। प्रधानमंत्री आज गुजरात से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र से कार्यक्रम में शामिल होकर बिरसा मुंडा की जयंती पर बधाई दे रहे है यह हमारे आदिवासी समाज के लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि आदिवासी जनजाति के लिए ऐसा कोई पर्व नही था, परन्तु प्रधानमंत्री जी ने बिरसा मुंडा के जयंती को पूरे भारत का पर्व बना दिया है जिसे आज पूरा देश मना रहा है मंत्री नेताम ने कहा कि समाज मे कई ऐसे महापुरुष है जो देश के लिए अपनी जान गंवाई है, उन्ही महापुरुषों में भगवान बिरसा मुंडा विशेष स्थान रखते है। उन्होंने आजादी की लड़ाई में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आज जनजातीय गौरव दिवस है।

एकलव्य आवासीय विद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस मनाया

मुंगेली/नवप्रदेश। बिरसामुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर ग्राम बंधवा स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया। ग्राम बंधवा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले शामिल हुए। विधायक मोहले ने जनजातीय समुदाय को बधाई देते हुए धरती आबा बिरसा मुंडा के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज के उत्थान और अधिकारों की रक्षा के लिए ऐतिहासिक कार्य किया, इसलिए उन्हें धरती का पुत्र कहा जाता है। विधायक श्री मोहले ने कहा कि आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आदिवासी विकास प्राधिकरण, पीएम जनमन, पीएम आदर्श ग्राम योजना, आयुष्मान भारत योजना सहित कई योजनाओं से प्रदेश की जनजातीय आबादी को व्यापक लाभ मिल रहा है। उन्होंने इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संदेश का वाचन कर सुनाया। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने विद्यार्थियों को अपनी अभिरुचि के अनुसार लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है, इसलिए बच्चों को चाहिए कि वे अपने शिक्षकों का सम्मान करें और प्राप्त होने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि एकलव्य विद्यालय में बच्चों का चयन कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद होता है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर है। विद्यालय में लैब, लाइब्रेरी और अन्य शैक्षणिक सुविधाएं लगातार उन्नत की जा रही हैं।

कार्रवाईः 1008 प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल के साथ सप्लायर गिरफ्तार

घरघोड़ा/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के दिशा निर्देशन में घरघोड़ा पुलिस ने नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सप्लायर को पकड़ने में सफलता हासिल की है। कार्यवाही एडिशनल एसपी आकाश मरकाम और एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक कुमार गौरव साहू के नेतृत्व में की गई। जानकारी के अनुसार टीआई कुमार गौरव साहू को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम डोकरबुड़ा (पूंजीपथरा) का निवासी खिलावन दास महंत अपनी बाइक में प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल ले जाकर घरघोड़ा-लैलूंगा रोड की तरफ बिक्री के लिए जा रहा है। सूचना के आधार पर टीआई कुमार गौरव के नेतृत्व में पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर नाकेबंदी कराई। थाना घरघोड़ा मुख्य गेट के सामने लैलूंगा रोड पर की गई नाकेबंदी के दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोका गया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम खिलावन दास महंत , निवासी डोकरबुड़ा बताया। तलाशी लेने पर उसके झोले से कुल *126 स्ट्रीप*, प्रत्येक में 8 कैप्सूल, इस प्रकार *कुल 1008 प्रतिबंधित SPASMO-PROXYVON PLUS कैप्सूल* बरामद हुए। जब्त दवाओं की कीमत 11 हजार एक सौ 88 रूपये है। आरोपी द्वारा नशीली दवाओं का अवैध परिवहन एवं बिक्री हेतु रखना पाए जाने पर उसके विरुद्ध अपराध क्रमांक 303/25, धारा 21 NDPS Act के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।कार्यवाही में थाना प्रभारी घरघोड़ा इंस्पेक्टर कुमार गौरव साहू, एएसआई खेमराज पटेल, हेड कांस्टेबल अरविंद पटनायक, कांस्टेबल हरीश पटेल, परमेश्वर पैकरा तथा स्थानीय युवक कालिया गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एनएच पर सड़क हादसा बाइक सवार की मौत

लखनपुर/नवप्रदेश। लखनपुर थाना क्षेत्र के अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 स्थित लहपटरा में शुक्रवार 14 नवंबर की शाम लगभग 5 बजे इनोवा क्रिस्टा वाहन ने एक बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। घटना के बाद इनोवा क्रिस्टा का चालक वाहन के टायर फटने का बहाना बनाते हुए गाड़ी को पलगड़ी के समीप ले जाकर छिपा दिया, जिसे बाद में लखनपुर पुलिस ने जप्त कर लिया। मृतक की पहचान सुदामा, पिता स्वर्गीय कामेश्वर, निवासी ग्राम लोसगा, थाना लखनपुर के रूप में हुई है।

मुंगेली में मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान तेज

मुंगेली/नवप्रदेश। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिले में मतदाता सूची को अद्यतन करने के उद्देश्य से मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम जोरों से जारी है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना पत्रक का वितरण किया जा रहा है जो 04 दिसंबर तक चलेगा। जिले में अभी तक 96.13ः मतदाताओं को गणना पत्रक का वितरण किया जा चुका है। जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिले में हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं, जहां मतदाताओं को मतदाता सूची से संबंधित जानकारी एवं आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। मतदाता एक ही निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक नामावली में अपना नाम जुड़वा सकेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देश के अनुसार निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं के द्वारा भरे गए गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन के दौरान यदि यह पाया जाता है, कि किसी मतदाता का नाम पहले से ही किसी निर्वाचन क्षेत्र के नामावली में डिजिटाइज हो चुका है, तो उनका नाम किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक नामावली में गणना प्रपत्र के माध्यम से डिजिटाईजेशन नहीं किया जा सकेगा। अर्थात कोई भी मतदाता केवल एक ही निर्वाचन क्षेत्र के किसी एक ही स्थान के निर्वाचक नामावली में अपना नाम जुड़वा सकेंगे।उप जिला निर्वाचन अधिकारी मायानंद चंद्रा ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की ए,बी एवं सी तीन श्रेणियां बनाई गई हैं, ऐसे मतदाता, जिनका नाम 2003 एवं 2025 की मतदाता सूची में हो एवं ऐसे मतदाता जिनका नाम 2003 की सूची में न हो, लेकिन 2025 की मतदाता सूची में हो, लेकिन उनके माता-पिता का नाम 2003 की मतदाता सूची में दर्ज हो, ऐसे मतदाताओं को केवल 2003 की मतदाता सूची की छायाप्रति संलग्न करना है। गणना पत्रक भरने हेतु सभी मतदाताओं को सफेद बैकग्राउंड का 02 नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साईज फोटो प्रदान करना होगा।

जिला अस्पताल में जटिल हिप जॉइंट सर्जरी सफल, मरीज फिर से चलने लगा

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला अस्पताल में चलने-फिरने में असमर्थ हो चुके मरीज की जटिल शल्य चिकित्सा के बाद मरीज आसानी से चलने लगा। मरीज के दोनों कूल्हों के जोड़ (हिप जॉइंट) गंभीर रूप से खराब हो चुके थे। जिसे चिकित्सकों ने सर्जरी पश्चात ठीक कर दिया। मरीज एवं परिजनों ने चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया। जिले के ग्राम अखरार निवासी 37 वर्षीय दिनेश पात्रे पिछले दो वर्षों से दोनों कूल्हों में गंभीर दर्द की समस्या से जूझ रहे थे। बीमारी बढ़ने के साथ उनकी चलने-फिरने की क्षमता धीरे-धीरे कम होती गई और पिछले छह महीनों से वे पूरी तरह चलने-फिरने में असमर्थ हो चुके थे। लगातार बढ़ते दर्द और असहाय स्थिति के कारण उनके दैनिक कार्य भी प्रभावित होने लगे थे। परिजन उन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सा टीम द्वारा विस्तृत जांच की गई। जांच में पाया गया कि दिनेश के दोनों कूल्हों के जोड़ (हिप जॉइंट) गंभीर रूप से खराब हो चुके हैं, जिसके कारण उन्हें तुरंत शल्य चिकित्सा की आवश्यकता है। सिविल सर्जन सह मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एमके राय के निर्देशन में जिला चिकित्सालय के अस्थि

रोग विशेषज्ञ डॉ. भूपेंद्र सिंह टंडन एवं निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. राजेश बेलदार ने दिनेश का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया। इस जटिल शल्य चिकित्सा के बाद दिनेश की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, ऑपरेशन के बाद दिनेश अब स्वस्थ हैं और धीरे-धीरे चलने-फिरने लगे हैं। डॉक्टरों ने बताया कि नियमित फिजियोथेरेपी और सावधानी बरतने से मरीज जल्द ही सामान्य जीवन जीने में सक्षम हो जाएगा। परिजनों ने उपचार और देखभाल के लिए जिला चिकित्सालय की चिकित्सा टीम के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस दौरान चिकित्सकगण अभिलाषा दास, आयुष राम, हरेन्द्र मिरे सहित विभाग के अधिकारी और नर्स मौजूद थे।

निरीक्षण — राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित अम्बिकापुर प्रवास की तैयारियों पर वित्त एवं जिले के प्रभारी मंत्री ने ली संभागस्तरीय समीक्षा बैठक

कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर देखीं व्यवस्था, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 20 नवंबर 2025 को सरगुजा जिला आगमन कार्यक्रम प्रस्तावित है।राष्ट्रपति के प्रवास की तैयारियों के सम्बंध में शनिवार को छत्तीसगढ़ शासन के वित्त, वाणिज्य, आवास एवं पर्यावरण, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा जिले के प्रभारी मंत्री ओ. पी. चौधरी ने संभागस्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में सरगुजा संभाग के समस्त जिलों के कलेक्टर, एसपी सहित सम्बंधित अधिकारी वर्चुअल रूप से जुड़े। इस दौरान लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, महापौर मंजूषा भगत, सरगुजा संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा, पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा,कलेक्टर विलास भोसकर, पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मंत्री चौधरी ने जिलेवार चर्चा करते हुए स्टॉल निर्माण, आवागमन, पार्किंग सहित अन्य तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल सहित हेलीपैड एवं आवागमन मार्ग में भी सुरक्षा के कड़े इंतेजाम हों। स्वास्थ्य विभाग की टीम

कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे। फायरब्रिगेड, एसडीआरएफ की टीम की कार्यक्रम स्थल पर तैनाती करें। उन्होंने कार्यक्रम हेतु मजिस्ट्रियल ड्यूटी के सम्बन्ध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन आपसी समन्वय से कार्यक्रम को सफल बनाएं। सभी विभाग अपने दायित्वों का गम्भीरता से निर्वहन करें। बैठक के पश्चात उन्होंने कार्यक्रम स्थल पीजी कॉलेज ग्राउंड का निरीक्षण किया। उन्होंने टेंट पंडाल की व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, स्टॉल आवागमन, यातायात, पार्किंग, रूट चार्ट , हेलिपैड, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बेटे ने पैसे के लिए पिता को पीटा, मामला दर्ज

लखनपुर/नवप्रदेश। एक कलयुगी बेटे ने पैसे की मांग करते हुए अपने जन्मदाता पिता को मारकर लहुलुहान कर दिया। जिसकी शिकायत घायल पिता ने थाना उपस्थित आकर किया है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक सोनसाय राजवाड़े आ0 स्व0 सुखन साय राजवाड़े उम्र 56 वर्ष साकिन ग्राम पीपरखार 14 नवम्बर की शाम 7 बजे घर परछी में आग ताप रहा था पास में बुढी मां खाट में सोई हुई थी। तभी आरोपी पुत्र देवरुप राजवाड़े आ0 सोननसाय राजवाड़े उम्र 26 साल कही से घूम कर आया और पिता से वास्ते धंधा करने पैसे की मांग करने लगा पिता ने पैसे देने से इंकार किया तो पुत्र ने पहले पिता को लात से मारा -बात बढ़ गई तो कोयला तोड़ने वाले हथौड़ा से सिर में दे मारा गनीमत रही कि पिता बाल बाल बच गया फिर भी चोट लगने से सिर में खून बहने लगा। पुत्र वधू ने बीच-बचाव करते हुए युवक के हाथ से हथौड़े को छिन ली । प्रार्थी पिता ने 15 नवम्बर को थाना उपस्थित आकर बे-अदब आरोपी पुत्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है।

स्वदेशी मेला का आयोजन हमारी अस्मिता और आत्मसम्मान का उत्सवः सीएम साय

साइंस कॉलेज मैदान में स्वदेशी मेले का मुख्यमंत्री ने किया अवलोकन, कारीगरों, स्व-सहायता समूहों व युवा उद्यमियों के बनाए उत्पादों की सराहना की

बिलासपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित सात दिवसीय स्वदेशी मेला का अवलोकन करने पहुंचे। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच परिवार बिलासपुर द्वारा मुख्यमंत्री जी का भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने भारत माता, भगवान बिरसा मुंडा और राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने स्वदेशी स्टालों का अवलोकन किया और कारीगरों, स्व-सहायता समूहों एवं युवा उद्यमियों द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि प्रदेश की आर्थिक धुरी को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्वदेशी मेला में स्थानीय परंपराओं के संवर्धन, ग्रामीण-शहरी उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से 300 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। हस्तशिल्प, कोसा वस्त्र, ढोकरा एवं बेलमेटल कला, गृह सज्जा सामग्री, जैविक उत्पाद और पारंपरिक व्यंजनों से सजे स्टॉलों ने आगंतुकों का विशेष आकर्षण खींचा। मेले में प्रदर्शित हस्तनिर्मित उत्पादों की गुणवत्ता और विविधता लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। जनसमुदाय को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'न्यायधानी बिलासपुर में स्वदेशी मेला सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी अस्मिता और आत्मसम्मान का उत्सव है। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वदेशी जागरण मंच के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी को नमन करते हुए कहा कि मंच द्वारा स्वदेशी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि मंच के पदाधिकारी वर्षों से प्रदेश के विभिन्न शहरों में स्वदेशी मेलों का आयोजन करते आ रहे हैं। इस वर्ष पहली बार बस्तर में भी स्वदेशी मेला आयोजित हुआ, जिसमें गृहमंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि स्वदेशी की शक्ति को सबसे पहले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने पहचाना था। महात्मा गांधी ने चरखा चलाकर स्वराज और स्वदेशी को जनांदोलन बनाया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वदेशी एक विचार है, जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और राष्ट्र की आत्मा को मजबूती देता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी आंदोलन को नई ऊर्जा दी। लोकल फॉर वोकल के आह्वान ने देशभर में स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन को गति प्रदान की। आत्मनिर्भर भारत अभियान ने स्वदेशी निर्माण और उद्यमिता को मजबूती दी।

मेला स्वदेशी विचारधारा की जनस्वीकृति को दर्शाता है : तोखन

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने स्वदेशी जागरण मंच को कार्यक्रम की दिव्यता और निरंतरता के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों में इस आयोजन ने वास्तविक रूप से एक विशाल मेला का स्वरूप ग्रहण कर लिया है, जो स्वदेशी विचारधारा की जनस्वीकृति को दर्शाता है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए आत्मनिर्भर भारत के मंत्र को देश की नई दिशा बताया। उन्होंने कहा कि 'अब हमें केवल आर्थिक आजादी ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आजादी की ओर भी आगे बढ़ना है। आत्मनिर्भर भारत का मूल मंत्र यही है कि हम स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग बढ़ाएं, स्थानीय उत्पादों को सम्मान दें और अपनी जड़ों से जुड़े रहें।' विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि भारत की आजादी की लड़ाई में स्वदेशी आंदोलन ने निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने महात्मा गांधी के पहले स्वदेशी अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि 'गांधी जी जब दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे, तब विदेशी कपड़ों की पहली बार सार्वजनिक होली जलाकर यह संदेश दिया कि देश को आत्मनिर्भर बनने के लिए स्वदेशी अपनाना आवश्यक है।'

न्यूज गैलरी

दो युवकों से मारपीट कर गली-गलौच करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। दोस्त के साथ बातचीत कर रहे बाइक सवार दो युवकों ने गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। रिपोर्ट पर बिल्हा पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार केशला वार्ड नं 14 बिल्हा निवासी रोजी मजदूरी का काम करता है जो 15 नवंबर के शाम करीबन 6.30 बजे केशला दैहान के पास मै मेरे दोस्त धन्नू राजपूत के साथ बातचीत कर रहे थे तभी अनुज पोर्ते , तरूण यादव निवासी झल्फा दोनो मोटर सायकल से आये और गाली देने लगे जिसे गाली देने से मना करने पर अनुज पोर्ते ने बेल्ट से, तथा तरूण यादव हाथ मुक्का से मारपीट करने लगे साथी धन्नू राजपूत बीच बचाव आकर मना किया तो उसे तरूण यादव डण्डा से तथा अनुज पोर्ते हाथ मुक्का से मारपीट की। मारपीट कर दोनों जान से मारने की धमकी दे रहे थे, मारपीट से मुझे पीठ, सिर मे तथा धन्नू राजपूत के माथा मे चोट लगा पूर्व मे भी दोनों मारपीट करने की धमकी दे रहे थे। मारपीट करते समय धन्नू राजपूत का मोबाइल भी गिर गया है, घटना के बारे में प्रशांत कौशिक, बिसेन ध्रुव को बताया। साधन नही होने के कारण थाना रिपोर्ट करने नही आये थे, इस वक्त थाना रिपोर्ट करने आया।

पत्नी देती थी सुसाइड की धमकी, तलाक मंजूर, 20 लाख गुजारा भत्ता देना होगा

शारीरिक संबंध बनाने से मना करना पति से मानसिक क्रूरताः हाईकोर्ट

बिलासपुर/नवप्रदेश। हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि पति को शारीरिक संबंध बनाने से मना करना उसके साथ मानसिक क्रूरता है। पत्नी सुसाइड करने की धमकी देती थी। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए पति की अपील पर तलाक मंजूर कर लिया है।

जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच ने कहा कि 11 साल लंबे अलगाव और पत्नी की शारीरिक संबंध के लिए अनिच्छा मानसिक क्रूरता मानी जाएगी। मामले में पति को पत्नी को 2 महीने के अंदर 20 लाख रुपए स्थायी गुजारा भत्ता देना होगा। दरअसल, अंबिकापुर के रहने वाले 45 साल के शख्स की शादी 30 मई 2009 को रायपुर की रहने वाली महिला के साथ हिंदू रीति- रिवाजों से हुई थी। पति का आरोप है कि उसकी पत्नी शादी के एक महीने बाद ही उसे छोड़कर मायके चली गई। जिस पर उन्होंने फैमिली कोर्ट में हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(आई-ए) के तहत तलाक की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया। पत्नी पर आरोप लगाया कि वह वैवाहिक दायित्व निभाने से इनकार कर रही है। 2013 में अंबिकापुर में उसकी पत्नी कुछ दिन साथ रही। लेकिन, शारीरिक संबंध बनाने से मना करती रही। महिला ने अपने पति को यह भी धमकी दी कि वो शारीरिक संबंध बनाएगा तो सुसाइड कर लेगी। पत्नी मई 2014 से मायके में रह रही है और पति के लगातार प्रयासों के बावजूद वापस नहीं लौटी। केस दर्ज होने के बाद भी उसने कभी अपने पति से संपर्क नहीं किया। इसके साथ ही परिवार के किसी खुशी या दुख के अवसर पर शामिल नहीं हुई। वहीं, पत्नी ने अपने पति के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उसके पति एक साध्वी के भक्त हैं और योग साधना में लीन रहने के कारण वैवाहिक संबंधों में रुचि नहीं रखते थे। उसने आरोप लगाया कि पति बच्चे नहीं चाहते थे। महिला ने पति पर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का भी आरोप लगाया। पत्नी ने पहले वैवाहिक अधिकारों की बहाली के लिए अर्जी भी लगाई, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैमिली कोर्ट ने पति की अर्जी को खारिज कर दिया।

पति ने फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ की अपील

जिसके बाद पति ने फैमिली कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील की, जिसमें उन्होंने बताया कि फैमिली कोर्ट ने उनके तर्कों को सुने बगैर ही तलाक की अर्जी को खारिज किया है। साथ ही कहा कि वैवाहिक जीवन जीने के लिए पत्नी का साथ होना जरूरी है।

महमंद के लाल गड्ढा तालाब में नहाने उतरे 4 छात्र डूबे

2 का रेस्क्यू, 2 की तलाश जारी

बिलासपुर/नवप्रदेश। रविवार की दोपहर तोरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत महमंद के लाल गड्ढा तालाब में 4 स्कूली छात्रों के डूबने से हड़कंप मच गया। घटना दोपहर 2 बजे की बताई जा रही है, जहाँ सूचना के बाद पहुँचे लोगों ने 2 छात्रों को बचा लिया वही 2 छात्र डूबने के बाद लापता है जिनकी तलाश की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार छात्र प्रियांशु सिंह पिता अमित सिंह उम्र 16 वर्ष पता शिव विहार, एम उदय किरण पिता एम युधिष्ठिर राव उम्र 16 वर्ष पता अन्नपूर्णा कालोनी तोरवा को बचा लिया गया है। वही छात्र पी साई राजेश पिता श्रीनिवास राव उम्र 17 वर्ष पता अन्नपूर्णा कालोनी और टी पवन उम्र 18 वर्ष पता अन्नपूर्णा कालोनी लापता है जिनकी तलाश की जा रही है, चारो दोस्त रविवार लगभग 2 बजे के आसपास नहाने के लिए ग्राम महमंद में स्थित लाल गड्ढा नामक तालाब में पहुँचे थे और हादसे का शिकार हो गए, चारो छात्र भारत माता स्कूल और रेलवे स्कूल में 11 वी और 12 वी कक्षा में पढ़ते है। घटना की सूचना मिलते ही तोरवा पुलिस मौके पर पहुँच गई है वही एसडीआरएफ की टीम को भी बुला लिया गया है, जिनके द्वारा 2 लापता छात्रों की तलाश तालाब की गहराई में की जा रही है।

'मुख्यमंत्री का बिलासपुर आना औपचारिक हवाई सुविधा विस्तार पर चर्चा नहीं'

बिलासपुर/नवप्रदेश। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री के लंबे बिलासपुर दौरे पर बिलासपुर में हवाई सुविधा विस्तार एयरपोर्ट के रनवे के लिए सेना के कब्जे वाली जमीन की वापसी और इससे संबंधित अन्य प्रश्नों पर कुछ नहीं बोलते पर निराशा जाहिर की है। हवाई सुविधा जनसंघर समिति ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव सायं का बिलासपुर का दौरा बिलासपुर वासियों के हितों को देखकर निरर्थक और औपचारिक ही रहा है।

समिति ने बिलासपुर जिले से और संभाग से राज्य में अप मुख्यमंत्री और केंद्र में राज्य मंत्री तक होने के बावजूद ऐसी स्थिति होने पर यह सवाल उठाया की क्या बिलासपुर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को सरकारों में पर्याप्त महत्व नहीं मिल रहा है या उनकी कही बातों को नौकरशाही ध्यान नहीं दे रही है। हवाई सुविधाजन संघर्ष समिति का महा धरना आज भी जारी रहा और आगमन के कम से सर्वश्री अनिल गुलहरे बद्री यादव रवि बनर्जी डॉ प्रदीप राही समीर अहमद बबला देवेंद्र सिंह ठाकुर केशव गोरख आशुतोष शर्मा रामशरण यादव महेश दुबे टाटा मनोज तिवारी शिरीष कश्यप संतोष पीपलवा नारद श्रीवास राशिद बख्श मजहर खान अहमद कुरेशी हर प्रसाद केवट परशुराम केवट साबर अली अखिल अली और सुदीप श्रीवास्तव शामिल थे।

राज्य में नौकरशाही हावी : समिति

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने कहा की समाचारों के हिसाब से बिलासपुर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि बिलासपुर में हवाई सुविधा विस्तार के लिए प्रयास करते दिखते हैं लेकिन लंबा समय भी जाने के बाद भी इसका कोई नतीजा सामने नहीं आता। इससे यह प्रतीत होता है कि राज्य में नौकरशाही हावी है और राजनीतिक व्यक्तियों की सलाह और मांग को दरकिनार किया जा रहा है।

छात्रवृत्ति फार्म भरवाने डीपी कॉलेज में कैंप 24 को

बिलासपुर/नवप्रदेश। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में महाविद्यालय में अध्ययनरत् नियमित छात्र-छात्राओं का 24 नवंबर को सुबह11 बजे से सायं 5 बजे तक अनुसूचित जनजाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग छात्रवृत्ति (स्कालरशीप) फार्म भरवाने हेतु महाविद्यालय परिसर में कैंप का आयोजन किया जा रहा है जो छात्र-छात्राएँ अभी तक छात्रवृत्ति (स्कालरशीप) 2025-26 का फार्म नहीं भरे हैं उक्त दिनांक को कैंप में सम्मिलित होकर छात्रवृत्ति कैंप का लाभ ले सकते हैं।

रेल क्लब में पांच दिवसीय योग शिविर का आयोजन

बिलासपुर /नवप्रदेश। 10 नवंबर से 14 नवंबर तक रेल क्लब, बिलासपुर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए पाँच दिवसीय योग शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन हेडक्वार्टर पर्सनेल ब्रांच, बिलासपुर द्वारा किया गया। शिविर का उद्घाटन आदित्य कुमार, प्रिंसिपल चीफ पर्सनेल ऑफिसर के द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान, सूर्य नमस्कार तथा तनाव प्रबंधन की तकनीकों का प्रशिक्षण योग गुरु शेखावत अली द्वारा प्रदान किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया और योग एवं एक्यूप्रेशर का अत्यंत लाभकारी अनुभव किया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पीयूष गुप्ता चेयरमेन उपस्थित रहे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को योग को दैनिक जीवन में शामिल करने के लिए प्रेरित किया तथा सफल आयोजन के लिए आयोजक शाखा की सराहना की। अंत में, प्रकाश एसपीआई (आईआर) हेडक्वार्टर पर्सनेल ब्रांच, बिलासपुर ने योग गुरु उस्ताद शेखावत अली एवं सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगी सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

बच्चों की प्रतिभा ही हमारी असली पहचानः मोमिन

सीपत/नवप्रदेश। बहुद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला खम्हरिया में शुक्रवार को बाल दिवस के अवसर पर आयोजित बाल आनंद मेले ने बच्चों की रचनात्मकता, कला और उत्साह से पूरे परिसर को उत्सव स्थल में बदल दिया। बच्चों द्वारा लगाए गए छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉलों ने मेले की शोभा बढ़ा दी। चीला, ठेठरी, खुरमी, फरा, बोरा, सहित कई पकवानों का स्वाद अतिथियों और शिक्षकों ने चखकर बच्चों की प्रतिभा की सराहना की।मेले में मनोरंजक गेम्स, खेल और गतिविधियों ने बच्चों की खुशियों में चार चाँद लगा दिए।

बाल आनंद मेले में चमकी नन्हीं प्रतिभाओं की रौनक

छोटे-छोटे हाथों से बने व्यंजन और उनकी प्रस्तुति ने हर किसी को प्रभावित किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपसरपंच बुधवारा देवी साहू, शिवनारायण साहू, भास्कर कश्यप सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। शाला के संचालक अहमद मोमिन ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमारे बच्चों की प्रतिभा ही हमारी असली पहचान है। यह आनंद मेला सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि सीखने, समझने और आत्मविश्वास बढ़ाने का जरिया है। हम ऐसे आयोजनों से बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं और उनके भीतर छिपी रचनात्मक शक्तियों को उजागर करते हैं। आपके चेहरे की मुस्कान ही हमारी मेहनत की कमाई है। आज खम्हरिया शाला के बच्चे जो ऊर्जा और प्रतिभा दिखा रहे हैं, वही आने वाले समय में समाज और देश की ताकत बनेंगे। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से भी बच्चों को हर कदम पर प्रोत्साहित करने की अपील की।

प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम साय से की मुलाकात

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष दिलीप यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार शाम को न्यू सर्किट हाउस में सीएम विष्णुदेव साय से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष गोपीनाथ डे, सचिव संदीप करिहार, कोषाध्यक्ष लोकेश वाघमारे, सह सचिव रमेश राजपूत और कार्यकारिणी सदस्य कैलाश यादव शामिल रहे। इस दौरान सीएम साय ने प्रतिनिधिमंडल से शासन-प्रशासन और पत्रकारों के बीच समन्वय को लेकर चर्चा की। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि जिला व पुलिस प्रशासन से समन्वय बिठाकर प्रेस क्लब काम कर रहा है। प्रेस क्लब की ओर से प्रतिनिधिमंडल ने सीएम साय का अभिनंदन किया और बताया कि करीब डेढ़ माह पहले ही बिलासपुर प्रेस क्लब में नई कार्यकारिणी ने पदभार ग्रहण किया है। अध्यक्ष यादव ने बताया कि वर्तमान में बिलासपुर प्रेस क्लब का जीर्णोद्धार हो रहा है।

आयोजन

मंडल ने बच्चियों के लिए भेंट की ऑटोमैटिक वाशिंग मशीन

श्रद्धा महिला मंडल ने श्रवण बाधित बालिकाओं के बीच बाल दिवस मनाया

बिलासपुर/नवप्रदेश। बाल दिवस 2025 के अवसर पर *श्रद्धा महिला मंडल, एसईसीएल बिलासपुर ने एक हृदयस्पर्शी एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया। मंडल की अध्यक्षा शशि दुहन के मार्गदर्शन में निवेदिता हॉस्टल, सरकंडा स्थित 'सत्य साईं हेल्प वे' में रह रहीं 45 श्रवण-बाधित बालिकाओं के साथ यह विशेष दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में अध्यक्षा श्रीमती दुहन, उपाध्यक्षा गण तथा मंडल की अन्य सदस्याएँ सम्मिलित हुईं।*

कार्यक्रम की शुरुआत में बालिकाओं ने स्वयं बनाए गए गुलाब के फूलों से अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। तत्पश्चात पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं महात्मा गांधी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के अंत में बालिकाओं ने सांकेतिक भाषा में श्रद्धा महिला मंडल के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया।

उनकी मासूम मुस्कान और सृजनशीलता ने सभी उपस्थितजनों को गहराई से प्रेरित किया। श्रद्धा महिला मंडल द्वारा किया गया यह सराहनीय प्रयास समाज में संवेदनशीलता, सेवा और सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है।

बालिकाओं की मनमोहक नृत्य ने सभी का मन मोहा

श्रीमती दुहन ने बालिकाओं के साथ मिलकर बाल दिवस का केक काटा, जिसके बाद बालिकाओं ने अपनी मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से सभी का मन जीत लिया। उनकी प्रतिभा, आत्मविश्वास और उत्साह ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। इस अवसर पर श्रद्धा महिला मंडल द्वारा बालिकाओं की दैनिक सुविधा हेतु एक फुली ऑटोमैटिक वॉशिंग मशीन भेंट की गई। इसके अतिरिक्त सभी 45 बालिकाओं को टी-शर्ट्स वितरित की गई। बालिकाओं के लिए स्वादिष्ट लंच की व्यवस्था भी की गई, जिसका उन्होंने उत्साहपूर्वक आनंद लिया।

न्यूज गैलरी

नवी मुंबई एयरपोर्ट से इंडिगो और अकासा एयर शुरू करेंगी उड़ान, दिल्ली-बेंगलुरु समेत जुड़ेंगे कई शहर

मुंबई। भारतीय एयरलाइन कंपनी इंडिगो और अकासा एयर ने नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से घरेलू उड़ानों को विस्तार देने की घोषणा की है। इंडिगो एयरलाइन देश के 10 शहरों को जोड़ेगी, जबकि अकासा एयर ने चार भारतीय शहरों के लिए उड़ान का फैसला लिया है। इंडिगो 25 दिसंबर से एनएमआईए से उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइन दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, नॉर्थ गोवा (मोपाह), जयपुर, नागपुर, कोचिन और मैंगलोर समेत 10 शहरों को सीधे जोड़ेगी। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि एयरलाइन की योजना एनएमआईए में अपने परिचालन का विस्तार करने की है। आने वाले समय में और अधिक शहरों के लिए सीधी उड़ानें शुरू की जाएंगी।अकासा एयर भी एनएमआईए से सबसे पहले उड़ानें शुरू करने वाली एयरलाइंस में शामिल हो गई है। चार भारतीय शहरों से सीधे जुड़ते हुए अकासा एयर 25 दिसंबर को दिल्ली और नवी मुंबई के बीच अपनी पहली उड़ान संचालित करेगी। इसके बाद नवी मुंबई को गोवा, दिल्ली और कोच्चि (26 दिसंबर से प्रभावी) और अहमदाबाद (31 दिसंबर से प्रभावी) से जोड़ने वाली नियमित उड़ानें शुरू होंगी।एयरलाइन ने जानकारी दी कि उड़ानों की बुकिंग अकासा एयर की वेबसाइट, एंड्रॉइड और आईओएस ऐप और कई प्रमुख ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से शुरू हो गई है।कंपनी ने कहा कि अकासा एयर एनएमआईए से अपने परिचालन का धीरे-धीरे विस्तार करेगी और साप्ताहिक उड़ानों की संख्या (300 घरेलू और 50 अंतरराष्ट्रीय तक) बढ़ाएगी। अपनी व्यापक नेटवर्क रणनीति के तहत, एयरलाइन वित्त वर्ष 2027 के अंत तक 10 पार्किंग बेस तक विस्तार करने की भी योजना बना रही है, जिसका उद्देश्य प्रमुख मध्य पूर्वी और दक्षिण पूर्व एशियाई बाजारों में अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर केंद्रित है।बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले महीने नवी मुंबई एयरपोर्ट (एनएमआईए) के पहले चरण का उद्घाटन किया था। यह एयरपोर्ट भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना है, जिसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के अंतर्गत विकसित किया गया है। इसे मुंबई महानगर क्षेत्र के दूसरे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में बनाया गया है, जो छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (सीएसएमआईए) के साथ मिलकर काम करता है। इसे भारत की वित्तीय राजधानी से हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है।

एलआईसी ने कार्यालय को पेपरलेस बनाने की दिशा में भी आगे कदम बढ़ाए

44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में लगा एलआईसी का स्टाल

मुंबई। 14 नवम्बर 2025 को 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में एलआईसी के स्टॉल का उद्घाटन जे.पी.एम.बजाज, क्षेत्रीय प्रबंधक, उत्तर क्षेत्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर एलआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। 14 दिनों की अवधि में चलने वाले इस मेले में निगम की विभिन्न योजनाओं तथा एजेंट के रूप में भर्ती के लिए उपलब्ध करियर अवसरों की जानकारी दी जाएगी।

एलआईसी की ई-सेवाओं एवं अन्य ऑनलाइन सेवाओं के बारे में भी जानकारी साझा की जाएगी। एलआईसी ने कार्यालय को पेपरलेस बनाने की दिशा में भी आगे कदम बढ़ाए हैं। बदलते परिवेश में निगम ने विभिन्न साधनों को अपनाकर पॉलिसी सर्विसिंग को और अधिक आसान एवं सुलभ बना दिया है। पॉलिसीधारक विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों से

प्रीमियम जमा कर सकते हैं। ग्राहक अपनी पॉलिसियों से संबंधित जानकारी एलआईसी की वेबसाइट 222.द्यद्बष्ठ्ठस्रद्बड्ड.द्बठ्ठ पर जाकर वर्चुअल असिस्टेंट 'एलआईसी मित्र' के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा वे 022-68276827 नंबर पर डायल करके आईवीआरएस के माध्यम से भी यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सभी पॉलिसीधारक एलआईसी के व्हाट्सएप नंबर 8976862090 पर भी अपनी पॉलिसियों से संबंधित सूचनाएँ और सेवाएँ प्राप्त कर सकते हैं। इस वर्ष एलआईसी अपना 69वाँ स्थापना दिवस मना रहा है। देश की प्रमुख वित्तीय संस्थाओं में से एक होने के नाते, इसने बड़ी संख्या में लोगों की बीमा आवश्यकताओं को पूरा किया है। एलआईसी ने बीमायोग्य जनसंख्या की बदलती प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर नवीन उत्पाद बाजार में प्रस्तुत किए हैं। बीमा के साथ-साथ, एलआईसी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का भी निर्वहन एलआईसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन के माध्यम से करता है, जो शिक्षा, चिकित्सा और अन्य सामाजिक सेवाओं में योगदान देता है। एलआईसी राष्ट्र-निर्माण परियोजनाओं में भी महत्वपूर्ण योगदान देता रहा है। एलआईसी का ध्येय वाक्य 'योगक्षेमं वहाम्यहम्' (श्रीमद भगवद गीता से), जिसका अर्थ है 'आपका कल्याण हमारी जिम्मेदारी है', निगम के उद्देश्य को पूर्णतः अभिव्यक्त करता है।

30 नवंबर, 2025 के बाद 'एमकैश' भेजने और क्लेम करने की सुविधा को बंद कर दिया जाएगा

एसबीआई ग्राहक ध्यान दें : 30 नवंबर से बंद हो रही है सर्विस, योनो लाइट पर नहीं मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी एक महत्वपूर्ण डिजिटल सुविधा को बंद करने का ऐलान किया है। बैंक ने घोषणा की है कि 30 नवंबर, 2025 के बाद 'एमकैश' भेजने और क्लेम करने की सुविधा को बंद कर दिया जाएगा।

यह सुविधा बैंक के OnlineSBI और YONO Lite प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं होगी। इसका मतलब है कि ग्राहक अब बिना लाभार्थी (Beneficiary) को जोड़े पैसे भेजने के लिए इस खास सर्विस का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया mCASH एक ऐसी सर्विस थी, जिसके जरिए कोई भी एसबीआई इंटरनेट बैंकिंग ग्राहक, किसी को लाभार्थी के रूप में रजिस्टर्ड किए बिना भी फंड ट्रांसफर कर सकता था। इसके लिए सिर्फ प्राप्तकर्ता के मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी की जरूरत होती थी। प्राप्तकर्ता को एक

एसएमएस या ईमेल के जरिए 8 अंकों का पासकोड और एक सुरक्षित लिंक मिलता था। इस लिंक के जरिए या State Bank mCASH मोबाइल ऐप से वह पैसा क्लेम कर सकता था, चाहे उसका खाता किसी भी बैंक में हो।एसबीआई ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक संदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है- 30 नवंबर के बाद ऑनलाइनएसबीआई और योनो लाइट में एमकैश (भेजना और दावा करना) फैसिलिटी उपलब्ध नहीं होगी। कृपया थर्ड पार्टी के लाभार्थियों को फंड ट्रांसफर करने के लिए यूपीआई, आईएमपीएस, एनईएफटी, आरटीजीएस आदि जैसे वैकल्पिक लेनदेन माध्यमों का उपयोग करें।

अब क्या हैं विकल्प? बैंक ने ग्राहकों से थर्ड पार्टी को फंड ट्रांसफर करने के लिए अन्य सुरक्षित और अधिक उपयोग किए जाने वाले डिजिटल पेमेंट विकल्पों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया है। ग्राहक अब द्वष्टड्डह्यद्ध की जगह यूपीआई जैसे विकल्पों का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें BHIM SBI Pay या किसी अन्य ह्वक्कढ्ढ ऐप के जरिए आसानी से मोबाइल नंबर या VPA का उपयोग करके पैसे भेजे जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, वे तुरंत पैसे ट्रांसफर करने के लिए आईएमपीएस या फिर एनईएफटी और आरटीजीएस जैसी सेवाओं का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

थोक महंगाई दर आने वाले समय में एक सीमित दायरे में रह सकती है : एनालिस्ट

नई दिल्ली। अक्टूबर में थोक महंगाई दर के आंकड़े नकारात्मक रहने पर इंडस्ट्री बॉडी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें कम होने के कारण थोक महंगाई दर आने वाले समय में एक सीमित दायरे में रह सकती है।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के सीईओ और महासचिव डॉ. रंजीत मेहता ने कहा, हमें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी, खाद्यान्नों के पर्याप्त बफर स्टॉक और अच्छी खरीफ फसल के कारण थोक महंगाई दर आने वाले समय में सीमित दायरे में रहेगी।सरकारी क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने अनुमान में कहा है कि अगर 43 दिनों के शटडाउन के बाद अमेरिकी सरकार के फिर से खुलने के बाद मांग में सुधार होता है, तो अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी कीमतों और तेल की कीमतों में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है।

बैंक ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति में अपेक्षा से अधिक सरप्लस भी आगे चलकर तेल की कीमतों पर दबाव डाल सकता है। इससे आने वाले महीनों में ईंधन में महंगाई कम रह सकती है। भारत में थोक मुद्रास्फीति दर या महंगाई दर अक्टूबर में कम होकर -1.21 प्रतिशत हो गई है, जो कि सितंबर में 0.13 प्रतिशत थी। वहीं, अक्टूबर 2024 में 2.8 प्रतिशत थी।पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने कहा कि यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस, बिजली, खनिज तेलों और बेसिक मेटल की मैन्युफैक्चरिंग आदि की कीमतों में कमी के कारण हुई।मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों में थोक महंगाई दर अक्टूबर में -0.07 प्रतिशत रही है। इसकी 22 श्रेणियों में से सात में कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिनमें केमिलकल, बेसिक मेटल और मोटर वाहन शामिल हैं। वहीं, कपड़ा, खाद्य उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत उपकरण जैसी 11 श्रेणियों में कीमतों में वृद्धि हुई। चार श्रेणियों में कोई बदलाव नहीं हुआ। अक्टूबर में थोक महंगाई दर के नकारात्मक जोन में रहने की वजह खाद्य उत्पादों, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस, इलेक्ट्रिसिटी और मिनरल ऑयल एवं अन्य की कीमतों में कमी आना है।बीते महीने खाद्य उत्पादों में थोक महंगाई दर -5.04 प्रतिशत रही है, जो कि सितंबर में -1.99 प्रतिशत थी।

खेल, मनोरंजन

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 30 रनों से हराया बढ़त लेने के बावजूद हारी मेजबान टीम

स्पोर्ट्स डेस्क। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को पहले टेस्ट मैच में हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के सामने 124 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन भारतीय टीम दूसरी पारी में 93 रन पर ढेर हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत को 30 रनों से हराया। भारतीय टीम ने पहली पारी में 30 रनों की बढ़त ली थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के दम पर वापसी की और भारत को हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी 153 रन पर ऑलआउट हुई थी और उसने 123 रनों की बढ़त लेकर भारत के सामने 124 रनों का लक्ष्य रखा था। भारत की बल्लेबाजी दूसरी पारी में बेहद खराब रही और टीम दूसरे ही सत्र में 93 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत के लिए सबसे ज्यादा रन वाशिंगटन सुंदर ने बनाए जो 31 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने केशव महाराज पर लगातार चौके-छक्के लगाकर भारत को जीत दिलाने की कोशिश भी की, लेकिन खराब शॉट खेलकर वह पवेलियन लौट गए और फिर केशव ने मोहम्मद सिराज को आउट कर भारत की पारी ढेर कर दी। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी नहीं करने उतरे। भारत के लिए वाशिंगटन और अक्षर के अलावा रवींद्र जडेजा ने 18, ध्रुव जुरेल ने 13, ऋषभ पंत ने 2, केएल राहुल ने 1 और कुलदीप

यादव ने 1 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना नाबाद लौटे। दक्षिण अफ्रीका के लिए सिमोन हार्मर ने चार विकेट लिए, जबकि मार्को यानसेन और केशव महाराज ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, एडेन मार्करम को एक विकेट मिला। भारत को अक्षर पटेल के रूप में बड़ा झटका लगा है। अक्षर अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने केशव महाराज के ओवर में 16 रन बना लिए थे, लेकिन ऊंचा शॉट खेलने के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। अक्षर 17 गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुए। भारत को अब जीत के लिए 31 रन बनाने हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पारी लड़खड़ा गई है। भारत ने 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट 77 रन पर गंवा दिए हैं। भारत को अब 47 रन और बनाने हैं। एडेन मार्करम ने वाशिंगटन सुंदर को आउट कर भारत को छठा झटका दिया है। वाशिंगटन 92 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की स्थिति अच्छी नहीं चल रही है। टीम को हालांकि अब जीत के लिए 52 रन बनाने हैं। भारत को रवींद्र जडेजा के रूप में पांचवां झटका लगा है। जडेजा को हार्मर ने अपना शिकार बनाया। जडेजा वाशिंगटन सुंदर के साथ मिलकर अच्छी साझेदारी निभा रहे थे, लेकिन 18 रन बनाकर आउट हो गए। भारत ने 64 रन बना लिए हैं और अब उसे 60 रन और बनाने हैं।

10 साल बाद साथ लौटे हनी सिंह और पारुल गुलाटी, एक्ट्रेस बोलीं- उनमें पहले जैसी एनर्जी

फिल्मी दुनिया में जब दो कलाकार लंबे समय बाद दोबारा साथ आते हैं, तो वह पल फैंस के लिए भावनात्मक बन जाता है। खासकर तब, जब उन कलाकारों की पुरानी साझेदारी ने लोगों पर गहरी छाप छोड़ी हो। इस कड़ी में अभिनेत्री पारुल गुलाटी और मशहूर रैपर व सिंगर यो यो हनी सिंह लगभग एक दशक बाद फिर से एक साथ नजर आएंगे। दोनों कपिल शर्मा की नई फिल्म किस किस को प्यार करूं 2 के खास गाने फुर्र में साथ दिखाई देंगे। पारुल गुलाटी ने बताया कि इतने साल बाद हनी सिंह से मिलना उन्हें भावुक कर गया। उन्होंने कहा, जब मैं इतने सालों बाद हनी सिंह से मिली, तो सचमुच ऐसा लगा जैसे समय थम गया हो। हम दोनों तुरंत पुराने प्रोजेक्ट जोरावर के दिनों में वापस चले गए। हमें रिहर्सल, हंसी-मजाक, और सेट पर मस्ती भरे पल याद आने लगे। पारुल ने कहा, हनी सिंह के साथ दस साल बाद दोबारा काम करने पर मुझे एक अपनापन महसूस हुआ। उनमें पहले जैसी एनर्जी है, लेकिन एक कलाकार के तौर पर उनमें काफी निखार आया है। उनका म्यूजिक के प्रति जुनून, काम के प्रति समर्पण, और उनकी खास शैली आज भी उतनी ही मजबूत है।पारुल ने कहा कि हनी सिंह के साथ गाने की शूटिंग करते हुए ऐसा लगा कि उनकी एक लंबी यात्रा, फिर से

शुरुआती पड़ाव पर वापस आ गई है। ऐसा एहसास हुआ कि जिंदगी एक पूरा चक्कर लगाकर फिर उसी खुशी भरे मोड़ पर पहुंच गई हो, जहां से हमने शुरुआत की थी।पारुल और हनी सिंह की जोड़ी इससे पहले 2016 की पंजाबी एक्शन फिल्म जोरावर में देखने को मिली थी। यह फिल्म हनी सिंह की एक्टिंग डेब्यू थी और उस समय दर्शकों ने इस नई जोड़ी को खूब पसंद किया था। यही वजह है कि उनका दोबारा साथ आना दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर रहा है।किस किसको प्यार करूं 2 का नया गाना फुर्र रिलीज हो गया है। इस गाने में हनी सिंह और पारुल गुलाटी के अलावा, कपिल शर्मा, आयशा खान और त्रिधा चौधरी नजर आ रही हैं। गाने को लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

केएल राहुल ने टेस्ट क्रिकेट में पूरे किए 4,000 रन

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 4,000 रन पूरे कर लिए हैं। अपनी पारी का 15वां रन बनाते ही राहुल ने ये उपलब्धि हासिल की। 33 साल के राहुल क्रिकेट के सबसे बड़े प्रारूप में भारतीय टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं। ऐसे में आइए उनके आंकड़ों पर नजर डालते हैं। राहुल ने अपने 66वें टेस्ट में 4,000 रन पूरे किए हैं। साल 2014 में टेस्ट डेब्यू करने वाले इस स्टार खिलाड़ी ने खुद को एक बहुमुखी बल्लेबाज के रूप में विकसित किया है। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने लगभग 36 की औसत से बल्लेबाजी की है। इस दौरान उन्होंने

11 शतक और 20 अर्धशतक जड़े हैं। उनके 3,500 से अधिक रन सलामी बल्लेबाज के रूप में आए हैं, जो उनकी निरंतरता और कौशल को दर्शाते हैं।राहुल ने घरेलू सरजमीं पर 43 की औसत से 1,350 से ज्यादा टेस्ट रन बनाए हैं। बाहर के मैचों में उनकी औसत 33.84 की रही है, जहां उन्होंने 9 शतकों की मदद से 2,640 रन जड़े हैं। खास बात यह है कि राहुल ने भारत के लिए बतौर सलामी बल्लेबाज 10 टेस्ट शतक लगाए हैं। इस मामले में उनसे आगे सिर्फ सुनील गावस्कर (33), वीरेंद्र सहवाग (22) और मुरली विजय (12) हैं।राहुल ने साल 2014 में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ अपने टेस्ट करियर का आगाज किया था। वह अब तक 66 मैच खेल चुके हैं, जिसकी 115 पारियों में 36 से ज्यादा की औसत से 4,000 से ज्यादा रन बनाने में सफल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने 11 शतक और 20 अर्धशतक जड़े हैं।

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को लगा बड़ा झटका पहले टेस्ट से बाहर हुए जोश हेजलवुड

नईदिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच एशेज सीरीज का पहले टेस्ट पर्थ में खेला जाना है। इससे पहले कंगारू टीम को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन के कारण टीम से बाहर हो गए हैं। शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान असहज महसूस करने पर उन्हें तुरंत मैच से हटाया गया। बाद में हुई स्कैन रिपोर्ट में उनकी चोट की पुष्टि हुई, जिसके चलते वे शुरुआती टेस्ट में टीम का हिस्सा नहीं बन पाएंगे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी कर कहा, हेजलवुड की आज दोबारा स्कैनिंग की गई, जिसमें हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन की पुष्टि हुई। बुधवार को हुई शुरुआती स्कैन रिपोर्ट में कोई स्ट्रेन नहीं दिखा था, लेकिन फॉलो-अप इमेजिंग में चोट सामने आई। शुरुआती स्कैन कभी-कभी लो-ग्रेड मसल इंजरी को कम आंक देते हैं। इसी कारण हेजलवुड अब पर्थ नहीं जाएंगे और पहले एशेज टेस्ट से बाहर हो गए हैं। शॉन एबॉट और पैट कमिंस भी पहले टेस्ट मैच से बाहर हैं। ऐसे में ब्रेंडन डॉगेट को डेब्यू का मौका मिल सकता है। 31 वर्षीय डॉगेट ने इस सीजन शेफील्ड शील्ड में शानदार प्रदर्शन किया है, जहां उन्होंने मामूली हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने के बाद 14.69 की औसत से 13 विकेट झटके हैं। उनकी निरंतरता और फिटनेस चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित कर रही है। कमिंस दूसरे टेस्ट मैच में टीम में वापसी कर सकते है।

सनी देओल की जाट 2 के लिए मशहूर निर्देशक राजकुमार संतोषी ने उठाई जिम्मेदारी

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की फिल्म जाट इसी साल अप्रैल, 2025 में रिलीज हुई थी। फिल्म में रणदीप हुड्डा विलेन के किरदार में नजर आए थे। बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन करने के बाद

निर्माता इसके सीक्वल पर विचार कर रहे हैं। अपडेट यह भी है कि इस बार निर्देशन की जिम्मेदारी गोपीचंद मनेनी को नहीं, बल्कि मशहूर निर्देशक राजकुमार संतोषी को सौंपी गई है। इसके लिए उन्हें मोटी फीस भी दी गई है। आइए जानते हैं अपडेट। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने जाट 2 पर कहा, जाट के निर्माता इस एक्शन फिल्म को फ्रेंचाइजी में बदलने के लिए उत्साहित हैं, और उन्हें सनी का आशीर्वाद मिला है। चूंकि निर्देशक गोपीचंद अन्य परियोजनाओं में व्यस्त हैं, इसलिए उन्होंने इस एक्शन से भरपूर फिल्म के निर्देशन के लिए राजकुमार को चुना है। निर्माताओं और सनी को विश्वास है कि जाट की दुनिया में संतोषी के शामिल होने से फिल्म की सफलता और भी बढ़ जाएगी। चर्चा है कि राजकुमार को जाट 2 के निर्देशन के लिए मोटी फीस मिली है। सूत्र ने कहा, राजकुमार को सीक्वल के निर्देशन के लिए 15 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम दी गई है, और यह अब तक की उनकी सबसे बड़ी रकम है। कागजी कार्रवाई एक महीने में पूरी होने की उम्मीद है। सबकुछ ठीक रहा तो अगले साल 2026 में फिल्म फ्लोर पर उतर आएगी। बता दें कि सनी की आगामी फिल्में बॉर्डर 2 और लाहौरः 1947 हैं।

खबरों की मरम्मत

जहां-जहां पांव पड़े संतन के....

वैसे तो बिहार विधानसभा चुनाव से छत्तीसगढ़ का कोई लेना देना नहीं है लेकिन छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जो कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भी हैं ने बिहार में एनडीए की जीत के लिए अपना ज्ञान बघारते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बधाई देकर उड़ता तीर ले लिया है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने इस पर तंज कसा है कि जिस प्रदेश में भूपेश बघेल कांग्रेस का प्रचार करने जाते हैं वहां कांग्रेस हार जाती है। भूपेश बघेल ने बिहार की जिन सीटों पर प्रचार किया था वहां कांग्रेस निपट गई और जहां-जहां पांव पड़े संतन के वहां-वहां बंटाधार वाली कहावत चरितार्थ हो गई। अब भाजपाई दुआ कर रहे हैं कि कांग्रेस हाईकमान भूपेश बघेल को बंगाल विधानसभा चुनाव के काम पर लगाए ताकि वहां भी बची खुची कांग्रेस का काम तमाम हो।

हर मर्ज की एक दवा है हमारे गुरु जी

गुरु जी का ज्ञानी होना उन्हें कोल्हू का बैल बना दे रहा है। सरकार जहां चाहे वहां जोत देती है। बेचारे उफभी नहीं कर पाते। चुनाव आयोग ने छत्तीसगढ़ में भी एफआईआर कराना शुरु किया है। इसके लिए थोक के भाव में शासकीय शिक्षकों को बीएलओ बनाकर उन्हें मतदाता सूची की गहन जांच पड़ताल के काम पर लगा दिया है। विद्यार्थियों की छमाही परीक्षा सिर पर है ऐसे में उन स्कूलों के बच्चों का भविष्य अंधकारमय होना तय है जहां पहले से ही शिक्षकों का टोटा है और अब उसमें भी आधे इधर आओ आधे उधर जाओ की तर्ज पर स्कूलों के मात्र एक या दो शिक्षकों के भरोसे छोड़ दिया गया है।

छत्तीसगढ़ की जीवन रेखा भगवान भरोसे

मुंबई और कोलकाता की तरह छत्तीसगढ़ में भी लोकल ट्रेनें यहां की जीवन रेखा बन गई हैं। जिन में प्रतिदिन हजारों दैनिक रेल यात्री सफर करते हैं। किन्तु जिस तरह कोलकाता और मुंबई में लोकल ट्रेनों को प्राथमिकता दी जाती है और सुपरफास्ट एक्सप्रेस को भी रोककर पहले लोकल ट्रेनों को निकाला जाता है वैसा छत्तीसगढ़ में नहीं होता। यहां तो लोकल ट्रेन को रोककर मालगाड़ी को क्रासिंग दी जाती है। नतीजतन लोकल ट्रेनों का घंटों लेट चलना आम बात हो गई है। लगता है लोकल ट्रेनों का कोई माई बाप ही नहीं है। वे भगवान भरोसे चल रही हैं। अब तो दैनिक रेल यात्री संघ को ही फिर से संगठित होकर रेलवे प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोलना होगा क्योंकि सीधी ऊंगली से तो घी निकलने वाला नहीं है।

बड़बोलापन महंगा पड़ा पोंगा पंडित को

प्रवचन कर्ता श्रद्धालुओं को तो ज्ञान देते हैं कि - ऐसी वाणी बोलिये न मन का आपा खोए, औरों को शीतल करे आपहु शीतल होए.. लेकिन पर उपदेश कुशल बहुतेरे वाली उक्ति को चरितार्थ करते हुए खुद जो मुंह में आज बोल देते हैं। नतीजतन ताली की जगह गाली मिलती है। ऐसे ही मध्यप्रदेश के एक पोंगा पंडित कथित कथावाचक आशुतोष चैतन्य अपनी चेतना को बैठे और तखतपुर में तखत पर बैठकर सतनामी समाज के लोगों पर अत्यंत आपत्ति जनक टिप्पणी कर दी। फलस्वरूप अब वे जेल की हवा खा रहे हैं। हालांकि अब उन्होंने माफी मांग ली है लेकिन अब पछताए का होत है जब चिड़िया चुग गई खेत।

ऐसे में कैसे हो पाएगी धान की खरीदी

धान का कटोरा इस बार भी लबालब भरा है। छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार ने पूर्व घोषित तिथि 15 नवंबर से पूरे प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया प्रारंभ करा दी है। धान खरीदी केन्द्रों में किसानों का स्वागत भी हुआ किंतु कई केन्द्रों में बोहनी भी नहीं हुई। दरअसल धान उपार्जन समितियों के प्रबंधकों और कर्मचारियों की हड़ताल के चलते धान खरीदी प्रभावित हुई। सरकार ने वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए अन्य विभागों के कर्मचारियों को धान खरीदी के काम पर लगाया है लेकिन उनकी अनुभव हीनता के कारण धान खरीदी व्यवस्था गड़बड़ा रही है। दुर्ग जिले में 87 समितियों में धान खरीदी होनी थी लेकिन सिर्फ 35 केन्द्रों में ही खरीदी हो पाई। जिससे किसान परेशान हुए। यदि हड़ताल न टूटी तो धान खरीदी कैसे हो पाएगी यह सवाल किसानों के सामने मुंह बाए खड़ा है।

समेकित कर भी नहीं पटा रहे माननीय

माननीय मंत्रियों, विधायकों और आला अफसरों को सरकार आलीशान बंगले निशुल्क मुहैया कराती है। उन्हें सिर्फ पानी और सफाई का मामूली समेकित कर का भुगतान ही अपनी जेब से करना पड़ता है लेकिन वे इसका भी भुगतान नहीं कर रहे हैं। राजधानी रायपुर के लगभग एक हजार सरकारी बंगलों में रह रहे माननीयों ने पिछले दस सालों से समेकित कर नहीं पटाया है। उन पर लगभग दस करोड़ का भुगतान बकाया है। जिसकी वसूली के लिए नगर निगम को पसीने छूट रहें हैं। सही बात है बिल्ली के गले में घंटी बांधना भला आसान काम थोड़े न है।

- कैलाश यादव, चन्द्रशेखर राव, हरिओम चौहान, हेमंत धोटे, रंजन पांडेय, शाहीन कुरैशी।

19 को किसानों के खाते में आएंगी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त

- **ई-केवाईसी पूरी नहीं की तो अटक सकती है किस्त**

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जुड़े करोड़ों किसानों के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। केंद्र सरकार ने 21वीं किस्त जारी करने की तारीख घोषित कर दी है। योग्य किसानों के बैंक खातों में दो हजार रुपये की अगली किस्त 19 नवंबर 2025 को जमा कर दी जाएगी। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन किसानों ने अब तक अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं की है, उनके खाते में किस्त अटक सकती है। इसलिए समय रहते ई-केवाईसी अपडेट कराना अनिवार्य है।

जिन किसानों ने रिकॉर्ड अपडेट नहीं किया, उन्हें नहीं मिलेगा लाभ

योजना का लाभ उन्हीं किसानों को मिलेगा जिनकी जमीन का विवरण पोर्टल पर दर्ज है, जिनका बैंक खाता आधार से जुड़ा है और जिन्होंने समय पर अपनी पहचान की पुष्टि करा ली है। सरकार आधार सत्यापन के माध्यम से यह सुनिश्चित करती है कि सहायता राशि सही व्यक्ति तक पहुंचे और फर्जी लाभार्थियों को रोका जा सके।

घर बैठे ऐसे करें ई-केवाईसी

सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए मोबाइल फोन से ही ई-केवाईसी पूरी करने की सुविधा उपलब्ध कराई है। किसान तीन तरीकों से प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं

- ओटीपी आधारित पहचान
- अंगुली छाप आधारित पहचान
- चेहरे की पहचान आधारित प्रक्रिया

इनमें चेहरे की पहचान सबसे आसान और तेज़ मानी जा रही है। किसान मोबाइल पर आवश्यक एप डाउनलोड कर अपना पंजीकृत मोबाइल नंबर और आधार नंबर दर्ज कर पहचान पूरी कर सकते हैं। कुछ ही क्षणों में प्रक्रिया पूरी हो जाती है, जबकि स्थिति अगले 24 घंटे में पोर्टल पर दिखाई देती है।

पोर्टल पर ऐसे मिलती रहेगी जानकारी

किसान अपनी किस्त की स्थिति, ई-केवाईसी और पात्रता की जानकारी योजना के पोर्टल पर किसान कॉर्नर के माध्यम से देख सकते हैं। यह सुविधा किसानों को पारदर्शी और त्वरित सेवा प्रदान करती है। किस्त जारी होने में अब अधिक समय नहीं बचा है। ऐसे में किसानों के लिए जरूरी है कि वे तुरंत अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि 19 नवंबर को आने वाली किस्त बिना किसी बाधा के उनके खाते में पहुंच सके।

सीएससी और डाक भुगतान बैंक से भी सुविधा

ग्रामीण इलाकों के किसानों के लिए नजदीकी लोक सेवा केंद्र पर भी ई-केवाईसी कराई जा सकती है। वहीं जिनका बैंक खाता अभी तक आधार से नहीं जुड़ा है, वे डाक भुगतान बैंक के माध्यम से घर बैठे आधार आधारित खाता खुलवा सकते हैं।

धान खरीदी की पुख्ता व्यवस्था

पहले दिन 20 हजार क्विंटल की हुई खरीदी : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

- **कांग्रेस ने किसानों को दिया धोखा, धान खरीदी केंद्रों की निगरानी केवल राजनीतिक दिखावा :साव**
- **छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेताओं की विश्वसनीयता खत्म, ऐसे में बिहार की जनता कैसे भरोसा करती इन पर : साव**

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में धान खरीदी की पुख्ता व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 15 नवंबर से सुचारु रूप से धान खरीदी प्रारंभ हुई है। और पहले ही दिन अलग अलग सहकारी सोसायटी में 20 हजार क्विंटल धान की खरीदी हुई है। ये बातें उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नवा रायपुर निवास कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। आगे साव ने कहा कि, प्रदेश के किसान पूरी तरह से निश्चिंत रहे, सरकार ने धान खरीदी की पुख्ता व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि,धान खरीदी में किसानों को किसी भी प्रकार से दिक्कत ना हो। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अधिकारी पूरी तत्परता से व्यवस्था संचालन में जुटे है।

साव ने कांग्रेस के खरीदी केंद्रों के निगरानी पर पलटवार करते हुए कहा कि, कांग्रेस ने किसानों के साथ धोखा किया है, वो क्या निगरानी करेंगे। दो साल का पुराना बोनस देने का वादा किया था, लेकिन पांच साल के सरकार में नहीं दिया। चार किस्त में देते थे, और चौथी किस्त में कटौती करते थे। छत्तीसगढ़ के किसान कांग्रेसियों की नियत अच्छी तरह से जानते है।

साव ने बिहार में छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेताओं के प्रचार वाले विधानसभा में हार पर कहा कि, आज कांग्रेस की विश्वनीयता समाप्त हो गई है। छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी विशेष रूप से जनता से बार-बार नकारे गए हैं। ऐसे में दूसरे राज्य की जनता इन पर कैसे भरोसा करेगी। जबकि छत्तीसगढ़ के हम भाजपा कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता वहां के संगठन के लोगों के साथ मिलकर उनके सहयोग से प्रचार में गए और ऐतिहासिक परिणाम बिहार में आया है। बिहार की जनता ने विकास और सुशासन को चुना है।

उप मुख्यमंत्री साव ने सुकमा में तीन नक्सलियों के न्यूट्रलाइज होने पर सुरक्षाबलों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई चल रही है। हमारे सुरक्षा बल के जवान लगातार जंगलों में ऑपरेशन चला रहे है। और निश्चित रूप से मार्च 2026 में सशस्त्र नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। सुरक्षा बल के जवानों को बधाई देता हूं। वे दुर्गम इलाकों में जाकर नक्सल उन्मूलन का काम कर रहे हैं।

खैरागढ़ महोत्सव 19 से

खैरागढ़/नवप्रदेश। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में 19 से 21 नवंबर तक खैरागढ़ महोत्सव 2025 का आयोजन होने जा रहा है। एशिया के पहले संगीत विश्वविद्यालय के रूप में पहचाने जाने वाले इस संस्थान में तीन दिनों तक शास्त्रीय संगीत, नृत्य, लोककला और अंतरराष्ट्रीय प्रस्तुति का ऐसा अनूठा संगम होगा, जो छत्तीसगढ़ की संस्कृति को नई पहचान देगा। आयोजन विश्वविद्यालय और संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा संपत्र होगा।

पहले दिन 19 नवंबर को उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ। रमन सिंह करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि राजस्व व उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा आमंत्रित हैं। विशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रियंका खम्हन ताम्रकार और जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह शामिल रहेंगे। उद्घाटन दिवस पर अंतरराष्ट्रीय संगीत प्रस्तुति, तबला वादन, उपशास्त्रीय गायन और छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की रंगारंग झांकी दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगी। खैरागढ़ महोत्सव न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन है, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं, कला-वारसा, लोक आत्मा और आधुनिक सांगीतिक प्रयोगों का एक सशक्त मंच है।

21 नवंबर को समापन समारोह का आयोजन होगा। इसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो। डॉ। लवली शर्मा द्वारा की जाएगी। अति विशिष्ट अतिथियों में उपमुख्यमंत्री अरुण साव और रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल को आमंत्रित किया गया है। विशिष्ट अतिथि खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा उपस्थित रहेंगी। अंतिम दिवस पर उस्ताद सिराज अली खान का सरोद वादन, पं। संजू सहाय का तबला, शमा भाटे का कथक नृत्य और कविता वासनिक का लोकसंगीत उत्सव होगा।

नाट्य-नृत्य संगम की प्रस्तुति 20 को होगी : महोत्सव के दूसरे दिन 20 नवंबर को मुख्य अतिथि सांसद संतोष पाण्डे होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो। डॉ। लवली शर्मा करेंगी। विशिष्ट अतिथि नगर पालिका की अध्यक्ष गिरिजा चंद्राकर, आर्यव्रत सिंह, मनीष पारख, अमित बरडिया और हरीश चंद जैन शामिल हैं।

पुलिस कस्टडी में मौत, 8 दिन बाद भी नहीं हुआ अंतिम संस्कार

परिजनों ने की एक करोड़ के मुआवजे की मांग

बलरामपुर/नवप्रदेश। बलरामपुर में पुलिस कस्टडी में चोरी के आरोपी की मौत के 8 दिन बाद भी शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका है। उमेश सिंह के परिजन सहमत नहीं हुए। परिजन अपनी मांगों को लेकर सीतापुर में धरना दिया था।

परिजनों ने दोबारा पोस्टमॉर्टम कराने और एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग रखी है। एसडीएम से चर्चा के बाद कोई सहमति नहीं बनीं तो परिजनों ने फ्लिहाल शव का अंतिम संस्कार नहीं किया है। फ्लिहाल उमेश का शव सरगुजा के सीतापुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मरच्यूरी में रखा गया है।

क्या है पूरा मामला: बता दें कि बलरामपुर में स्थित धनंजय ज्वेलर्स में पिछले दिनों 50 लाख रुपए की चोरी हुई थी, जिस मामले में पुलिस ने उमेश सहित नौ लोगों को पकड़ा था और इसके बाद यह घटना हुई थी। हालांकि इस घटना के तत्काल बाद पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी किया और बताया कि उसने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है और उनसे कई जेवरात भी जप्त किया गया है। वही एक आरोपी को प्रेस विज्ञप्ति में फरार बताया गया।

पुलिस कस्टडी में मौत हुई मौत : रविवार को बलरामपुर साइबर सेल की टीम के द्वारा हिरासत में लिए गए सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत नकना निवासी उमेश सिंह की मौत हो गई। परिवार वालों का कहना है कि पुलिस की पिटाई की वजह से उमेश की मृत्यु हुई है और जब उसकी मौत हो गई तब पुलिस वालों ने परिवार वालों को सूचना दिया कि उसकी तबीयत खराब है आप देखने के लिए अस्पताल लिए लेकिन जब वह अस्पताल पहुंचे तब उसकी मौत हो चुकी थी वही परिजनों के अस्पताल पहुंचने के बाद भी उसके लाश को उन्हें नहीं दिखाया गया और उनकी सहमति के बिना शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों का यह भी आरोप है कि हिरासत में लेने के बाद पुलिस के जवानों ने लोहे का पंजा हाथ में लगाकर उसके साथ मारपीट की थी और उसके मुंह से खून निकल रहा था वही एक दूसरे युवक के कान से भी खून निकलने लगा था।

कथा वाचक चैतन्य महाराज की गिरफ्तारी के दौरान हंगामा

- **पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ दर्ज किया केस**

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की 'न्यायधानी' बिलासपुर में कथावाचक आशुतोष चैतन्य महाराज ने सतनामी समाज को लेकर एक आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। भागवत कथा के दौरान उन्होंने सतनामी समाज के लिए किए आपत्तिजनक बातें कही, जिसके बाद अब कथावाचक आशुतोष चैतन्य महाराज को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं गिरफ्तारी के दौरान कोर्ट परिसर में दोनों पक्षों के द्वारा हंगामा मचाया गया था। इस मामले पुलिस ने कार्रवाई करते हुए केस दर्ज किया है।

आशुतोष चैतन्य महाराज की गिरफ्तारी के दौरान हंगामा

दरअसल, कल कथावाचक को कोर्ट में पेश करते समय न्यायालय परिसर में सतनामी समाज के लोगों ने आशुतोष चैतन्य महाराज के लिए मुर्दाबाद के नारे लगाए थे। वहीं हिंदू संगठन के लोगों ने बचाव किया था। इस दौरान ही दोनों पक्षों में वाद-विवाद की स्थिति बन गई थी। वहीं अब स्स्क्ष रजनेश सिंह के निर्देशों के बाद दोनों पक्षों के खिलाफ पुलिस ने सिविल लाइन थाने में केस दर्ज किया है।

आशुतोष चैतन्य महाराज ने मांगी माफी

सतनामी समाज द्वारा कड़े विरोध को देखते हुए आशुतोष चैतन्य महाराज ने एक वीडियो जारी किया और सतनामी समाज के खिलाफ बोले गए आपत्तिजनक बोल के संबंध में माफी मांगी थी।

जानें पूरा मामला

बिलासपुर जिले के तखतपुर क्षेत्र के टिकरी पारा में श्रीमद् भागवत कथा महापुराण का आयोजन किया जा रहा है। इस कथा के दौरान कुछ दिनों पहले कथावाचक आशुतोष चैतन्य महाराज ने सतनामी समाज को लेकर कई अपशब्द कहे। उनकी कथा का वीडियो यूट्यूब चैनल पर भी अपलोड किया गया। वीडियो सामने आने के बाद सतनामी समाज को लोग भड़क उठे। बड़ी संख्या में सतनामी समाज के लोगों ने इकट्ठा होकर तखतपुर थाने का घेराव किया। साथ ही प्रदर्शन के दौरान कथावाचक की गिरफ्तारी की मांग और जमकर नारेबाजी की। समाज के लोगों का कहना था कि व्यासपीठ से की गई ऐसी बातें धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने वाली हैं।

मुख्यमंत्री से शिकायत के बाद रजिस्ट्री शून्य की कार्यवाही तेज

गरियाबंद नगर पालिका क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग

जीवन एस साहू,

गरियाबंद/नवप्रदेश। पिछले कुछ वर्षों के दौरान जिले में अवैध प्लाटिंग के खेल में करोड़ों का वारा न्यारा होता रहा,जिला मुख्यालय सहित ब्लॉक मुख्यालयों के आस पास ग्रामीण क्षेत्रों साथ ही नगर सीमा क्षेत्र की कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग और अनाधिकृत कालोनी निर्माण की बाढ़ आ गई। कुछ लोगों ने एक अदद आशियाने का सपना लेकर और कुछ लोगो ने निवेश के नाम पर बगैर सोचे समझे इन कृषि भूखंडों में अपनी जमा पूंजी लगा दी, अब मामला शिकायतों और कानूनी कार्यवाही के दायरे में फंस चुका है।

आपको बता दें कि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय गरियाबंद में 11 जून 2021 एवं 09 मई 2022 तक अवैध प्लाटिंग के कुल 13 प्रकरण दर्ज किये गये थे, इन प्रकरणों में से 01 प्रकरण को पूर्व पीठासीन अधिकारी द्वारा नगर पालिका गरियाबंद क्षेत्र के अंतर्गत आने से 16 अक्टूबर 2024 को खारिज किया गया था। तब से ये एक प्रकरण कार्यालय नगर पालिका परिषद में लंबित था। नगर के एक वरिष्ठ पत्रकार ने मुख्यमंत्री से शिकायत की तब जाकर पालिका प्रशासन की नींद खुली। वरिष्ठ पत्रकार का सवाल है कि क्या इस तरह के स्थानीय मामलों की शिकायत अब मुख्यमंत्री तक करने पर ही कार्यवाही की जायेगी, स्थानीय स्तर पर की गई शिकायतों का कोई महत्व नहीं होगा ? हालांकि इसी सप्ताह वरिष्ठ पत्रकार के द्वारा कलेक्टर गरियाबंद से भी उपरोक्त भूखंडों के अंतरण शीघ्र शून्य करने की मांग की गई है।

जिले में बहुत से भू-माफिआओं ने अवैध प्लाटिंग में करोड़ो का वारा न्यारा किया, कौड़ियों की कीमत पर एकड़ के भाव कृषि भूमि खरीदी और प्लाटिंग के बाद वर्ग फ़ीट के हिसाब से करोड़ों में बेची। किसी ने इसके लिये चढ़ावे का खेल खेला और किसी ने छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी एक मंत्री के नाम का सहारा लिया।

इस मामले में एक से दो वर्ष पूर्व हल्का पटवारी प.ह.न.10 तहसील गरियाबंद के प्रतिवेदन के अनुसार नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नं 15 में अनेक खसरा नंबरों का बँटाकन कर अवैध प्लाटिंग की गई है, सीधे शब्दों में भू-राजस्व संहिता के जानकार इसे अवैध कालोनी करार देते हैं।

गरियाबंद नगरीय क्षेत्र में अवैध कालोनियों के विरुद्ध कार्यवाही में विलंब और ढुलमुल प्रशासनिक रवैये को देखते हुये एक वरिष्ठ पत्रकार द्वारा इस मामले की शिकायत सीधे मुख्यमंत्री से की गई। शिकायत के अनुसार नगर पालिका परिषद गरियाबंद क्षेत्रांतर्गत भू माफिआओं द्वारा खसरा नं 166/2,209/1,208,207,166/1,160,159,158,145,146,147,133,135 पर अवैध प्लाटिंग कर मकानों का निर्माण किया जा रहा है।

गरियाबंद पालिका प्रशासन द्वारा दो से तीन वर्ष पूर्व भु माफिआओं के विरुद्ध नोटिस जारी कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली गई थी। मुख्यमंत्री से शिकायत के बाद अब उपरोक्त भूखंडों पर किये गये अंतरण शून्य करने की कार्यवाही को लेकर पत्राचार किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com